हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com | जबलपुर, बुधवार 3 दिसंबर 2025

13 द. अफ्रीका पर शृंखला जीत के लिए....

विचार पेज

8 सुरक्षा कवच या निजता पर निगरानी

चार वर्ष बाद फिर से प्रत्यक्ष चुनाव के जरिए प्रत्यक्ष पद्धति से चुने जाएंगे अध्यक्ष, विधेयक को मिली मंजूरी

नगरपालिका व नगर परिषदों में अब पार्षद नहीं, आम लोग चुन सकेंगे अपने अध्यक्ष

अध्यक्ष बनने के तीन वर्ष बाद तीन चौथाई पार्षद रिकॉल के जरिए अध्यक्ष को हटा सकेंगे

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

मप्र के नगरपालिका व नगरपरिषदों में अभी तक चुने हुए वार्डों के पार्षद अपना अध्यक्ष चुनते थे, किंतु मंगलवार से यह व्यवस्था बदल गई है। अब अध्यक्षों का चुनाव प्रत्यक्ष पद्धति यानी सीधे जनता के वोट से होगा। सरकार का मानना है कि इससे नपा व नप के अध्यक्ष और जवाबदेह होंगे। यह जनता के हित में है, और अनियमतताओं पर नियंत्रण लग सकेगा। अध्यक्ष बनने के तीन वर्ष बाद तीन चौथाई पार्षद रिकॉल के जरिए अध्यक्ष को हटा सकेंगे। अध्यक्ष को वापस बुलाने यानी रिकॉल के जरिए अध्यक्ष को वापस बुलाने की ऐसी प्रक्रिया तब तक शुरू नहीं होगी, जब तक कि निर्वाचित पार्षदों की कम से कम तीन चौथाई संख्या हटाने के लिए सहमत नहीं हो और वे प्रस्ताव पर हस्ताक्षर करके कलेक्टर को प्रस्तुत करेंगे। मप्र विधानसभा ने मप्र नगरपालिका (संशोधन) विधेयक 2025 तथा उसकी 16 धाराओं में संशोधन को मंजूरी दी गई है।

2020 के पहले अध्यक्षों का चुनाव प्रत्यक्ष पद्धति से वोट से होता था

फाइल फोटो

पहली बार किसी विधेयक पर सत्ता पक्ष व विपक्ष दोनों सहमत हुए

विधानसभा में विधेयक पर चर्चा व मतदान में पहली बार सत्ता पक्ष व विपक्ष दोनों सहमत हुए। हालांकि, कुछ विपक्षी विधायकों ने सरकार से सवाल भी किए। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार, जयवर्धन सिंह, अभय मिश्रा, भवर सिंह शेखावत व लखन घनघोरिया ने सवाल किया कि क्या अब निकायों में भ्रष्टाचार खत्म हो जाएगा। भाजपा का यह चुनावी मॉडल है। टिकट बेचने का नया मॉडल है।

कृषि मंत्री का हाथ पकड़कर इलाज के लिए अस्पताल ले जाते मंत्री सारंग

कृषि मंत्री कंषाना सदन में अचेत होकर गिरे, अस्पताल पहुंचाया

विधानसभा में प्रश्नकाल के दौरान अचानक कृषि मंत्री ऐदल सिंह कंषाना अचानक अचेत होकर अपने चेयर से गिर गए, हालांकि तत्काल साथ मंत्रियों ने उन्हें उठाया और मंत्री विश्वास सारंग ने अपने वाहन में बैठाकर निजी अस्पताल में पहुंचाया। कंषाना की तबीयत ठीक है। उधर, कंषाना के अचेत होकर गिरते ही विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने सदन की कार्यवाही 10 मिनट के लिए स्थगित कर दी। वे खुद आसंदी से नीचे आकर कंषाना का हाल पूछे। उनकी तबीयत ठीक होने पर सदन की कार्यवाही फिर से शुरू हुई।

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

सीबीएसई एग्जाम के लिए नई गाइडलाइंस

नई दिल्ली। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने कक्षा 10वीं और 12वीं के प्रैक्टिकल एग्जाम 2026 के लिए एसओपी जारी कर दिए हैं। विंटर बाउंड स्कूलों में प्रैक्टिकल एग्जाम 6 नवंबर से 6 दिसंबर 2025 तक आयोजित किए जाएंगे, जबकि रेगुलर सेशन स्कूलों के लिए परीक्षा तिथियां 1 जनवरी से 14 फरवरी 2026 तय की गई हैं।

इंस्टाग्राम की हर पोस्ट में सिर्फ 3 टैग!

नई दिल्ली। इंस्टाग्राम अपने प्लेटफॉर्म पर बड़ा बदलाव टेस्ट कर रहा है, जो पोस्ट करने और कंटेंट को ऑर्गेनाइज करने का तरीका बदल सकता है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, कंपनी हर पोस्ट में सिर्फ तीन हैशटैग जोड़ने की लिमिट पर काम कर रही है। यह 2011 से चले आ रहे पुराने सिस्टम में बड़ा बदलाव माना जा रहा है।

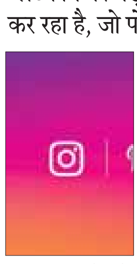

अवध ओझा ने राजनीति से लिया संन्यास

नई दिल्ली। मशहूर कोचिंग टीचर और मोटिवेशनल स्पीकर अवध ओझा ने आम आदमी पार्टी (आप) से इस्तीफा दे दिया है। कुछ ही महीनों की राजनीतिक पारी के बाद, उन्होंने मंगलवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट के माध्यम से राजनीति से संन्यास लेने की घोषणा की। ओझा ने पोस्ट में लिखा राजनीति से संन्यास मेरा व्यक्तिगत निर्णय है।

मप्र में शिक्षा के क्षेत्र में 'नवाचार'

अब स्कूलों में लगेंगी कॉलेज की कक्षाएं, बेहतर नतीजे वाले प्राचार्यों होंगे प्रोत्साहित

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने की स्कूल शिक्षा विभाग की समीक्षा

स्कूलों में अब 12 स्थानीय भाषाओं में दी जाएगी शिक्षा

अब बघेलखंड में बघेली, बुंदेलखंड में बुंदेली और मालवा में मालवी भाषाओं में शिक्षा देने का प्रावधान किया जा रहा

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

मप्र में शिक्षा के क्षेत्र में नवाचार होने जा रहा है। पंजाब समेत कुछ अन्य राज्यों की तर्ज पर मप्र में भी नई शिक्षा नीति की प्रावधानों के अनुसार 12 स्थानीय भाषाओं में शिक्षा व्यवस्था की जा रही है। यानी अब बघेलखंड में बघेली, बुंदेलखंड में बुंदेली और मालवा में मालवी भाषाओं में शिक्षा देने का प्रावधान किया जा रहा है।

इसके साथ ही साथ सरकार एक भवन अनेक कक्षाएं की तर्ज पर एक विद्यालय भवन में शेष खाली समय में कॉलेज स्तर की कक्षाएं संचालित करने की व्यवस्था शुरू की जा रही है। स्कूल शिक्षा विभाग ने भवन एक कक्षा अनेक की तर्ज पर एक विद्यालय भवन में शेष खाली समय में महाविद्यालय की कक्षाएं संचालित की जाएंगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि इस तरह की व्यवस्था से एक ही कैंपस में स्कूल और महाविद्यालय दोनों की कक्षाएं शुरू होंगी। इसका लाभ छात्रों को तो मिलेगा ही साथ में ऐसे स्थान जहां भवन की समस्या आ रही है।

सीएम ने कहा कि पढ़ाई का स्तर अच्छा होगा इसका लाभ छात्रों को मिलेगा

मुख्यमंत्री ने कहा कि स्कूलों में अत्यधिक नामांकन होना चाहिए, पिछले वर्ष की तुलना में 120 प्रतिशत नामांकन हुए

सीएम बैठक लेते हुए

लैपटॉप के लाभार्थी विद्यार्थियों की संख्या बढ़ाने के निर्देश

मुख्यमंत्री ने लैपटॉप के लाभार्थी विद्यार्थियों की संख्या बढ़ाने के निर्देश भी दिए हैं। अभी मप्र में टॉपर छात्र-छात्राओं को लैपटॉप देने की व्यवस्था सरकार विभिन्न योजनाओं में कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जब पढ़ाई का स्तर अच्छी होगी, इसका लाभ छात्र-छात्राओं को मिलेगा। वे परीक्षाओं में टॉप करेंगे तो उन्हें लैपटॉप शासन की ओर से दी जा सकेगी। उन्होंने स्कूलों में नामांकन, पाठ्य पुस्तक वितरण, साइकिल वितरण की भी जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्कूलों में अत्यधिक नामांकन होना चाहिए।

ड्रॉप आउट रेट में कमी रेखांकित हुई

स्कूलों में ड्रॉप आउट रेट में काफी कमी देखी गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इसे और कम करने की दिशा में प्रयास करें। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि ड्रॉप आउट का प्रतिशत अभी जिस तरह से कम हुआ है, इससे यह परिलक्षित होता है कि बच्चों की रुचि पढ़ाई लिखाई में बढ़ी है। प्राथमिक को माध्यमिक स्तर के विद्यालयों के लिए अधोसंरचना विकास की जानकारी भी दी गई। इसमें नई स्थितियों की जानकारी बैठक में दी गई। सभी स्कूलों में विद्युतीकरण का लक्ष्य रखा गया है।

शिक्षकों की उपस्थिति अब एप से ही होगी

मुख्यमंत्री की समीक्षा बैठक में अनुपस्थित शिक्षकों की उपस्थिति की पड़ताल की गई। मुख्यमंत्री ने नई तकनीक संचालित करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि ऐसे शिक्षक जो लगातार अनुपस्थित हैं, और उपस्थिति दर्ज नहीं कर पा रहे हैं, इसकी जांच करें। इसमें यदि अनुपस्थित शिक्षक की बार-बार की लापरवाही प्रतीत होती है, तो इस पर त्वरित कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि शिक्षकों की उपस्थिति अनिवार्य होनी चाहिए। हर स्तर पर इसकी मॉनिटरिंग होनी चाहिए। जो शिक्षक एप में अपनी उपस्थिति दर्ज नहीं कर पा रहे हैं, पहले उन्हें प्रशिक्षित किया जाए, फिर उन्हें हिदायत दी जाए, इसके बाद भी यदि वे जानबूझकर एप में उपस्थिति दर्ज नहीं कर पा रहे हैं, तो इसके लिए कड़े कदम उठाया जाए।

सत्ता से सेवा की ओर बढ़ रही सरकार

फाइल फोटो

पीएम कार्यालय अब 'सेवा तीर्थ' केंद्रीय सचिवालय कर्तव्य भवन

राज्यों के राजभवन लोकभवन कहलाएंगे | **पीएम कार्यालय जल्द ही नए कॉम्प्लेक्स में शिफ्ट होगा**

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने पीएम कार्यालय (पीएमओ) का नाम बदलकर सेवा तीर्थ कर दिया है। देश भर के राज्य भवन का नाम अब लोक भवन होगा। इसके अलावा केंद्रीय सचिवालय को कर्तव्य भवन के नाम से जाना जाएगा। मंगलवार को यह जानकारी दी गई है। पीएमओ के अफसरों ने कहा कि सार्वजनिक संस्थानों में बड़ा बदलाव हो रहा है। सत्ता से सेवा की ओर बढ़ रहे हैं। ये बदलाव प्रशासनिक नहीं, सांस्कृतिक है। यह बदलाव छवि निर्माण नहीं बल्कि शासन की सोच में परिवर्तन का प्रतीक है- सत्ता, नियंत्रण और दूरी के पुराने संकेतों को हटाकर सेवा, कर्तव्य और जवाबदेही को केंद्र में लाना। पीएम कार्यालय जल्द ही नए कॉम्प्लेक्स में शिफ्ट होगा। इस बिल्डिंग का नाम ही सेवा तीर्थ रखा गया है। नया कॉम्प्लेक्स, बनने के आखिरी चरण में है।

औपनिवेशक मानसिकता हटा रहे

केंद्रीय गृह मंत्रालय ने पिछले साल राज्यपालों के सम्मेलन में हुई एक चर्चा का हवाला देते हुए कहा कि राज भवन नाम औपनिवेशिक मानसिकता को दर्शाता है। इसलिए राज्यपालों और उप-राज्यपालों के कार्यालयों को अब लोक भवन और लोक निवास के नाम से जाना जाएगा। नरेंद्र मोदी के पीएम बनने के बाद से ही उपनिवेशकालीन शाही ठिकानों की छवि को बदलने की कोशिश जारी है। इसकी शुरुआत 2016 में हुई थी, जब पीएम मोदी ने अपने आवास का नाम 7, रेस कोर्स रोड से बदलकर 7, लोक कल्याण मार्ग कर दिया था।

दिल्ली पहुंचा आईएएस संतोष वर्मा का विवादित बयान

भोपाल सांसद ने की केंद्रीय कार्मिक मंत्री से शिकायत, अनुशासनात्मक कार्रवाई की मांग

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

ब्राह्मण समाज की बेटियों को लेकर दिए गए विवादित बयान का मामला अब भोपाल से निकलकर सीधे दिल्ली के गलियारों तक पहुंच गया है। अजाक्स के नव-निर्वाचित अध्यक्ष और आईएएस अधिकारी संतोष वर्मा के विवादित बयान पर अब भोपाल से लेकर रीवा तक के सांसद सक्रिय हो गए हैं और केंद्र सरकार से सख्त अनुशासनात्मक कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। भोपाल सांसद आलोक शर्मा ने केंद्रीय कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग के मंत्री जितेंद्र सिंह से मुलाकात कर संतोष वर्मा के खिलाफ लिखित शिकायत दर्ज कराई।

■ **रीवा सांसद मिश्रा भी कर चुके हैं शिकायत**

सांसद शर्मा और मंत्री जितेंद्र सिंह

कारावास से लेकर अवमानना तक कई विवाद

सांसद मिश्रा ने अपनी शिकायत में यह भी उल्लेख किया कि आईएएस वर्मा का नाम पहले अदालत की अवमानना, अमर्यादित भाषा और सरकारी कार्य में बाधा जैसे मामलों में आ चुका है। इन प्रकरणों में उन्हें कारावास की सजा भी भुगतनी पड़ी थी। दोनों सांसदों का कहना है कि वर्मा का हालिया बयान एक पूरे वर्ग का अपमान है और संविधान द्वारा प्रदत्त समानता के सिद्धांत का उल्लंघन करता है।

इंसाफ के लिए आत्मघाती कदम उठाने की मजबूरी

कलेक्टर ऑफिस में किसान ने किया 'आत्मदाह' का प्रयास

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

कलेक्ट्रेट कार्यालय परिसर में शिकायत करने पहुंचे एक शिकायतकर्ता ने खुद पर पेट्रोल छिड़क कर आग लगाने का प्रयास किया। वहां पर मौजूद लोगों ने उससे पेट्रोल की बॉटल छीनते हुए बचाया। स्लीमनाबाद धुरी गांव निवासी भारत पटेल पिता हीरालाल पटेल अपने परिवार के साथ कलेक्ट्रेट में जनसुनवाई में शिकायत लेकर पहुंचा था। उसका कहना था कि गांव के कुछ दबंग उसे प्रताड़ित कर रहे हैं।

पेट्रोल डालता किसान

बुजुर्ग दंपती जहर लेकर जनसुनवाई में पहुंचे

कहा- न्याय नहीं मिला तो सुसाइड कर लेंगे

बुजुर्ग दंपती अपनी तकलीफ बताते हुए

विदिशा। सिविल लाइन थाना क्षेत्र की आमवाली कॉलोनी में रहने वाले एक बुजुर्ग दंपती मंगलवार को जनसुनवाई में जहर की पुड़िया लेकर पहुंचे। उन्होंने अपने छोटे बेटे और बहू पर मारपीट कर घर से निकालने का आरोप लगाया।

नेशनल इंस्टीट्यूट फॉर रिसर्च इन एन्वायर्नमेंटल हेल्थ की रिपोर्ट से खुलासा

चौंकाने वाली खबर

भोपाल गैस त्रासदी के 41 साल

तीसरी पीढ़ी के डीएनए में भी जहर, 3 गुना बढ़ीं विकृतियां एमआईसी जीनो टॉक्सिक, इसने क्रोमोसोम पर हमला किया

पीड़ित परिवारों में गर्भपात की दर ऊंची और शिशु मृत्यु दर भी सामान्य से कई गुना ज्यादा | पीड़ितों के बच्चों का शारीरिक और मानसिक विकास भी बेहद धीमा

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

2 और 3 दिसंबर 1984 की दरमियानी वह भयावह रात आज भी भोपाल को डराती है, जब यूनियन कार्बाइड (यूसी) फैक्ट्री से मिथाइल आइसोसाइनेट (एमआईसी-मिक) गैस रिसकर शहर की हवा में घुल गई थी। इस जहरीली गैस ने हजारों लोगों की जान तो तुरंत ले ली, लेकिन इसका दंश अब तीसरी पीढ़ी के रक्त व जीन तक पहुंच चुका है। औद्योगिक दुर्घटना के 41 साल बाद भी यह जहर बच्चों में शारीरिक विकृतियां, कैंसर, कमजोर दिमाग और विकास में देरी का कारण बन रहा है।

प्लांट जहां से गैस रिसी थी

प्रभावित बच्चों का मेडिकल इंश्योरेंस तक नहीं

यूनियन कार्बाइड सैन डिएगो के वर्ष 2023 में हुए अध्ययन ने भी बताया गया है कि गर्भ में मिक के संपर्क में आए बच्चों में जीवन भर कैंसर का खतरा, विकलांगता और सीखने की क्षमता में कमी बनी रहती है। इससे हुई क्षति इतनी बड़ी है कि तीसरी पीढ़ी तक जीन की अस्थिरता कम नहीं हुई है। हमीदिया अस्पताल के पूर्व फोरेंसिक विशेषज्ञ डॉ. डीके सत्पथी बताते हैं कि यूनियन कार्बाइड परिसर से जहरीला कचरा तो हटा दिया गया है, लेकिन पीड़ित परिवार आज भी आनुवंशिक बीमारियों से घिरे हुए हैं।

भोपाल गैस त्रासदी की बरसी पर सरकारी छुट्टी

भोपाल गैस त्रासदी की 41वीं बरसी पर राज्य सरकार ने छुट्टी की घोषणा की। 3 दिसंबर को सभी स्कूल-कॉलेज बंद रहेंगे। वहीं, मंगलवार की शाम को मोमबत्ती रैली निकालकर त्रासदी में जिन लोगों की मौत हुई उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। बुधवार को सुबह साढ़े 10 बजे बरकतुल्लाह भवन में सभी धर्म के तहत प्रार्थना होगी।

संसद का शीतकालीन सत्र दूसरे दिन भी रहा बाधित

वंदे मातरम के 150 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में लोकसभा में 8 को होगी इस पर चर्चा, प्रधानमंत्री मोदी बहस की करेंगे शुरुआत

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

संसद के शीतकालीन सत्र में वंदे मातरम पर चर्चा सोमवार 8 दिसंबर को दोपहर 12 बजे से की जाएगी। शीतकालीन सत्र में वंदे मातरम पर 10 घंटे की चर्चा होगी, जिसकी शुरुआत प्रधानमंत्री मोदी करेंगे। यानी चर्चा के लिए 10 घंटे का समय निर्धारित किया गया है और प्रधानमंत्री मोदी बहस की शुरुआत करेंगे। एक वरिष्ठ सांसद ने इस संबंध में बताया कि वंदे मातरम के 150 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में एक विस्तृत और विशेष चर्चा होगी।

यह चर्चा संसद के शीतकालीन सत्र का एक प्रमुख आकर्षण होने की उम्मीद है। यह भारत की सांस्कृतिक विरासत, स्वतंत्रता आंदोलन में वंदे मातरम की भूमिका और समकालीन भारत में इसकी प्रासंगिकता पर चर्चा का अवसर प्रदान करेगी। इसके साथ ही चुनाव सुधारों पर 9-10 दिसंबर को चर्चा होगी, जिसका जवाब केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल देंगे।

10 घंटे चर्चा का समय किया गया निर्धारित

भारत की सांस्कृतिक विरासत की झलक दिखाई देगी

इसकी प्रासंगिकता पर माननीय रखेंगे अपने विचार

संसदीय मंत्री किरेन रिरिजू

भाजपा आईटी सेल के मालवीय

वंदे मातरम कोई राजनीतिक एजेंडा नहीं: रिजिजू

किरेन रिजिजू ने सर्वदलीय बैठक के बाद कहा कि वंदे मातरम बहुत जरूरी है। हमारी आजादी की लड़ाई में हमने वंदे मातरम का नारा लगाकर अंग्रेज़ों के खिलाफ लड़ाई लड़ी थी। बंकिम चंद्र चटर्जी को वंदे मातरम लिखे 150 साल हो गए हैं। पूरा देश इस पर यकीन करता है। यह कोई राजनीतिक एजेंडा नहीं है। 150 साल हुए हैं, अगर हमें इस पर बात करनी भी पड़ी, तो मैं इसे सभी पार्टियों के सामने रखूंगा। मैं इसे बीएसी में उठाऊंगा। मैं यहां एजेंडा घोषित नहीं कर सकता। उन्होंने कहा कि पूरे देश में वंदे मातरम को सम्मान मिलता है और हम सभी पार्टियों के साथ मिलकर इस पर चर्चा चाहते हैं।

राजनीतिक नौटंकी कर रही टीएमसी कांग्रेस: मालवीय

एक दिन पहले भाजपा नेता अमित मालवीय ने कांग्रेस और पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि संसद में जारी हालिया निर्देश को लेकर दोनों दल जिस तरह आपत्ति जता रहे हैं, वह पूरी तरह 'राजनीतिक नौटंकी' है, जबकि यह नियम दशकों से लागू है और किसी सरकार की तरफ से नहीं, बल्कि लोकसभा और राज्यसभा के पीठासीन अधिकारी की तरफ से बनाया गया था। दोनों दलों के बीच वार-पलटवार के बीच अब संसद सत्र में उनकी रणनीति ही राज्य के विधानसभा चुनाव की नींव तैयार करती दिखेगी।

वंदे मातरम पहली बार 7 नवंबर 1875 को बंगदर्शन में हुआ था प्रकाशित

बंकिम चंद्र चटर्जी द्वारा रचित 'वंदे मातरम' पहली बार 7 नवंबर, 1875 को साहित्यिक पत्रिका 'बंगदर्शन' में प्रकाशित हुआ था। चटर्जी ने इसेअमर उपन्यास 'आनंदमठ' में शामिल किया, जो 1882 में प्रकाशित हुआ। इसे रवींद्रनाथ टैगोर ने संगीतबद्ध किया था। यह राष्ट्र की सभ्यतागत, राजनीतिक और सांस्कृतिक चेतना का अभिन्न अंग बन गया है। प्रधानमंत्री ने 7 नवंबर को 'वंदे मातरम' के 150 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में 1 वर्ष तक चलने वाले समारोह का उद्घाटन किया था।

संसद में नेताओं ने कहा

विपक्षी दलों की स्थिति बीमार की तरह हो गई: तिवारी

एसआईआर के खिलाफ विपक्ष के विरोध पर भाजपा सांसद मनोज तिवारी ने कहा कि वे सदन नहीं चलने दे रहे हैं, हंगामा कर रहे हैं। उनका रवैया देश में ज़रा सा भी काम नहीं होने दे रहा है और जनता यह देख रही है। विपक्ष की स्थिति बीमार की तरह हो गई है।

कोई शिकायत नहीं कि वोट काटे गए सहरावत बोली

एसआईआर पर विपक्ष के हंगामे पर भाजपा सांसद कमलजीत सहरावत ने कहा कि पिछली बार भी उन्होंने सर के मुद्दे पर सदन नहीं चलने दिया था। हमने देखा कि किसी ने भी यह शिकायत नहीं की कि उनका वोट काटा गया, चुनाव शांतिपूर्ण तरीके से हुए और वोट भाजपा के पक्ष में आए। विपक्ष फिर से सर पर हंगामा कर रहा है।

एसआईआर के जरिए 'वोट चोरी' को अंजाम दे रही सरकार: प्रियंका

प्रियंका गांधी ने एक्स पर एक पोस्ट कर कहा कि नरेंद्र मोदी सरकार और चुनाव आयोग मिलकर एसआई के जरिये 'वोट चोरी' को अंजाम दे रहे हैं। यह हमारे करोड़ों दलित, पिछड़े, आदिवासी और वंचित भाई-बहनों से वोट का अधिकार छीनने का संगठित प्रयास है। चुनाव आयोग किसी सवाल का जवाब नहीं दे रहा है और सरकार खुलकर आयोग का बचाव कर रही है।

विपक्षी नेताओं को मुद्दे उठाने का समय : हरसिमरत

शिरोमणि अकाली दलकी सांसद हरसिमरत कौर बादल का कहना है कि पिछले 10 सालों में सदन का न चलना एक आम बात हो गई है। अगर आप रिकॉर्ड देखें, तो सदन की बैठकों की संख्या कम हो गई है। हम जैसे लोग अपने निर्वाचन क्षेत्रों को छोड़कर यहां आने का क्या मतलब समझते हैं। हम तभी आएंगे जब सदन चलेगा। विपक्षी नेताओं को अपने मुद्दे उठाने का समय दिया जाना चाहिए।

सुप्रीम कोर्ट का आदेश: केरल एसआईआर की तारीख बढ़ाने पर चुनाव आयोग दो दिन में ले फैसला

केरल में स्थानीय निकाय चुनावों के बीच सर के लिए गणना फॉर्म भरने की तारीख को एक सप्ताह और बढ़ाने की मांग का मामला मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट पहुंचा। शीर्ष अदालत ने मामले की सुनवाई करते हुए चुनाव आयोग से इस मामले पर विचार करने को कहा है। सीजेआई जस्टिस सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने सुनवाई के दौरान टिप्पणी की कि सर के कार्य में सरकारी मशीनरी को कोई समस्या नहीं है, लेकिन कुछ राजनीतिक दलों को समस्या आ रही है, क्योंकि वे स्थानीय चुनावों में व्यस्त हैं। कोर्ट ने चुनाव आयोग से पूछा है कि क्या गणना फॉर्म भरने की तारीख को एक हफ्ते के लिए और बढ़ाया जा सकता है?

25,000 स्टाफ केवल एसआईआर के लिए

चुनाव आयोग ने कोर्ट को बताया कि एसआईआर के लिए पूरी तरह अलग स्टाफ है और चुनाव के लिए स्टाफ अलग हैं। आयोग ने बताया कि 25000 स्टाफ केवल सर के लिए मिले हैं। आयोग ने कोर्ट को यह भी बताया कि गणना फॉर्म भरने की मूल अंतिम तिथि 4 दिसंबर थी, जिसे पहले ही बढ़ाकर 11 दिसंबर कर दिया गया है। सुप्रीम कोर्ट ने केरल की राजनीतिक पार्टियों को निर्देश दिया है कि वे अपनी मांग से संबंधित आवेदन जल्द चुनाव आयोग को दें और चुनाव आयोग दो दिनों के भीतर इन मांगों पर फैसला ले।

खबर संक्षेप

प्रेम कुमार बने बिहार विधानसभा अध्यक्ष

पटना। 18वीं विधानसभा के अध्यक्ष भारतीय जनता पार्टी के दिग्गज नेता प्रेम कुमार चुन लिए गए। उन्होंने पदभार ग्रहण कर लिया। वह नवीं बार चुनाव जीतकर विधानसभा पहुंचे हैं। उन्होंने बताया था कि इस पद को लेकर जनता दल यूनाईटेड और भाजपाके अंदर कोई गतिरोध नहीं है। सोमवार को प्रोटेम स्पीकर के सामने शपथ ली थी।

बस में आग से 3 जिंदगियां हो गईं स्वाह

बलरामपुर। यूपी में बलरामपुर जिले की सुबह चीख-पुकार और एंबुलेंस के सायरन की आवाज के बीच हुई। यहां एक निजी बस सोनौली से यात्रियों को लेकर दिल्ली जा रही थी। तड़के करीब 4 बजे कोई कुछ समझ पाता, गाड़ी ने आग पकड़ ली। यात्रियों को बाहर निकाला गया। 3लोगों की सांसें मौके पर ही थम गईं। जबकि, 25 यात्री घायल हो गए।

बीटेक छात्र ने 5वीं मंजिल से छलांग लगा दी जान

सूरत। देश के जाने-माने इंजीनियरिंग संस्थान सरदार वल्लभभाई नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ़ टेक्नोलॉजी सूरत में 30 नवंबर की कंप्यूटर साइंस के थर्ड ईयर के छात्र अद्वैत नायर ने हॉस्टल से कूदकर जान दे दी। वह केरल का रहने वाला था। उसके माता-पिता ओमान में रहते हैं। वह भाभा भवन बॉयज हॉस्टल की एच नंबर बिल्डिंग में रहता था।

दिल्ली पुलिस ने 'ऑपरेशन मिलाप' में 84 को मिलाया

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने ऑपरेशन मिलाप के तहत लापता और अपहृत 84 लोगों को उनके परिवारों से मिलाया। इनमें 30 बच्चे भी शामिल हैं। यह आंकड़ा नवंबर महीने का है। इसके साथ ही इस वर्ष जिला पुलिस द्वारा बचाए गए कुल लोगोंकी संख्या 1,201 तक पहुंच गई है, जिसमें 399 बच्चे और 882 वयस्क शामिल हैं।

रक्षा मंत्री राजनाथ ने गुजरात के सडली में किया बड़ा दावा

सरकारी पैसों से बाबरी मस्जिद बनवाना चाहते थे नेहरू, सरदार पटेल के प्रस्ताव ने उन्हें रोका

पटेल ने तुष्टिकरण की राजनीति कभी नहीं की

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने दावा किया कि जवाहरलाल नेहरू सार्वजनिक धन से बाबरी मस्जिद बनवाना चाहते थे, लेकिन सरदार पटेल ने इसे रोक दिया। उन्होंने आगे कहा कि मोदी सरकार पटेल की एक भारत, श्रेष्ठ भारत की सोच को आगे बढ़ा रही है।

एजेंसी ▶▶ सडली

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को एक बड़ा राजनीतिक दावा किया है। उन्होंने कहा कि जवाहरलाल नेहरू सार्वजनिक धन से यानी सरकारी पैसों अयोध्या में बाबरी मस्जिद का निर्माण कराना चाहते थे, लेकिन सरदार वल्लभभाई पटेल ने इस प्रस्ताव को आगे नहीं बढ़ने दिया। गुजरात के सडली गांव में आयोजित 'यूनिटी मार्च' कार्यक्रम में राजनाथ सिंह ने पटेल की भूमिका और उनके विचारों को विस्तार से बताया।राजनाथ सिंह ने कहा कि नेहरू ने सार्वजनिक धन से बाबरी मस्जिद बनाने का सुझाव दिया था, लेकिन पटेल ने साफ मना कर दिया।

उन्होंने आगे दावा किया कि नेहरू ने पटेल के निधन के बाद उनके स्मारक के लिए जनता द्वारा जुटाए गए धन को कुएं और सड़कों के निर्माण में खर्च करने का सुझाव दिया था, जो उनकी विरासत को दबाने की कोशिश थी। रक्षा मंत्री ने कहा कि पटेल सच्चे अर्थों में उदार और निष्पक्ष नेता थे, जिन्होंने कभी भी तुष्टिकरण की राजनीति नहीं की।

गुजरात के सडली गांव में 'यूनिटी मार्च' कार्यक्रम में पटेल की भूमिका को बताया

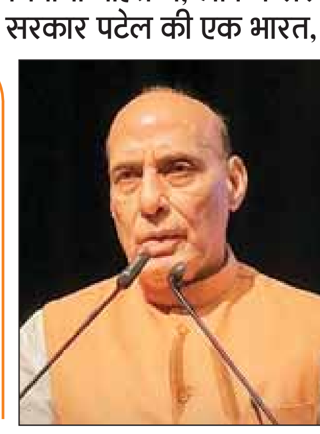

कुछ राजनीतिक ताकतों ने पटेल की विरासत को दबाने की कोशिश की

रक्षा मंत्री ने कहा कि कुछ राजनीतिक ताकतों ने वर्षों तक पटेल की विरासत को दबाने की कोशिश की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्टैच्यू ऑफ यूनिटी बनवाकर पटेल को वह सम्मान दिलाया जो उन्हें पहले मिलना चाहिए था। सिंह ने आरोप लगाया कि नेहरू ने खुद को भारत रत्न दिया, लेकिन पटेल को उस समय यह सम्मान नहीं मिला। उन्होंने कहा कि यह स्पष्ट दिखाता है कि उस समय उनकी विरासत को नजरअंदाज किया गया।

सोमनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण के लिए सरकार से एक भी पैसा नहीं लिया गया

कार्यक्रम में राजनाथ ने कहा कि सोमनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण के लिए सरकार से एक भी पैसा नहीं लिया गया था, क्योंकि पूरा धन जनता से आया था। उन्होंने कहा कि इसी तरह अयोध्या में राम मंदिर भी पूरी तरह जनता के सहयोग से बना है और यह वास्तविक धर्मनिरपेक्षता का उदाहरण है। सिंह ने दावा किया कि कांग्रेस के 1946 के अध्यक्ष चुनाव में अधिकतर प्रस्ताव पटेल के पक्ष में थे, लेकिन महात्मा गांधी के अनुरोध पर पटेल ने अपना नाम वापस ले लिया और नेहरू अध्यक्ष बने, जिसके बाद वह प्रधानमंत्री बने।

कश्मीर के विलय पर पटेल की सलाह मान ली जाती तो ...

राजनाथ सिंह ने कहा कि कश्मीर के विलय पर पटेल की सलाह मान ली जाती तो कश्मीर समस्या लंबे समय तक देश के लिए बोझ नहीं बनती। उन्होंने कहा कि जरूरत पड़ने पर पटेल ने कड़े कदम उठाए, जैसे हैदराबाद के विलय में किया गया सख्त निर्णय। सिंह ने कहा कि मोदी सरकार ने भी ऑपरेशन सिंदूर में इसी मजबूत रुख का इस्तेमाल किया। उन्होंने कहा कि भारत किसी को उकसाता नहीं, लेकिन उकसाए जाने पर जवाब देना अच्छी तरह जानता है।

एक भारत, श्रेष्ठ भारत का संदेश

सिंह ने कहा कि अनुच्छेद 370 हटाना आसान नहीं था, लेकिन प्रधानमंत्री ने यह कदम उठाकर कश्मीर को सही मायनों में भारत से जोड़ा। भारत आज दुनिया में अपनी शर्तों पर बात कर रहा है और तेजी से आर्थिक व सामरिक शक्ति बन रहा है। उन्होंने कहा कि पटेल का सपना 'वन इंडिया, बेस्ट इंडिया' अब मजबूत रूप में साकार हो रहा है। 'यूनिटी मार्च' सरदार पटेल के 150वें जन्म वर्ष पर करमसद से स्टैच्यू ऑफ यूनिटी तक आयोजित किया गया है।

सवाल से ट्रेनी आईएएस हो गए हैरान

देहरादून। उत्तराखंड के मसूरी स्थित लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी में 600 से अधिक आईएएस तैयार हो रहे हैं। हाल ही में एलबीएसएनएए में 100वें फाउंडेशन कोर्स का समापन समारोह हुआ। इसमें रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह शामिल हुए। इस दौरान ट्रेनी आइएएस को शुभकामनाएं दीं। सब सही चल रहा था, लेकिन प्रोग्राम के बीच गणित के एक सवाल कुछ देर के लिए सभी को हैरान कर दिया।रक्षा मंत्री ने मंच से कहा कि समाज के चैलेंज से निपटने में आपका बहुत बड़ा रोल है। आपको सिर्फ कानूनों और नियमों के लेटर या टेक्स्ट को ही ध्यान में रखकर काम नहीं करना है, बल्कि उनकी स्पिरिट को भी ध्यान में रखकर काम करना है।

चुनाव से पहले ममता का रिपोर्ट कार्ड

14 साल के हिसाब में खेला 2 करोड़ नौकरी वाला दांव

एजेंसी ▶▶ कोलकाता

पश्चिम बंगाल में मुख्यमंत्री ममता बेनर्जी चुनावी मोड में आ चुकी हैं। ममता ने मंगलवार को दावा किया कि तृणमूल कांग्रेस के 14 साल के शासन के दौरान राज्य में दो करोड़ से अधिक नौकरियां सृजित हुई हैं।

वर्ष 2011 से सत्ता में कायम अपनी सरकार के प्रदर्शन का रिपोर्ट कार्ड पेश करते हुए उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल केंद्र द्वारा धन रोके जाने से पहले मनरेगा, ग्रामीण आवास, ग्रामीण सड़क निर्माण में लगातार चार बार देश में शीर्ष पर रहा। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) पर निशाना साधते हुए बनर्जी ने आरोप लगाया कि उन्होंने विधानसभा चुनाव से पहले बिहार में 10,000 रुपए बांटे, लेकिन चुनाव खत्म होने के बाद बुलडोज़र चला दिए।

केंद्र ने नहीं किया भुगतान फिर भी कार्य नहीं रुके

बंगाल की सीएम ममता ने कहा कि केंद्र द्वारा राज्य का बकाया भुगतान नहीं किए जाने के बावजूद पश्चिम बंगाल सरकार ने अपनी विकास गतिविधियां जारी रखीं। हमने नौ करोड़ लोगों को कवर करने वाली 'खाद्य साथी' खाद्य सुरक्षा योजना पर एक लाख करोड़ रुपए और सात करोड़ लोगों के लिए 'दुआरे राशन' पर 1,717 करोड़ रुपए खर्च किए। बेनर्जी ने दावा किया कि उनकी सरकार ने पिछले 14 वर्षों में स्वास्थ्य क्षेत्र में बजटीय आवंटन छह गुना बढ़ाया है। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल अब विभिन्न क्षेत्रों में शेष भारत के लिए एक आदर्श बन गया है।

केंद्र सरकार पर साधा निशाना

ममता के मुताबिक वर्तमान में 2.2 करोड़ से ज़्यादा महिलाओं को लक्ष्मी भंडार से मासिक सहायता मिल रही है। पिछले 14 वर्षों में 99 लाख से ज़्यादा अतिरिक्त परिवारों को पेयजल कनेक्शन मिले हैं। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) पर निशाना साधते हुए बेनर्जी ने आरोप लगाया कि उन्होंने विधानसभा चुनाव से पहले बिहार में 10,000 रुपए बांटे, लेकिन चुनाव खत्म होने के बाद बुलडोज़र चला दिए।

एसआईआर ड्यूटी के मृतक कर्मियों को 2 लाख देगी सरकार

बेनर्जी ने उन 39 लोगों के परिवारों के लिए वित्तीय मदद का ऐलान किया, जिनकी एसआईआर ड्यूटी के दौरान मौत हो गई थी या फिर उन्होंने तनाव में आकर आत्महत्या कर ली थी। बनर्जी ने कहा कि इन 39 दुखी परिवारों में से हर एक को दो लाख रुपए मिलेंगे, जिसमें चार बूथ लेवल ऑफिसर भी शामिल हैं।

रोहिंग्याओं पर दायर याचिका पर सुप्रीम कोर्ट की दो टूक

घुसपैठियों के लिए भी रेड कार्पेट चाह रहे,अर्जी को किया खारिज

अदालत ने पीआईएल पर तल्ख टिप्पणी की

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को एक जनहित याचिका (पीआईएल) पर सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार को नोटिस जारी करने से इनकार कर दिया। दरअसल, याचिका में कुछ रोहिंग्या शरणार्थियों के लापता होने को लेकर चिंता जाहिर की गई थी और इस मामले में केंद्र को निर्देश देने की अपील की गई। हालांकि, सर्वोच्च न्यायालय ने मामले में सुनवाई को टाल दिया।

कुछ रोहिंग्या शरणार्थियों के लापता होने को लेकर जताई थी चिंता

आपको नहीं मालूम- गैरकानूनी रह रहे

सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में तीखी टिप्पणी करते हुए याचिकाकर्ताओं से कहा कि आप जानते हैं वे घुसपैठिए हैं। भारत के उत्तरी बॉर्डर बहुत संवेदनशील हैं। देश में क्या हो रहा है। अगर कोई यहां गैरकानूनी ढंग से आया है, तब भी आप उनके लिए रेड कार्पेट चाहते हैं। वे सुरंगों के जरिए घुसते हैं और फिर आपके खाने, निवास के अधिकारी, बच्चों की शिक्षा, आदि के अधिकारी, हो जाते हैं। क्या हम कानून का दायरा इस तरह खींचना चाहते हैं? ऐसे मामलों में बंदी प्रत्यक्षीकरण (हीबस कॉर्पस) जैसी मांगें करना काफी काल्पनिक बात है।

बंगाल पुलिस का फरमान

72 घंटे के अंदर राज्य छोड़ो, थमाया अल्टीमेटम

मुर्शीदाबाद। पश्चिम बंगाल के मुर्शीदाबाद के कई मुस्लिम युवक सालों से ओडिशा के नयागढ़ और आसपास के जिलों में कारोबार करते हैं। ये लोग वहां अपने दोपहिया वाहनों पर गांव-गांव और शहर-शहर जाकर कंबल, मच्छड़दानी और ऊनी कपड़े बेचते हैं। आपस में ये लोग बांग्ला में बात किया करते थे, यही बात वहां की पुलिस को नागवार लग गई। पुलिस ने उन्हें रोहिंग्या और बांग्लादेशी बताकर 72 घंटे के अंदर ओडिशा छोड़ने का फरमान थमाया है। उधर, ओडागांव पुलिस ने पिछले हफ्ते चार मुस्लिम युवकों को ओडिशा छोड़ने का आदेश दिया था।

ट्रायल में देरी हैरान करने वाला मामला

सुप्रीम कोर्ट में दिल्ली दंगे से जुड़े मुकदमे पर सुनवाई के दौरान गुलफिशा फातिमा नके वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा कि आरोपी लगभग छह साल जेल में बिता चुकी हैं। सिंघवी ने कहा कि ट्रायल में देरी हैरान करने वाला है। उन्होंने कहा कि ये काफी हैरान करने वाला मामला है।

मौलाना मदनी का बयान

वो फसादी, हम जिहादी, साथ ही जिहाद को किया परिभाषित

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

मौलाना महमूद मदनी ने एक साक्षात्कार में जिहाद के असली अर्थ स्पष्ट करने का दावा किया है। उन्होंने कहा कि इस शब्द के वास्तविक अर्थ को लेकर कुछ भ्रम पैदा किया गया है। जिहाद के कई अर्थ हैं। सबसे बड़ा जिहाद अपने लक्ष्य के बारे में स्पष्ट दृष्टिकोण रखना और खुद का व्यक्तित्व बेहतर बनाने की दिशा में काम करना है। मदनी ने एक साक्षात्कार में कई विषयों पर विस्तार से बातें कीं। उन्होंने कहा कि अगर अन्याय हो रहा है, तो उसके खिलाफ आवाज उठाना भी जिहाद है। वंदे मातरम को लेकर अपनी टिप्पणियों के बारे में एक सवाल पर उन्होंने कहा कि अभी जबरदस्ती करवाई जा रही है। जगह-जगह कहा जा रहा है कि इसे बोलें ही बोलें। ये तो आइडिया ऑफ इंडिया नहीं है। राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम से जुड़े एक सवाल पर मदनी ने कहा कि हमारे संगठन ने 2011 और उससे पहले भी काफी बहस की थी। अब वे (सरकार) कह रही है कि वंदे मातरम अनिवार्य होगा। उन्होंने कहा कि इसे जबरन लागू करना भारत का विचार नहीं है।

जबलपुर

बुधवार, 3 दिसंबर 2025

अगहन मास शुक्ल पक्ष–13

वर्ष : 20, अंक : 214

पृष्ठ : 14 मूल्य : 3.00 *

हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

मौसम

अधि. 24

न्यून. 11

केंद्रीय कर्मचारियों के लिए अच्छी खबर

पेंशन स्कीम के बदले नियम, बड़ी राहत

नई दिल्ली। केंद्र सरकार के कर्मचारियों के लिए रिटायरमेंट प्लानिंग से जुड़ी एक बड़ी अपडेट सामने आई है। अब एनपीएस और यूपीएसमें निवेश करने वाले कर्मचारियों को अपने पैसे के निवेश पर पहले की तुलना में कहीं ज्यादा कंट्रोल मिलेगा। पेंशन फंड रेगुलेटरी एंड डेवलपमेंट अथॉरिटी ने निवेश विकल्पों की संख्या 4 से बढ़ाकर 6 कर दी है।

खबर संक्षेप

वैभव की तूफानी पारी, 61 गेंदों में बनाए 108 रन

कोलकाता। सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 2025 में बिहार के 14 वर्षीय युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने धमाकेदार प्रदर्शन करते हुए क्रिकेट इतिहास में अपना नाम दर्ज करा लिया। महाराष्ट्र के खिलाफ खेले गए मैच में सूर्यवंशी ने सिर्फ 61 गेंदों में नाबाद 108 रन बनाए और अपने करियर का तीसरा टी20 शतक जड़ दिया। वह सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में शतक लगाने वाले सबसे युवा खिलाड़ी बन गए।

पूर्व सीएम येदियुरप्पा को सुप्रीम कोर्ट से राहत

नई दिल्ली। कर्नाटक के पूर्व सीएम बीएस येदियुरप्पा के खिलाफ यौन अपराधों से बच्चों के संरक्षण अधिनियम (पॉक्सो) के तहत चल रहे एक मामले में सुप्रीम कोर्ट ने बड़ा हस्तक्षेप करते हुए ट्रायल पर रोक लगा दी है। मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने मामले की सुनवाई करते हुए कर्नाटक सीआईडी और निजी तौर पर अदालत पहुंचे याचिकाकर्ताओं को नोटिस जारी किया है।

इंडिगो विमान की मुंबई में इमरजेंसी लैंडिंग

हैदराबाद। बम की धमकी वाला ईमेल मिलने के बाद मंगलवार को इंडिगो की कुवैत-हैदराबाद उड़ान का मार्ग परिवर्तित कर उसे मुंबई हवाई अड्डे पर उतारा गया। विमान सुरक्षित रूप से मुंबई में उतारा गया। जांच में कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला। मामले की जांच जारी है। धमकी भरे ईमेल में दावा किया गया था कि हैदराबाद में विमान के उतरने के बाद विस्फोटक उपकरणों से हमला करने की योजना बना रहे हैं।

बैटिंग एपः ईडी ने एक्ट्रेस नेहा शर्मा से की पूछताछ

नई दिल्ली। मॉडल और अभिनेत्री नेहा शर्मा आनलाइन सट्टेबाजी मंच 1 एक्सबेट से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में पूछताछ के लिए ईडी के समक्ष मंगलवार को पेश हुईं। अधिकारियों ने बताया कि अभिनेत्री का बयान पीएमएलए के तहत दर्ज किया गया। इससे पहले इसी मामले में पूर्व क्रिकेटरों शिखर धवन और सुरेश रैना से पूछताछ के बाद उनकी 11.14 करोड़ रुपए की संपत्ति कुर्क की थी।

1908 में महात्मा गांधी ने किताब 'हिंद स्वराज' में लिखा था कि अंग्रेज हमेशा यही झूठा नैरेटिव फैलाते थे कि भारत पहले एक राष्ट्र नहीं था

डॉ. भागवत ने कहा- देश प्राचीन काल से ही सांस्कृतिक रूप से एकजुट रहा

एजेंसी ▶▶ नागपुर

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख डॉ. मोहन भागवत ने कहा है कि महात्मा गांधी ने अपने लेखन में साफ तौर पर बताया था कि अंग्रेजों ने भारत के बारे में यह झूठी कहानी फैलाई कि यहां उनके आने से पहले एकता नहीं थी।

डॉ. भागवत ने कहा कि ब्रिटिश शासन ने भारत की एकता और उसकी प्राचीन राष्ट्र अवधारणा पर संदेह पैदा करने की कोशिश की, जबकि देश प्राचीन काल से ही सांस्कृतिक रूप से एकजुट रहा है। नागपुर में राष्ट्रीय पुस्तक महोत्सव में बोलते हुए डॉ. भागवत ने महात्मा गांधी की किताब 'हिंद स्वराज' का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि 1908 में लिखी गई इस पुस्तक में गांधी ने स्पष्ट कहा था कि अंग्रेज हमेशा यही झूठा नैरेटिव फैलाते थे कि भारत पहले एक राष्ट्र नहीं था और इसे एक राष्ट्र बनने में सदियों लगेंगी। भागवत ने बताया कि गांधी के अनुसार भारत सांस्कृतिक रूप से पहले से एक था और इसी एकता के चलते अंग्रेज यहां शासन स्थापित कर पाए।

डॉ. भागवत ने कहा कि भारत में राष्ट्रीयता शब्द का प्रयोग सही है, जबकि राष्ट्रवाद कई देशों में विनाशकारी साबित हुआ

डॉ. मोहन भागवत

भारत का राष्ट्रभाव अहंकार नहीं बल्कि आपसी जुड़ाव और सहअस्तित्व से जन्मा

भारत की राष्ट्र अवधारणा पश्चिम से अलग

डॉ. भागवत ने कहा कि भारत का राष्ट्र का विचार बहुत पुराना, नैसर्गिक और पश्चिमी नेशन-स्टेट मॉडल से बिलकुल अलग है। उन्होंने जोर दिया कि भारत की संस्कृति विवादों से दूर रहने और एकता को बढ़ावा देने वाली रही है। उनके अनुसार दुनिया के अन्य हिस्सों में संघर्ष और टकराव के बीच राष्ट्रवाद की अवधारणा विकसित हुई, लेकिन भारत में राष्ट्र की भावना लोगों, परंपराओं और प्रकृति के बीच गहरे संबंधों से बनी। डॉ. भागवत ने कहा कि भारत में राष्ट्रीयता शब्द का प्रयोग सही है, जबकि राष्ट्रवाद कई देशों में विनाशकारी साबित हुआ है। उन्होंने कहा कि अत्यधिक राष्ट्रीय गर्व ने दो विश्व युद्धों को जन्म दिया, इसलिए नेशनलिज्म शब्द को लेकर दुनिया में भय है।

वसुधैव कुटुंबकम और वैश्वीकरण पर विचार

डॉ. भागवत ने कहा कि भारत में वैश्वीकरण का विचार शुरू से ही मौजूद रहा है, जिसे वसुधैव कुटुंबकम कहा जाता है। उन्होंने कहा कि वर्तमान वैश्वीकरण केवल भ्रम है और असली वैश्वीकरण अभी आना बाकी है, जिसे भारत आगे बढ़ाएगा। डॉ. भागवत ने कहा कि भारत वैश्विक बाजार नहीं बनाएगा, बल्कि पूरी दुनिया को एक परिवार की तरह जोड़ने का काम करेगा। उनके अनुसार भारत की सांस्कृतिक सोच ने हमेशा लोगों को जोड़ने का प्रयास किया है, न कि विभाजन का। युवा लेखकों से संवाद में डॉ. भागवत ने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) को रोका नहीं जा सकता, लेकिन मनुष्य को इसका मालिक बनकर रहना चाहिए।

भारत सरकार के संचार साथी पर एप पर संग्राम !

प्रियंका: यह जासूसी एप, सिंधिया ने कहा डाउनलोड करो या डिलीट, आपकी मर्जी

दूरसंचार विभाग का निर्देश- अगले 90 दिनों के भीतर भारत में बनने या आने वाले सभी नए मोबाइल फोन में 'संचार साथी' एप पहले से इंस्टॉल होना चाहिए

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

दूरसंचार विभाग ने मोबाइल फोन बनाने वाली कंपनियों को निर्देश दिया है कि अगले 90 दिनों के भीतर भारत में बनने या आने वाले सभी नए मोबाइल फोन में 'संचार साथी' एप पहले से इंस्टॉल होना चाहिए।

यह एप धोखाधड़ी वाली कॉल, खोए फोन और आईएमईआई नंबर की जांच करने में मदद करता है। पहले से बिक रहे फोन में सॉफ्टवेयर अपडेट के जरिए यह एप इंस्टॉल किया जाएगा। कंपनियों को 120 दिन के भीतर बताना होगा कि उन्होंने इस नियम का पालन किया है। नियम तोड़ने पर कानूनी कार्रवाई हो सकती है। भारत सरकार के दूरसंचार मंत्रालय ने एपल, सेमसंग, और जैमिन सहित बड़े मोबाइल निर्माताओं को एक आधिकारिक आदेश जारी किया है। एप्पल, आईफोन में इस सरकारी एप को प्रीलोड करने के आदेश का कड़ा विरोध करने की तैयारी में है। सभी डिवाइसेज में संचार साथी को अनिवार्य करने के आदेश के बाद से राजनीतिक बहस छिड़ गई है। विपक्षी दलों और प्राइवेसी समर्थकों ने इस आदेश की कड़ी आलोचना की है।

सिंधिया ने कहा- संचार साथी एप अनिवार्य नहीं, इससे कोई जासूसी नहीं

फाइल फोटो

- यह एप धोखाधड़ी वाली कॉल, खोए फोन और आईएमईआई नंबर की जांच करने में मदद करता है
- कंपनियों को 120 दिन के भीतर बताना होगा कि उन्होंने इस नियम का पालन किया
- एप्पल, आईफोन में इस सरकारी एप को प्रीलोड करने के आदेश का कड़ा विरोध करने की तैयारी में

नागरिकों की निजता के अधिकार का उल्लंघन : प्रियंका

प्रियंका गांधी

कांग्रेस की सांसद प्रियंका गांधी ने संसद परिसर में मीडिया से बात करते हुए 'संचार साथी' एप को जासूसी एप करार दिया। प्रियंका ने कहा कि इस तरह का आदेश नागरिकों की निजता के अधिकार का उल्लंघन है। उन्होंने कहा कि हर व्यक्ति को अपने परिवार तथा दोस्तों को बिना डर के मैसेज भेजने का, बातचीत करने का अधिकार है। सरकार को हर बात देखना नहीं चाहिए। प्रियंका गांधी ने कहा कि वो इस देश को हर रूप में तानाशाही में बदलना चाहते हैं।

साइबर सुरक्षा के लिए जागरूकता जरूरीः सिंधिया

ज्योदिरादित्य सिंधिया

केंद्रीय संचार मंत्री ज्योदिरादित्य सिंधिया ने सब कुछ स्पष्ट कर दिया है। उन्होंने कहा है कि संचार साथी एप को फोन में अनिवार्य नहीं किया जाएगा, बल्कि यह ऑप्शनल होगा। सिंधिया ने साइबर सुरक्षा का हवाला देते हुए कहा कि देश में हर कोई यह नहीं जानता कि उसे फ्रॉड से बचाने के लिए एक एप है, इसलिए जानकारी फैलाना जरूरी है। यह कस्टमर की सुरक्षा का मामला है। इसमें कुछ भी जरूरी नहीं है। अगर आप इसे रजिस्टर नहीं करना चाहते, तो न करें।

लोकसभा में 9 और 10 दिसंबर को एसआईआर पर बहस होगी

केंद्र सरकार चुनाव सुधारों पर संसद में बहस कराने के लिए तैयार है, जहां हर राज्य के लिए आदेशित एसआईआर पर भी चर्चा होगी। चुनाव सुधार को लेकर लोकसभा में 9 और 10 दिसंबर को बहस होगी। इसके लिए 10 घंटे का समय आवंटित किया गया है। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के साथ सत्तापक्ष और विपक्ष के नेताओं की बैठक में मंगलवार को यह फैसला किया गया। संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान लोकसभा में कल से कार्यवाही बिना किसी व्यवधान के चलाने पर भी सहमति बन गई है। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के कमरे में हुई फ्लोर लीडर्स की बैठक में यह निर्णय लिया गया। इस दौरान कई दलों ने सदन की कार्यवाही को नियमित और गंभीर विषयों पर केंद्रित रखने पर सहमति जताई।

हाईवे सफर अब होगा और सुरक्षित

राष्ट्रीय राजमार्गों पर अब मोबाइल पर मिलेंगे खतरे के लाइव अलर्ट

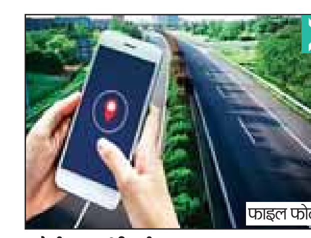

फाइल फोटो

भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण ने रिलायंस जियो के साथ मिलकर एक नई मोबाइल-आधारित सेफ्टी अलर्ट प्रणाली विकसित की

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

काम की खबर

भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने रिलायंस जियो के साथ मिलकर एक नई मोबाइल-आधारित सेफ्टी अलर्ट प्रणाली विकसित की है, जिसका उद्देश्य देशभर के हाईवे नेटवर्क पर यात्रा को अधिक सुरक्षित बनाना है। हाल ही में हुए समझौते (एमओयू) के तहत अब दुर्घटना-प्रवण इलाकों से लेकर कोहरे, भटकते मवेशियों या आकस्मिक डायवर्जन जैसे खतरनाक जोन की जानकारी सीधे यात्रियों के मोबाइल फोन पर भेजी जाएगी।

पायलट प्रोजेक्ट और देशभर में विस्तार की तैयारी

इस ऑटोमैटिक अलर्ट सिस्टम का पहला चरण कुछ चुने हुए एनएचएआई क्षेत्रीय कार्यालयों में पायलट रूप में शुरू होगा। इन ट्रायल्स से यह निर्धारित किया जाएगा कि कौन-से स्थान सबसे अधिक जोखिम वाले हैं और किस प्रकार के अलर्ट किस दूरी पर भेजने चाहिए। पहला चरण सफल होने के बाद इसे पूरे देश के राष्ट्रीय राजमार्ग नेटवर्क पर विस्तार दिया जाएगा।

जनगणना 2027: सामने आया शेड्यूल

डिजिटल गिनती और जातियों की काउंटिंग, दो फेज में होगी

पहला फेज अप्रैल से सितंबर 2026 के बीच दूसरा फेज फरवरी 2027 में होगा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

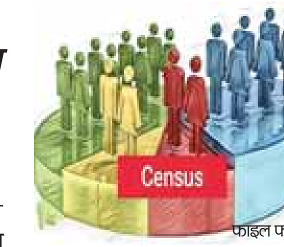

फाइल फोटो

जनगणना को दो फेज में कराने का निर्णय लिया गया है। पहले फेज अप्रैल से सितंबर 2026 के बीच चलेगा। वहीं दूसरा फेज फरवरी 2027 में होगा। केंद्र सरकार ने यह जानकारी मंगलवार को लोकसभा में दी।

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के एक सवाल के जवाब में गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने बताया कि पहले फेज में हाउज लिस्टिंग और हाउस सेंसस किया जाएगा, वहीं दूसरे फेज में पॉपुलेशन एन्यूमरेशन होगा। नित्यानंद राय ने कहा कि जनसंख्या की गिनती फरवरी 2027 में होगी। इसकी रेफरेंस तारीख 1 मार्च 2027 है। जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के बर्फ से ढके नॉन-सिंक्रोनस इलाकों व लद्दाख में जनगणना सितंबर 2026 में होगी, जिसकी रेफरेंस तारीख 1 अक्तूबर 2026 रखी गई है। उन्होंने बताया कि इस बार जनगणना में जाति की गणना भी की जाएगी और जनगणना का पूरा प्रोसेस डिजिटल रहेगा। मोबाइल एप के जरिए डेटा एकट्ठा किया जाएगा और खुद से गिनती के लिए ऑनलाइन इंतजाम रहेगा। नित्यानंद राय ने कहा कि हर काम से पहले अलग-अलग मंत्रालयों, विभागों, संगठनों और जनगणना डेटा यूजर्स से मिले इनपुट और सुझावों के आधार पर जनगणना के सवालों की लिस्ट को फाइनल किया जाता है।

एलआईसी एलीट क्लब मेंबर चांडक का सम्मान

वरिष्ठ मंडल प्रबंधक ने सौंपी मर्सिडीज कार की 'चाबी'

नए अभिकर्ताओं को चांडक का संदेश- एलआईसी का काम कोई पार्ट टाइम जॉब नहीं

हरिभूमि न्यूज ▶▶ ग्वालियर

विजय चांडक को कार सौंपते हुए

अगर आपके पास पैसा है, तो आप महंगी सी महंगी लग्जरी कार खरीद सकते हैं, लेकिन यही महंगी कार आपको आपके काम के पुरस्कार के रूप में मिले, तो उसका सुख एक अलग ही है, जो एक अवार्ड के रूप में माना जाता है। यह कारनामा कर दिखाया है, ग्वालियर के भारतीय जीवन बीमा निगम के अभिकर्ताओं के शीर्ष क्लब मेंबर विजय चांडक ने। ग्वालियर में एलीट क्लब मेंबर के रूप में विजय चांडक को एक समारोह में लक्जरी मर्सिडीज कार भारतीय जीवन बीमा निगम के वरिष्ठ मंडल प्रबंधक पीके वर्णवाल ने खुद चाबी देकर सौंपी है।

एयर इंडिया की बड़ी लापरवाही

बिना सेफ्टी सर्टिफिकेट के महीने भर उड़ता रहा विमान, कई स्टाफ सस्पेंड

कई बार उड़ाया 'अनफिट' विमान, मचा बवाल

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

एयर इंडिया की एक बड़ी लापरवाही उजागर हुई है। उसका एक विमान बिना सेफ्टी सर्टिफिकेट के ही महीने भर यात्रियों की जान जोखिम में डालकर उड़ान भरता रहा और मुसाफिरों लाता-ले जाता रहा। इस घटना का पता एयरलाइन के इंटरनल मॉनिटरिंग प्रोसेस से चला, जिसके बाद डायरेक्टरेट जनरल ऑफ़ सिविल एविएशन (डीजीसीए) को तुरंत रिपोर्ट की गई।

फाइल फोटो

एयरवर्थनेस रिव्यू सर्टिफिकेट जरूरी

कमर्शियल एयरक्राफ्ट ऑपरेशन के लिए एयरवर्थनेस रिव्यू सर्टिफिकेट जरूरी है, जो यह वेरिफाई करता है कि विमान लगातार इस्तेमाल के लिए सभी सेफ्टी और मेंटेनेंस की जरूरतों को पूरा करता है। यह सर्टिफिकेट, जो एक साल के लिए वैलिड है, एयरक्राफ्ट की कंडीशन और रिकॉर्ड्स की पूरी समीक्षा के बाद जारी किया जाता है। नियमों के मुताबिक इसे हर साल रिन्यू किया जाना चाहिए।

महाराष्ट्र के महेश का करिश्मा, पीएम ने की तारीफ

200 वर्षों बाद 'दंडकर्म पारायणम' मात्र 50 दिन में पूरा कर लिया

दुनिया में अभी तक तीन ही बार दंडकर्म पारायणम हुआ

पीएम मोदी ने लिखा यह आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा

एजेंसी ▶▶ मुंबई

महाराष्ट्र के अहिल्या नगर के रहने वाले देवव्रत महेश रेखे सुर्खियों में हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया पर उनकी तारीफ भी की है।

महेश रेखे ने शुक्ल यजुर्वेद माध्यदिन शाखा का अखंड एकाकी 'दंडकर्म पारायणम' मात्र 50 दिन में पूरा कर लिया। 200 वर्षों के बाद इस स्तर का पाठ पहली बार संपन्न हुआ है। पीएम मोदी ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा- 19 वर्ष के देवव्रत महेश रेखे जी ने जो उपलब्धि हासिल की है, वो जानकर मन प्रफुल्लित हो गया है। उनकी ये सफलता हमारी आने वाली पीढ़ियों की प्रेरणा बनने वाली है। भारतीय संस्कृति में आस्था रखने वाले हर एक व्यक्ति को ये जानकर अच्छा लगेगा कि श देवव्रत ने शुक्ल यजुर्वेद की माध्यन्दिन शाखा के 2000 मंत्रों वाले 'दंडकर्म पारायणम' को 50 दिनों तक बिना किसी अवरोध के पूर्ण किया है। इसमें अनेक वैदिक ऋचाएं और पवित्रतम शब्द उल्लेखित हैं, जिन्हें उन्होंने पूर्ण शुद्धता के साथ उच्चारित किया। ये उपलब्धि हमारी गुरु परंपरा का सबसे उत्तम रूप है।

महेश रेखे

बारिश के बाद अब ठंड के पैटर्न में भी बड़ा बदलाव, पश्चिमी विक्षोभ लंबे खिंच रहे

खिसक रहा है मौसम का चक्र.... दिसंबर की सर्दी नवंबर में ही पड़ी, दिसंबर में पड़ने वाला कोहरा अब तक गायब

पश्चिमी विक्षोभ आने पर पहाड़ों पर बर्फबारी तो हो रही है, लेकिन बारिश गायब

संजीव सक्सेना ▶▶ भोपाल

अलग खबर

राजधानी सहित प्रदेशभर में इस साल मौसम हर सीजन में अलग रंग दिखा रहा है। पहले बारिश के पैटर्न में बदलाव देखा गया था, अब ठंड के पैटर्न में बदलाव देखा जा रहा है। इससे इस साल सर्दी का दौर लंबा चलेगा। यह प्रदेश में मौसम के इतिहास का यह पहला अवसर है, जब पश्चिमी विक्षोभ (डब्ल्यूडी) सक्रिय रहते हुए ही प्रदेश में सर्दी तेजी से बढ़ रही है। पश्चिमी विक्षोभ आने पर पहाड़ों पर बर्फबारी तो हो रही है, लेकिन बारिश गायब है।

सुबह सर्दी से बचने गर्म कपड़े का सहारा, भोपाल के सागर स्कूल के पास का दृश्य

केवल ठंडक का ही असर

ठंड के सीजन में नवंबर से दिसंबर के बीच आमतौर पर पश्चिमी विक्षोभ के आने पर बर्फबारी के साथ बारिश के एक-दो दौर भी होते हैं। डब्ल्यूडी के जाने के बाद सर्दी बहुत तेजी से बढ़ती है, और यह क्रम कुछ दिन चलता है। बारिश के समय कोहरा और का सिलसिला बढ़ता है, जो आमातौर पर नवंबर से अंत से फरवरी तक चलता है।

अब तक 5 पश्चिमी विक्षोभ लगातार आए

अब तक इस सीजन में कुल पांच पश्चिमी विक्षोभ आ चुके हैं। छठवां 5 दिसंबर को आ रहा है। इन पांचों डब्ल्यूडी में केवल नवंबर के अंत में आए पश्चिमी विक्षोभ प्रभावी रहा है।

नशे में क्रूरता की सारी हदें कीं पार, पत्नी-बेटियों का चल रहा इलाज

पत्नी पर हथौड़े से प्राणघातक हमला, बच्चियों को दिया जहर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कोरबा

एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहां नशे की लत ने एक पति को हैवान बना दिया। ग्राम तरदा, उरगा थाना क्षेत्र निवासी राइमंड प्रकाश जांगड़े ने शनिवार शाम नशे की हालत में अपनी पत्नी कविता बाई जांगड़े (38) पर लोहे के हथौड़े से सिर पर हमला कर दिया। इस क्रूरतापूर्ण हमले में कविता बाई गंभीर रूप से घायल हो गईं और उन्हें सिम्स बिलासपुर रेफर किया गया है। घटना के बाद, राइमंड ने अपनी दो बेटियों को भी गोली खाने को कहा, जिससे तंग आकर बड़ी बेटी ने गोली खा ली और उसकी तबीयत भी बिगड़ गई। मिली जानकारी के अनुसार, राइमंड प्रकाश जांगड़े का विवाह करीब 20 साल पहले बेंदरकोना निवासी कविता बाई जांगड़े से हुआ था।

ग्राम तरदा, उरगा थाना क्षेत्र निवासी राइमंड प्रकाश जांगड़े ने नशे की हालत में दिया वारदात को अंजाम

घटना के बाद, राइमंड ने दो बेटियों को भी गोली खाने को कहा, जिससे तंग आकर बड़ी बेटी ने गोली खा ली

राइमंड खेती-किसानी कर अपने पत्नी और चार बच्चों का पालन-पोषण करता था, लेकिन बुरी संगत में पड़कर वह नशे का आदी हो गया। वह अक्सर अपनी पत्नी के चरित्र पर संदेह करता था और इसी शक के चलते आए दिन उससे विवाद करता था। शनिवार शाम को भी राइमंड नशे में धुत होकर घर पहुंचा और आते ही पीछे से अपनी पत्नी के सिर पर लोहे के हथौड़े से वार कर दिया। इस हमले से कविता बाई के सिर से खून बहने लगा और वह बेहोश होकर जमीन पर गिर पड़ीं।

अपनी मां की ऐसी हालत देखकर दो बेटियां और एक बेटा बुरी तरह डर गए। वे किसी तरह पिता की पकड़ से बचकर थोड़ी दूर अपने परिजनों के घर भाग गए। घटना की सूचना मिलते ही अस्पताल चौकी प्रभारी विश्वनारायण चौहान अपनी टीम के साथ आपातकालीन कक्ष पहुंचे। पुलिस ने पीड़िता कविता बाई का बयान दर्ज कर लिया है। डॉक्टरों के अनुसार, कविता बाई की हालत गंभीर है और उन्हें बेहतर इलाज के लिए सिम्स बिलासपुर भेजा गया है।

आरोपी पर दर्ज हैं आपराधिक मामले

पत्नी पर हमला करने के बाद भी राइमंड का गुस्सा शांत नहीं हुआ। उसने अपने पास रखी गोलियां दोनों बेटियों को दीं और कहा कि यदि वे उसकी बेटी हैं तो गोली खा लें। पिता की इस धमकी और रोज-रोज के विवाद व मारपीट से तंग आकर बड़ी बेटी ने गोली खा ली, जिससे उसकी तबीयत भी बिगड़ गई। उसका उपचार अस्पताल में किया जा रहा है। राइमंड प्रकाश जांगड़े का आपराधिक इतिहास भी रहा है। उस पर हत्या का मामला दर्ज था और वह अपने साथियों के साथ मिलकर चचेरे भाई की हत्या के आरोप में जेल भी जा चुका है। करीब चार साल पहले वह जेल से रिहा हुआ था। विवाहिता के परिजनों ने भी राइमंड के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है।

खबर संक्षेप

मध्यप्रदेश के दस जिलों में एसआईआर का काम सौ प्रतिशत पूरा

भोपाल। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी मप्र संजीव कुमार झा ने बताया कि प्रदेश में गणना पत्रकों के डिजिटाइजेशन का कार्य तेज गति से जारी है। अभी तक मप्र में लगभग 5 करोड़ 42 लाख गणना पत्रकों का डिजिटाइजेशन पूरा हो चुका है। जो कुल कार्य का 94.5% है। दस जिलों अशोक नगर,नीमच, बैतूल, गुना,मंडला, डिंडोरी, शाजापुर, सीहोर, सीधी और उमरिया में शत प्रतिशत डिजीटाइजेशन का काम हो चुका है। सीईओ झा ने सभी शासकीय सेवकों और नागरिकों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि भारत निर्वाचन आयोग की ओर से निर्धारित समयावधि से पूर्व यह उपलब्धि सभी के प्रयास और कर्तव्य निष्ठा से ही संभव हुई है। झा ने बताया कि प्रदेश के 35 अन्य जिलों ने 96प्रतिशत से अधिक कार्य पूरा कर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। प्रदेश के 5जिलों में 93% से अधिक कार्य पूर्ण हो चुका है।

सीएस की अध्यक्षता में राज्य स्तरीय समन्वय समिति पुनर्गठित

भोपाल। सिंचाई के लिए सोलर पम्प स्थापना की प्रधानमंत्री कृषक मित्र सूर्य योजना के क्रियान्वयन के लिए कैबिनेट की 18 नवम्बर 2025 को हुई बैठक के निर्णय अनुसार राज्य शासन ने मुख्य सचिव की अध्यक्षता में गठित राज्य स्तरीय समन्वय समिति का पुनर्गठन किया गया है। सामान्य प्रशासन विभाग की ओर से जारी आदेश अनुसार समिति में सचिव ऊर्जा, वित्त, उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण, किसान कल्याण तथा कृषि विकास, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, राजस्व, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी सदस्य होंगे। सचिव नवीन नवकरणीय ऊर्जा को सदस्य सचिव बनाया गया है।
समिति द्वारा योजना के सभी घटकों अंतर्गत प्रगति की नियमित समीक्षा की जाएगी। योजना के क्रियान्वयन के लिए विभागों के बीच आवश्यक समन्वय बनाना, योजना की प्रगति नियमित (अधिकतम 3 माह) में समीक्षा करना जिससे समय-सीमा में लक्ष्य की प्राप्ति हो सके।

जर्मनी के दल ने देखी इंदौर की स्मार्ट मीटरिंग

भोपाल। केएफडब्ल्यू बैंक जर्मनी के सदस्य़ सुश्री जोर्डिंस फ्लोदर, राहुल ठाकुर सोमवार से बुधवार तक मप्र पश्चिम क्षेत्र कंपनी इंदौर क्षेत्र में ऊर्जा क्षेत्र के कार्यों के अवलोकन के लिए आए हैं। जर्मनी की सुश्री जोर्डिस फ्लोदर के नेतृत्व में इंदौर पहुंचे दल का पोलोग्राउंड बिजली कंपनी मुख्यालय में स्वागत मुख्य महाप्रबंधक प्रकाश सिंह चौहान व अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने किया। जर्मनी के दल ने सोमवार अपराह्न स्मार्ट मीटर स्थापना कार्य़ देखने के लिए इंदौर शहर में विभिन्न स्थानों पर भ्रमण किया। शहर के मनोरमागंज क्षेत्र में उन्होंने बहुमंजिला इमरातों में एक साथ दर्जनों उपभोक्ताओं के लिए विशेष पैनल्स पर लगे स्मार्ट मीटर्स के फायदे देखे, उपभोक्ताओं से चर्चा भी की। सुखलिया क्षेत्र के पिंक सिटी में दल ने वितरण ट्रांसफार्मर पर स्मार्ट मीटर स्थापना कार्य एवं इससे होने वाले सकारात्मक बदलाव की जानकारी ली।
दल ने सोमवार शाम को स्मार्ट मीटर कंट्रोल सेंटर में गतिविधियों का अवलोकन किया।

कैलाश विजयवर्गीय बोले- सीएम से समीक्षा करवाकर प्रदेश भर का बनाएंगे एक्शन प्लान

ध्यानाकर्षण में पूर्व स्पीकर ने उठाया अतिक्रमण का मुद्दा- भाजपा के तीन विधायकों का समर्थन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

विधानसभा में ध्यानाकर्षण के दौरान पूर्व स्पीकर और बीजेपी विधायक सीतासरण शर्मा ने पिपरिया और नर्मदापुरम में अतिक्रमण का मुद्दा उठाया। इस मुद्दे पर बीजेपी के तीन विधायकों ने समर्थन किया। उन्होंने कहा कि यह तो पूरे प्रदेश भर की समस्या है। हालांकि नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि इस विषय पर मुख्यमंत्री के साथ समीक्षा होने वाली है। प्रदेश भर के लिए एक्शन प्लान तैयार किया जाएगा।

वहीं बीजेपी विधायक अजय विश्नोई ने कहा कि अतिक्रमण मुक्त कराने से पहले विस्थापन की व्यवस्था की जाए। अतिक्रमण के चक्कर में गरीब का नुकसान नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि रोजना कमाने खाने वाले अपनी रोजी रोटी की व्यवस्था करते हैं। रोजी छीनी जाएगी तो कोई और काम न करने लगे। सीतासरण शर्मा ने कहा कि मंत्री ने स्वीकार किया है कि 269 से अधिक अतिक्रमण हटाए गए है। इलाके में वीआईपी इलाकों में अतिक्रमण है कि फिर भी कोई देखना वाला नहीं है। अगर अतिक्रमण हटाया जाता है तो दूसरे दिन फिर से हो जाता है। अब तो नालों में भी अतिक्रमण हो रहा है। दुकान का फर्श तोड़कर नाला साफ कराया गया था। कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि जिलाधीश, एसपी और नगर निगम की टीम बना देंगे। फिर शैलेंद्र जैन ने कहा कि प्रदेश के अधिकांश जिलों में यही समस्या बनी हुई है। विधायक प्रदीप लारिया ने कहा कि बरसात के समय नालों की बेकार स्थिति होती है। नाले के आसपास की कालोनियों और बस्तियों में भराव हो जाता है।

विधानसभा अध्यक्ष के चैंबर में विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर के का स्वागत करते मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, संसदीय कार्य मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, मंत्री चौधरी राकेश सिंह, प्रहलाद पटेल और नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार।

जंडेल ने बिजली, फसल बीमा, मुख्यमंत्री खेत सड़क योजना जैसे मुद्दों को लेकर घेरा

विधानसभा में सोमवार को 139 के तहत चर्चा में कांग्रेस सदस्य बाबू जंडेल ने बिजली, फसल बीमा, मुख्यमंत्री खेत सड़क योजना जैसे मुद्दों को लेकर सरकार को जमकर घेरा। उन्होंने कहा कि मैदानी जिलों में दो-दो तीन-तीन लाख रुपए के बिजली बिल किसानों के आ रहे हैं। सरकार इस पर ध्यान नहीं दे रही है। भाजपा विधायक गौरव पारधी ने कहा कि मप्र सरकार ने निर्णय लिया है की फसल बीमा योजना में किसी भी किसान को 1000 रुपए से काम की राशि न दी जाए। कांग्रेस इस मुद्दे पर गलत बयान दे रही है। किसी भी किसान को 1000 रुपए से कम का कोई मुआवजा नहीं मिला है।

कांग्रेस सदस्य जयवर्धन सिंह ने कहा कि सरकार ने भावांतर योजना शुरू की, पर किसानों को इसका लाभ नहीं मिला है। बड़े व्यापारी, बिचौलिए इसका फायदा उठा रहे हैं। उन्होंने कहा कि मक्का एक हजार व बारह सौ में खरीदी की जा रही है। जबकि 14 अक्टूबर 2025 को ऋषि अग्रवाल ने केंद्रीय कृषि मंत्री को पत्र लिखा था। इस पर भारत सरकार ने उत्तर में लिखा की मप्र में मक्का खरीदी का कोई प्रस्ताव अभी तक प्राप्त नहीं हुआ है। सरकार गलत तरीके से दावे कर रही है। इस पर संसदीय कार्य मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने सरकार की तरफ से कहा कि 2 लाख 67 हजार किसानों को 482 करोड रुपए भावांतर योजना में दिया गया है। 6 लाख टन फसलों का एमएसपी में खरीदी हुई है। 10 लाख टन फसल किसानों ने बेची है। सभी को भावांतर का लाभ दिया गया। ऐसे में यह कहना गलत है की भावांतर योजना का लाभ नहीं मिल रहा है। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंगार ने कहा कि सरकार आंकड़े कुछ भी प्रस्तुत करती है। प्रदेश का किसान परेशान है। कांग्रेस सदस्य ने वाला बच्चन ने कहा कि भाजपा के मंत्री गलत बयान दे रहे हैं। भावांतर योजना 2017-18 में शुरू हुई थी। चर्चा में भाजपा की तरफ से डॉ. राजेंद्र पांडे, अन्य सदस्य दिनेश बोस व अन्य सदस्यों भाग लिया।

जिलाधीश पर आपत्ति, राजेंद्र को कैलाश ने बताया मठाधीश

अतिक्रमण की समस्या के बीच ध्यानाकर्षण पर कांग्रेस विधायक राजेंद्र सिंह ने जिलाधीश कहे जाने पर आपत्ति जताई। सिंह ने कहा कि जिलाधीश यह धीश का मामला है। यह तो हम ईश्वर को कहते हैं जैसे द्वारिकाधीश यानी मालिक, अगर आप कलेक्टरों के लिए धीश कहने लगेंगे तो ब्रिटिशकाल की व्यवस्था है। सिंह ने कहा कि अध्यक्ष जी इनको कलेक्टर ही कहना चाहिए। दूसरा आप इनका पदनाम आप खोज लीजिए। कम से कम ईश्वर के बराबर को मत मानिए। इस पर कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि ठीक है मठाधीश जी। ध्यानाकर्षण खत्म होने के साथ मंत्री विजयवर्गीय ने कहा कि सारे सुझाव नोट कर लिए हैं।

विधानसभा में कार्यमंत्रणा समिति की बैठक में विमर्श करते विस अध्यक्ष।

विधानसभा में कार्यमंत्रणा समिति की बैठक में विमर्श

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर के सभापतित्व में आज विधानसभा में कार्यमंत्रणा समिति की बैठक आयोजित हुई। इसमें दिसंबर सत्र 2025 के कामकाज के संबंध में विचार विमर्श हुआ।

बैठक में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा, नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार, संसदीय कार्य मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष डॉ. सीतासरन शर्मा, विधायकगण गोपाल भार्गव, अजय विश्नोई, हरिशंकर खटीक, यादवेन्द्र सिंह, लखन घनघोरिया,उप नेता प्रतिपक्ष हेमंत सत्यदेव कटारे सहित प्रमुख सचिव अरविंद उपस्थित रहे। दिसंबर सत्र 2025 के प्रथम दिवस पर विधानसभा अध्यक्ष तोमर से मुख्यमंत्री डॉ. यादव एवं अन्य मंत्री गणों ने सौजन्य भेंट कर उनका पुष्पगुच्छ से स्वागत किया। बैठक में विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की।

किसानों के मसले पर विस में हुई पक्ष-विपक्ष में तीखी बहस

- शेखावत ने कहा, भावांतर भ्रमित करने की योजना, किसानों को नहीं मिल रही बीमा की राशि
- रामेश्वर बोले, किसानों को दिलाएं बीमा की राशि, बारिश से दागदार उपज की भी हो खरीद

विशेष प्रतिनिधि ▶▶ भोपाल

विधानसभा में सोमवार को नियम 139 के तहत किसानों के मुद्दे पर पक्ष और विपक्ष के बीच तीखी बहस हुई। विपक्षी कांग्रेस सदस्यों ने आरोप लगाया कि इस समय सबसे ज्यादा परेशान किसान है। सरकार उनकी ओर ध्यान नहीं दे रही है जबकि सत्तापक्ष का कहना था कि भाजपा की केंद्र और राज्य की सरकार किसानों के हित में सबसे ज्यादा काम कर रही है।
चर्चा की शुरुआत करते हुए कांग्रेस के भंवर सिंह शेखावत ने कहा कि इस सरकार के कार्यकाल में किसान सबसे ज्यादा परेशान है। भावांतर योजना भ्रमित करने की योजना बन कर रह गई है। यह किसानों के साथ धोखा के सिवाय कुछ नहीं। उन्होंने कहा कि सरकार घोषणा करने के बावजूद किसानों का मक्का एमएसपी पर नहीं खरीद रही है। किसानों को फसलों के नुकसान का मुआवजा नहीं मिला और वह खाद, बीज और बिजली को लेकर परेशान है। शेखावत ने कहा कि फसल बीमा की राशि देने में किसानों के साथ मजाक किया जा रहा है। सौ से तीन सौ तक की बीमा राशि दी जा रही है और बीमा कंपनियां मुनाफा कमा रही हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि चुनाव न करा कर सहकारिता की अंत्येष्टि की जा रही है।

सत्तापक्ष की ओर से रामेश्वर शर्मा ने शेखावत की इस बात से सहमति जताई कि बीमा कंपनियों के प्रतिनिधियों को भी मौके पर जाना चाहिए और किसानों को फसल बीमा की पूरी राशि मिलना चाहिए। उन्होंने कृषि और राजस्व मंत्री से इस ओर ध्यान देने का आग्रह किया। शर्मा ने कहा कि भाजपा की सरकार ने किसानों के हित में जितने निर्णय लिए हैं, इससे पहले कभी नहीं लिए गए। उन्होंने कहा कि कई बार बारिश की वजह से दागदार हुई उपज को खरीदने से इंकार कर दिया जाता है। शर्मा ने कहा कि किसानों की पूरी उपज खरीदी जाना चाहिए।

इसके साथ ही उन्होंने कहा कि किसानों को बारिश तथा अन्य आपदाओं से नुकसान पर तत्काल राहत प्रदान की जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रदेश की मोहन यादव सरकार ने किसानों के हित में कई निर्णय लिए हैं, जिससे उनकी आमदनी बढ़ी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पहली बार किसान सम्मान निधि देना शुरू किया है। इसमें प्रदेश सरकार की ओर से भी राशि दी जा रही है।

वरिष्ठ पत्रकार देवश्री माली की पुस्तक का विमोचन

वरिष्ठ पत्रकार देव श्रीमाली की पुस्तक का विमोचन करते विस अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर, सीएम डॉ. मोहन यादव, भाजपा प्रदेशध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल व अन्य।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

विधानसभा प्रांगण में विधानसभा अध्यक्ष तोमर एवं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने वरिष्ठ पत्रकार एवं लेखक देव श्रीमाली की लिखित पुस्तक चंबल संस्कृति एवं विरासत का सोमवार को विमोचन किया। इस अवसर पर भाजपा प्रदेशध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल, राज्यसभा सांसद अशोक सिंह, पूर्व विधायक रामनिवास रावत, भाजपा मीडिया प्रभारी डॉ. आशीष अग्रवाल सहित अन्य गणमान्य जन उपस्थित रहे।

28 पेटी शराब, टाटा सफारी, मोबाइल और 15 हजार जब्त

अवैध शराब की तस्करी करते पकड़ाए नौ आरोपी

नंदिनी थाना पुलिस ने दिया वारदात को अंजाम

हरिभूमि न्यूज ▶▶ दुर्ग

नंदिनी थाना पुलिस ने अवैध शराब परिवहन के मामले में बड़ी सफलता पाई है। पुलिस ने इस मामले में शराब तस्कर सहित शासकीय शराब दुकान में काम करने वाले लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके पास से 28 पेटी देशी शराब सहित एक टाटा सफारी वाहन जब्त किया है। पुलिस ने सभी शराब तस्करों को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश कर दिया है। पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि एक टाटा सफारी में कुछ लोगों के द्वारा देसी शराब दुकान से अवैध शराब की तस्करी कर रहे हैं। जिसके बाद पुलिस ने नंदिनी खंदिनी के पत्थर खदान के पास टाटा सफारी को रोककर तलाशी लेने पर बड़ी मात्रा में शराब रखी हुई मिली। पुलिस वाहन में सवार 4 आरोपियों को हिरासत में लेकर शराब से भरी टाटा सफारी को थाने लेकर पहुंची। पुलिस ने पहले नरेश कुर्रे, लवकेश उर्फ बबलू और आर्यन लहरे, प्रभु बारले को गिरफ्तार किया गया।

सेल्समेन सहित दो अन्य शामिल

इसके बाद पुलिस ने देशी शराब दुकान मे काम करने वाले तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। जिसमें मैनेजर हितेश सय्यान और विचित्र दास मानिकपुरी को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने इस मामले में शराब दुकान के सेल्समैन नारायण जोगी, अमरजीत महतो और नितेश साहू को भी गिरफ्तार किया है। सेल्समैन शासकीय देसी शराब दुकान से शराब तस्करों को दुकान से बड़ी मात्रा में शराब उपलब्ध करते थे। पुलिस ने इस मामले में आरोपियों से 28 पेटी देशी शराब, टाटा सफारी, चार मोबाइल फोन, नगदी 15 हजार बरामद किए हैं। जिसकी अनुमानित कीमत 4 लाख 74 हजार आंकी गई है। पुलिस ने नौ आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश कर दिया है।

हमर राज पार्टी के जिलाध्यक्ष की थी कार

असामाजिक तत्वों ने कार में लगाई आग, पूरी तरह खाक

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बालोद

शहर में एक सनसनीखेज घटना सामने आई है, जहाँ असामाजिक तत्वों ने रात के अंधेरे में हमर राज पार्टी के जिला अध्यक्ष की खड़ी ब्रेजा कार में आग लगा दी। यह घटना बुढ़ापारा वार्ड में रात करीब नौ बजे हुई, जिसमें कार पूरी तरह से जलकर खाक हो गई। इस आपराधिक कृत्य ने इलाके में हड़कंप मचा दिया है और पुलिस प्रशासन ने तत्काल जांच शुरू कर दी है। हमर राज पार्टी के जिला अध्यक्ष अपनी ब्रेजा कार को बुढ़ापारा वार्ड में खड़ी करके गए थे। इसी दौरान, असामाजिक तत्वों ने कार को निशाना बनाया और उसमें आग लगा दी। आग इतनी भीषण थी कि कार कुछ ही देर में पूरी तरह से

जलकर राख हो गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू की। कार के मालिक ने बालोद थाने में इसकी शिकायत दर्ज कराई है। बालोद थाना क्षेत्र की यह गंभीर आपराधिक घटना है, जिसे पुलिस ने अत्यंत गंभीरता से लिया है। शहर का यह इलाका पॉश माना जाता है, ऐसे में इस तरह की घटना का होना पुलिस के लिए एक चुनौती है।

महिलाओं की सुरक्षा और सम्मान हमारे लिए सर्वोपरीः महापौर

जबलपुर। महिलाओं और लड़कियों के लिए सुरक्षित और सक्षम सार्वजनिक स्थान सुनिश्चित करने के लिए जबलपुर ने एक ऐतिहासिक कदम उठाया है। यूएन वीमेन के वैश्विक कार्यक्रम "Safe and Inclusive Public Spaces for Women and Girls" के तहत जबलपुर को भारत का एकमात्र प्रतिनिधि शहर चुना गया है। इसी क्रम में एमपीटी कलचुरी में एक उच्च स्तरीय स्टेकहोल्डर परामर्श का आयोजन किया गया, जिसमें वरिष्ठ सरकारी अधिकारी, पुलिस नेतृत्व, परिवहन संघों, समुदाय प्रतिनिधि, युवा और यूएन वीमेन के विशेषज्ञ शामिल हुए।

महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू ने इस अवसर पर कहा, "हमारे लिए महिलाओं की सुरक्षा और सम्मान सर्वोपरि है। तंजानिया में आयोजित ग्लोबल सेफ सिटीज कॉन्फ्रेंस में भारत का प्रतिनिधित्व करना जबलपुर के लिए ऐतिहासिक और सौभाग्यपूर्ण अवसर है। यह पहल राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर शहर की पहचान बढ़ाएगी।" परामर्श का उद्देश्य सार्वजनिक स्थलों पर महिलाओं और लड़कियों के खिलाफ हिंसा रोकने के लिए आगामी कार्ययोजना तैयार करना और विभिन्न हितधारकों के सुझाव लेना था। इसमें पर्यटन स्थल, सार्वजनिक स्थल, पेट्रोल पंप, मेट्रो बस, रेलवे स्टेशन, एयरपोर्ट, ऑटो चालक यूनियन, विश्वविद्यालय, स्कूल, महिला कॉलेज, होटल और शॉपिंग मॉल के प्रतिनिधि शामिल हुए। नगर निगम की ओर से महापौर अन्नू और यूएन वीमेन की ओर से कंट्री हेड कांता सिंह ने एमओयू पर हस्ताक्षर किए। यह समझौता महिलाओं और लड़कियों के खिलाफ हिंसा रोकने, व्यवहार परिवर्तन लाने और समावेशी शहरी विकास को बढ़ावा देने के लिए एक रणनीतिक कदम है।

यूएन वीमेन की वैश्विक विशेषज्ञ लौरा कैपोबियान्को ने 32 देशों के 70 शहरों से अंतरराष्ट्रीय सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा किया। उन्होंने जबलपुर के प्रयासों की सराहना की और कहा कि सतत प्रयास से शहर महिला सुरक्षा में अंतरराष्ट्रीय पटल पर ख्यातिलब्ध होगा। वरिष्ठ पुलिस अधिकारी और युवा प्रतिनिधियों ने सुरक्षित आवागमन, लिंग-संवेदनशील शहरी डिजाइन और जागरूकता बढ़ाने के महत्व पर प्रकाश डाला। सेफ सिटी कार्यक्रम के तहत, जबलपुर में जेंडर सेफ्टी सर्वे शुरू किया जाएगा, जिसमें शहर के सभी वार्डों में डेटा इकट्ठा किया जाएगा। इस पहल से शहर में महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान और सार्वजनिक जीवन में उनकी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित होगी।

स्टैंडिंग कमेटी की बैठक : राजनैतिक दलों को दी गई जानकारी

जिले में 166 नए मतदान केंद्र बनेंगे

जबलपुर। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं कलेक्टर राघवेंद्र सिंह की अध्यक्षता में स्टैंडिंग कमेटी की बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों को निर्वाचक नामावली के विशेष गहन पुनरीक्षण के संशोधित कार्यक्रम की जानकारी दी गई। जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा एसआईआर के लिए प्रासंगिक तिथियों को एक सप्ताह बढ़ाकर संशोधित कार्यक्रम की घोषणा की गई है। इसके अनुसार, गणना अवधि अब 11 दिसंबर हो गई है और मतदान केंद्रों के युक्तियुक्तकरण की प्रक्रिया भी 11 दिसंबर तक पूरी कर ली जाएगी। नियंत्रण तालिका का अद्यतनीकरण और ड्राफ्ट रोल की तैयारी 12 दिसम्बर से 15 दिसम्बर तक की जायेगी। मतदाता सूची का प्रारूप प्रकाशन 16 दिसंबर को किया जाएगा और दावे-आपत्तियां दाखिल करने की अवधि 16 दिसंबर से 15 जनवरी तक होगी। इसके बाद, गणना प्रपत्रों पर निर्णय और दावे एवं आपत्तियों का निपटान 16 दिसम्बर से 7 फरवरी तक किया जाएगा। मतदाता सूची के मापदंडो की जांच और अंतिम प्रकाशन के लिए आयोग की अनुमति की अवधि 10 फरवरी है और मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन 14 फरवरी 2026 को किया जाएगा। इसके साथ ही जिला निर्वाचन अधिकारी ने मतदान केंद्रों के युक्तियुक्तकरण की जानकारी देते हुए बताया कि जिले में पहले 2 हजार 154 मतदान केंद्र थे, लेकिन अब ईसीआई द्वारा अनुमोदित कुल मतदान केंद्र 2 हजार 320 हो चुके हैं। प्रस्तावित किए गए 166 नवीन मतदान केंद्रों में विधानसभा क्षेत्र पाटन के 29, बरगी के 18, जबलपुर पूर्व के 41, जबलपुर उत्तर के 7, जबलपुर केंट के 13, जबलपुर पश्चिम के 13, पनागर के 29 और सिहोरा के 16 मतदान केंद्र शामिल हैं। बैठक में भारतीय जनता पार्टी से शंकर श्रीवास्तव, श्री अभय सिंह, इंडियन नेशनल कॉंग्रेस से संजय यादव, फिरोज ठाकरे, बहुजन समाज पार्टी से लखन अहिरवार और ओमप्रकाश पटेल शामिल थे। बैठक में उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती ज्योति परस्ते भी मौजूद थीं।

- निजी स्कूलों की फीस वृद्धि मामले में ओपन कोर्ट में टिप्पणी
- रिट अपील पर सुनवाई पूरी, सुरक्षित किया आदेश

यदि बच्चों को कम फीस में पढ़ाना है, तो सरकारी स्कूलों में दाखिला दिला दें

अब राज्य शासन की ओर से रखा जाएगा पक्ष, वरिष्ठ अधिवक्ता सीएस वैद्यनाथन खड़े होंगे

16 दिसंबर को अगली सुनवाई, राज्य की जनवरी तक सुनवाई बढ़ाने की मांग नामंजूर

हरिभूमि जबलपुर।

मप्र हाईकोर्ट में मंगलवार को जबलपुर निजी स्कूलों की फीस वृद्धि मामले की सुनवाई हुई। इस दौरान ओपन कोर्ट में टिप्पणी की गई कि यदि बच्चों को कम फीस में पढ़ाना है, तो सरकारी स्कूलों में दाखिला दिला दें। जस्टिस विवेक रूसिया व जस्टिस प्रदीप मित्तल की डिवीजन बेंच ने मामले में दोनों पक्षों की बहस पूरी होने के साथ की आदेश सुरक्षित कर लिया है। सरकारी स्कूलों में दाखिले की टिप्पणी को लेकर अपीलकर्ता व हस्तक्षेपकर्ताओं की ओर से साफ किया गया कि अभिभावकों का मौलिक अधिकार है कि वे अपने बच्चों को निजी स्कूलों में जायज फीस अदा कर पढ़ाएं।

हस्तक्षेपकर्ता मध्य प्रदेश अभिभावक संघ की ओर से अधिवक्ता सुरेन्द्र वर्मा ने पक्ष रखा। उन्होंने दलील दी कि निजी स्कूल हाई कोर्ट के 10 प्रतिशत फीस वृद्धि की छूट संबंधी आदेश की मनमानी व्याख्या कर हर शिक्षण सत्र में 10 प्रतिशत फीस बढ़ाने पर आमादा हो गए हैं। जबकि यह रवैया अनुचित है। कायदे से आवश्यकता के अनुरूप फीस बढ़ाई जा सकती है। अभिभावक जायज फीस देने राजी हैं। वे सिर्फ मनमानी फीस वृद्धि के विरुद्ध हैं।

दरअसल, पूर्व में छात्रों की याचिका जिला शिक्षा समिति के आदेश को राज्य शिक्षा कमेटी के समक्ष चुनौती देने की स्वतंत्रता दिए जाने के निरस्त कर दी गई थी, जिसके बाद युगलपीठ के समक्ष रिट अपील दायर हुई है। इसी सिलसिले में अपीलकर्ता के साथ हस्तक्षेपकर्ता पक्ष रखने आगे आए हैं।

पूर्व आदेश का पालन नहीं करने पर हाईकोर्ट ने नगर निगम आयुक्त को बुलाया

जबलपुर। नियमितिकरण से जुड़े एक मामले में पूर्व आदेश का पालन नहीं करने पूर्व आदेश का पालन नहीं करने और अवमानना में जवाब पेश नहीं करने पर हाईकोर्ट ने नगर निगम आयुक्त कोऔर अवमानना में जवाब पेश नहीं करने पर हाईकोर्ट ने नगर निगम आयुक्त को अगली सुनवाई के दौरान व्यक्तिगत रूप से हाजिर होकर स्पष्टीकरण पेश करने के निर्देश दिए। जस्टिस डीडी बंसल की सिंगल बेंच ने संबंधित अधिवक्ता को कहा है कि निगमायुक्त को आदेश परिपालन के लिए सूचित करें। अगली सुनवाई 8 दिसंबर को होगी। जबलपुर निवासी राकेश शुक्ला की ओर से अधिवक्ता दीपक सिंह ने पक्ष रखा। उन्होंने बताया कि वर्ष 2003-04 में नगर निगम ने 74 दैनिक वेतन भोगियों को नियमित किया था। कुछ शिकायतें मिलने पर पुनः दैवेभो कर दिया। पूर्व में हाईकोर्ट ने इस मामले में विस्तृत आदेश देते हुए कर्मचारियों को नियमित करने के आदेश दिए थे। कोर्ट ने कहा था कि उन सभी कर्मचारियों के मामलों पर विचार करें जिनका नियमितीकरण किया गया था। कोर्ट ने यह भी कहा था कि मृत कर्मचारियों के मामलों पर उनके कानूनी बकाया और उनके बच्चों की अनुकंपा नियुक्ति दी जाए। जो कर्मचारी पहले ही सेवानिवृत्त हो चुके हैं, उनके मामलों पर कानून के अनुसार उनके सेवानिवृत्ति बकाया या पेंशन का भुगतान करें। नगर निगम ने इसके विरुद्ध हाईकोर्ट में अपील पेश की थी। हाईकोर्ट ने अपील खारिज कर आदेश का पालन करने कहा था। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने भी नगर निगम की विशेष अनुमति याचिका निरस्त कर दी थी। जब आदेश का पालन नहीं हुआ तो याचिकाकर्ताओं ने अवमानना याचिका दायर की।

प्रमोशन में आरक्षण मामला, याचिकाकर्ताओं की बहस पूरी

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट में मंगलवार को मध्य प्रदेश में प्रमोशन में आरक्षण मामले की सुनवाई हुई। इस दौरान याचिकाकर्ताओं की ओर से पूर्व में अधूरी रह गई बहस को पूरा किया गया। इसके बाद राज्य शासन की बहस प्रारंभ होनी थी। लेकिन मप्र शासन की ओर से अतिरिक्त महाधिवक्ता जान्हवी पंडित ने अवगत कराया कि राज्य का पक्ष वरिष्ठ अधिवक्ता सीएस वैद्यनाथन रखेंगे, जो अभी किसी अन्य प्रकरण की पैरवी में व्यस्त हैं। लिहाजा, सुनवाई जनवरी तक आगे बढ़ा दी जाए। चीफ जस्टिस संजीव सचदेवा व जस्टिस विनय सराफ की डिवीजन बेंच ने यह आग्रह स्वीकर नहीं किया। मामले की गंभीरता के मद्देनजर अगली सुनवाई 16 दिसंबर को नियत कर दी। याचिकाकर्ताओं की ओर से लगभग आधे घंटे तक की गई अंतिम चरण की बहस में मूलभूत रूप से राज्य शासन द्वारा सुप्रीम कोर्ट की गाइडलाइन का पालन न किए जाने के बिंदु पर जोर दिया गया। साथ ही सुप्रीम कोर्ट के न्यायदृष्टांत रेखांकित करते हुए प्रमोशन में आरक्षण की नई नीति को असंवैधानिक घोषित करने पर बल दिया गया। यह भी कहा गया कि सरकार ने बिना आंकड़े जुटाए प्रमोशन पालिसी लागू करने की तैयारी कर ली है, जो कि मनमानी का पर्याय है।

38 याचिकाओं पर हुई 11 वीं सुनवाई

इस मामले में याचिकाकर्ता सपाक्स, अजाक्स संघ सहित 38 याचिकाओं पर एक साथ 11 वीं सुनवाई हुई। इसके साथ ही अनेक कर्मियों की हस्तक्षेप याचिकाओं को भी सुना गया। याचिकाकर्ताओं व हस्तक्षेपकर्ताओ की ओर से दलील दी गई कि जातिगत प्रमोशन से एक ऐसी क्लास खड़ी होगी, जो कि बराबरी की परिभाषा से ऊपर उठ जाएगी। उससे फिर दोष पैदा होगे, जो कि आर्टिकल 14 और 16 के सिद्धांत के अनुसार नहीं होगी।

क्या है मामला

राजधानी भोपाल निवासी डा. स्वाति तिवारी व अन्य की ओर से दायर याचिकाओं में मध्य प्रदेश लोक सेवा पदोन्नति नियम 2025 को चुनौती दी गई है। दलील दी गई कि वर्ष 2002 के नियमों को हाई कोर्ट के द्वारा आरबी राय के केस में समाप्त किया जा चुका है। इसके विरुद्ध मप्र शासन ने सुप्रीम कोर्ट में विशेष अनुमति याचिका दायर की गई है। सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में यथास्थिति बनाए रखने के आदेश दिए हैं। सुप्रीम कोर्ट में मामला अभी लंबित है, इसके बावजूद मप्र शासन ने महज नाम मात्र का शाब्दिक परिवर्तन कर जस के तस नियम बना दिए।

दिल्ली हाई कोर्ट ने केंद्र सरकार को भेजा नोटिस

कैंट बोर्ड चुनाव की उम्मीद फिर जागी

हरिभूमि जबलपुर।

कैंट बोर्ड सदस्यों के चुनाव की आस फिर जाग गई है। दरअसल, दिल्ली हाईकोर्ट ने लंबे समय से बंद पड़े कैंट बोर्ड के चुनाव नहीं कराए जाने संबंधी एक याचिका पर सुनवाई करते हुए केंद्र सरकार को फटकार लगाते हुए नोटिस जारी किया है। इसी तरह की एक याचिका जबलपुर हाईकोर्ट में भी लंबित है। उक्त याचिका पर भी जल्द सुनवाई हो सकती है। उल्लेखनीय है कि दिल्ली हाईकोर्ट ने गत दिवस एक याचिका पर सुनवाईं के दौरान हाईकोर्ट ने कहा कि देश में 60 से ज्यादा कैंटोनमेंट बोर्ड हैं। ये बोर्ड कैंटोनमेंट के तौर पर तय इलाकों को निगम प्रशासन की तरह व्यवस्थित करता है। इन बोर्ड के सदस्यों को चुनने के लिए पिछले चुनाव जनवरी 2015 में हुए थे, जिनका कार्यकाल 2020 में खत्म हो गया था। इसके बाद से अब तक चुनाव नहीं कराए गए हैं।

यह बताया गया कोर्ट में

कैंट अधिनियम, 2006 की धारा 12 में निर्वाचित सदस्यों सहित इन बोर्डों के गठन का प्रावधान है, लेकिन सरकार संविधान में बदलाव करने के लिए धारा 13 के तहत अधिसूचनाएं जारी कर रही है और चुनाव नहीं करा रही है। न्यायालय ने दर्ज किया कि धारा 13 के तहत, छावनी बोर्ड के गठन में परिवर्तन करने की शक्ति का प्रयोग केवल दो परिस्थितियों में किया जा सकता है। सैन्य अभियान के कारण या कैंटोनमेंट के प्रशासनिक कार्य की वजह से। इसने पाया कि जब धारा 13 के तहत अधिसूचना जारी की जाती है, तो बोर्ड में कोई निर्वाचित सदस्य नहीं होता है और इसलिए, इन अधिसूचनाओं का निरंतर और बार-बार उपयोग किया जाता है यह उस लोकतांत्रिक प्रक्रिया को विफल करता है जिसके द्वारा छावनी, अधिनियम में परिकल्पना की गई है। न्यायालय ने केंद्र सरकार के साथ-साथ रक्षा संपदा महानिदेशक (डीजीडीई) को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। मामलें की अगली सुनवाई 11 मार्च को होगी। न्यायालय ने यह भी कहा कि अब इस याचिका को जनहित याचिका के रुप में माना जायेगा।

बेहतर उपभोक्ता सेवा के देने साथ बिजली कंपनी कार्मिकों के प्रति भी है संवेदनशीलः गिरिया सीई

जबलपुर फेडरेशन स्थापित मूल्यों, सकारात्मक सोच के साथ सभी कार्मिकों, पेंशनर्स हितार्थ हरसंभव कार्य करेगाः राकेश डीपी पाठक

जबलपुर। मुख्य अभियंता क्षेत्र श्री एस के गिरिया साहब ने कहा कि पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी का मूल्य उद्देश्य है कि सभी बिजली उपभोक्ताओं को बेहतर उपभोक्ता सेवा देने के साथ सभी को बिजली की गुणवत्तापूर्ण विधुत आपूर्ति निरंतर हो। श्री गिरिया साहब ने कहा कि इसके साथ-साथ बिजली कंपनी अपने सभी श्रेणी के कार्यरत कर्मचारियों के प्रति भी अति संवेदनशील है और सदैव सकारात्मक सोच के साथ कर्मियों के हित में लगातार कार्य कर रही है। सकारात्मक निर्णय लें रही है। मध्यप्रदेश विधुत कर्मचारी संघ फेडरेशन के महामंत्री राकेश डीपी पाठक के साथ वरिष्ठ नेता यूके पाठक, दिनेश दुबे, सीताराम कुरचानिया, अनूप वर्मा, उमाशंकर दुबे सहित बड़ी संख्या में प्रतिनिधी मंडल ने पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी जबलपुर के मुख्य अभियंता श्री एस के गिरिया जी से सौजन्य भेंट कर चर्चा की। फेडरेशन की ओर से सभी ने मुख्य अभियंता का माला,पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया। फेडरेशन के महामंत्री राकेश डी पी पाठक ने बिजली सेक्टर कि प्रगति और कर्मचारियों के हितार्थ फेडरेशन की सकारात्मक सोच के साथ किए जा रहे कार्यों की विस्तृत जानकारी दी। इस अवसर पर फेडरेशन के महामंत्री राकेश पाठक ने मुख्य अभियंता श्री एस के गिरिया साहब को आश्वस्त किया कि फेडरेशन अपने स्थापित मूल्यों, सकारात्मक सोच के साथ बिजली कंपनियों में कार्यरत सभी श्रेणियों कार्मिकों, संविदा, आउट सोर्स कर्मचारियों और सम्माननीय पेंशनरों की न्यायोचित मांगों, समस्याओं को आपके समक्ष समय - समय पर रखेगा। राकेश पाठक ने कहा कि फेडरेशन के संस्थापक महामंत्री डी पी पाठक जी का मूल मंत्र रहा है कि बिजली उघोग की प्रगति से ही कर्मचारियों की प्रगति,समृद्धि संभव है। फेडरेशन आज इसी मूलमंत्र को लेकर कार्य कर रही है। राकेश डी पी पाठक ने कहा कि आज बिजली सेक्टर की सभी कंपनियों में कार्यरत सभी श्रेणियों के कार्मिकों और पेंशनर्स के हित में लगातार सकारात्मक निर्णय लिए जा रहे हैं फेडरेशन इसके लिए ऊर्जा सचिव जी, ऊर्जा विभाग, सभी बिजली कंपनियों के प्रबंध निर्देशक गणों जी और सीजीएम मानव संसाधन एवं प्रशासन का हृदय से आभार व्यक्त करता है। प्रतिनिधि मंडल में मध्यप्रदेश विधुत कर्मचारी संघ फेडरेशन के महामंत्री राकेश डी पी पाठक,वरिष्ठ नेता यू के पाठक, दिनेश दुबे, अनूप वर्मा, सीताराम कुरचानिया, उमाशंकर दुबे,एम पी तिवारी, मोहित पटेल, अतुल विश्वकर्मा, आदि उपस्थित थे।

16 दिसंबर से 15 जनवरी तक दावा आपत्ति की जा सकेगी

एसआईआर : संशोधित कार्यक्रम की कलेक्टर ने दी जानकारी

जबलपुर। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं कलेक्टर राघवेंद्र सिंह ने यहां कहा कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा एसआईआर के लिए प्रासंगिक तिथियों को एक सप्ताह बढ़ाकर संशोधित कार्यक्रम की घोषणा की गई है। इसके अनुसार, गणना अवधि अब 11 दिसंबर हो गई है और मतदान केंद्रों के युक्तियुक्तकरण की प्रक्रिया भी 11 दिसंबर तक पूरी कर ली जाएगी। कलेक्टर यहां पत्रकारों से चर्चा कर रहे थे। उन्होंने बताया कि नियंत्रण तालिका का अद्यतनीकरण और ड्राफ्ट रोल की तैयारी 12 दिसम्बर से 15 दिसम्बर तक की जायेगी। मतदाता सूची का प्रारूप प्रकाशन 16 दिसंबर को किया जाएगा और दावे-आपत्तियां दाखिल करने की अवधि 16 दिसंबर से 15 जनवरी तक होगी। इसके बाद, गणना प्रपत्रों पर निर्णय और दावे एवं आपत्तियों का निपटान 16 दिसम्बर से 7 फरवरी तक किया जाएगा। मतदाता सूची के मापदंडो की जांच और अंतिम प्रकाशन के लिए आयोग की अनुमति की अवधि 10 फरवरी है और मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन 14 फरवरी 2026 को किया जाएगा।

पश्चिम मध्य रेलवे का प्रयास, 130 किमी क्षमता का लक्ष्य

उत्तर–दक्षिण को जोड़ने वाले रेल मार्ग पर बढ़ेगी रफ्तार

जबलपुर। पश्चिम मध्य रेलवे के भोपाल और कोटा मंडलों में रेल ट्रैक की अधिकतम स्पीड क्षमता लगातार बढ़ रही है और कई सेक्शन 130 किमी प्रतिघंटा या उससे अधिक की गति से ट्रेन संचालन के योग्य हो चुके हैं। इसके विपरीत जबलपुर रेल मंडल के इटारसी–जबलपुर–मानिकपुर सेक्शन में अब तक ट्रैक की अधिकतम गति क्षमता 110 किमी प्रतिघंटा से आगे नहीं बढ़ सकी है। हालांकि रेलवे बोर्ड ने अगले वर्ष 2026 तक इस महत्वपूर्ण खंड की स्पीड सीमा को 130 किमी प्रतिघंटा तक बढ़ाने का लक्ष्य निर्धारित किया है, जिसके लिए इंजीनियरिंग विभाग ने काम तेज कर दिया है। उल्लेखनीय है कि प्रयागराज–मानिकपुर सेक्शन पहले ही 130 किमी प्रतिघंटा की क्षमता प्राप्त कर चुका है, जबकि इटारसी–जबलपुर–मानिकपुर मार्ग लगभग 450 किलोमीटर लंबा, उत्तर भारत को पश्चिम और दक्षिण भारत से सीधे जोड़ने वाला अत्यंत महत्वपूर्ण कॉरिडोर है। इस मार्ग पर ट्रेनों की गति सीमित रहने से कई एक्सप्रेस और सुपरफास्ट ट्रेनों का समय प्रभावित होता है और भविष्य की उच्च गति ट्रेन योजनाएँ भी प्रभावित होती हैं।

सड़क दुर्घटना में ट्रक डाईवर की मौत

जबलपुर। सिहोरा थाना अतंर्गत ओवर ब्रिज मझौली बाईपास के पास सड़क दुर्घटना में एक ट्रक डाईवर की मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामला जांच में लिया है। सिहोरा पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार कौशम्बी यूपी निवासी 36 वर्षीय ट्रक डाईवर अवधेश कुशवाहा और ग्राम महगांव कौशम्बी यूपी निवासी 36 वर्षीय ट्रक डाईवर नसीम अहमद दोनों ट्रक यूपी 70 एनटी 7216 में खाली कैरिट लोड कर मिर्जापुर उप्र से छपारा सिवनी आ रहे थे। रात 2 बजे रीवा आने तक नसीम ने ट्रक को चलाया उसके बाद ट्रक को अवधेश कुशवाहा चलाने लगा। नसीम ट्रक में ही सो गया था। रीवा से सिहोरा पहुंचकर लगभग 9 बजे खटखटाने की आवाज पर वह उठा तो देखा कि ट्रक सिहोरा बाईपास रोड पर खड़ा था तथा 50 मीटर आगे रोड पर ड्राईवर अवधेश मृत अवस्था में पड़ा था। सम्भवतः सिहोरा बाईपास रोड पर पहुंचकर अवधेश ट्रक को रोककर नीचे उतरकर जा रहा होगा तभी किसी अज्ञात वाहन के चालक ने अवधेश को टक्कर मार दी, गम्भीर चोटें आने से अवधेश कुशवाहा की मृत्यु हो गयी है। पुलिस ने पंचनामा कार्यवाही कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाते हुये मर्ग कायम कर मामला जांच में लिया गया।

सुपर मार्केट में दुर्घटना, निगमायुक्त स्वयं मौके पर पहुंचे

कपड़े के कारखाने में भड़की भीषण आग, 1 करोड़ की क्षति का अनुमान

जबलपुर। शहर के व्यस्ततम क्षेत्र सुपर मार्केट के सामने स्थित सतना बिल्डिंग में मंगलवार की दोपहर एक कपड़े के गोदाम में अचानक भीषण आग लग गई। बताया जाता है कि क्लासिक गारमेंट्स के शोरूम और गोदाम को चंद ही मिनटों में आग की लपटों ने अपनी चपेट में ले लिया। घटना की सूचना मिलते ही एक दर्जन से ज्यादा दमकल वाहन मौके पर पहुंचे और आग पर काबू पाया। चार मंजिला कपड़ों का यह कारखाना मंगलवार होने से बंद था, लिहाजा आग काफी भड़क चुकी थी उसके बाद भागदौड़ मची। घटना की जानकारी मिलने पर निगामायुक्त रामप्रकाश अहिरवार स्वयं मौके पर पहुंचे।

इस कारखाने का संचालन तरुण जैन के क्लासिक शोरूम द्वारा किया जाता है। इस दुर्घटना में करीब एक करोड़ रुपए से ज्यादकसान होना बताया जा रहा है।

बताया गया है कि तरुण जैन की सतना बिल्डिंग के पीछे चार मंजिला सलवार सूट बनाने का कारखाना है। यहां पर मंगलवार दोपहर अचानक ही आग लग गई। उन्होंने बताया कि मंगलवार की वजह से कारखाना बंद था और किसी को जानकारी नहीं लग पाई। आगे जब पीछे से होते हुए सामने तक पहुंची तब स्थानीय लोगों ने देखा और तुरंत ही तरुण जैन को सूचना दी गई।

खबर मिलते ही दमकल विभाग की टीम पहुंची और आग को बुझाना शुरू किया। कारखाने के आसपास बिल्डिंग में रहने वाले लोगों को बाहर निकाला गया है। घटना की जानकारी लगते ही नगर निगम आयुक्त रामप्रकाश अहिरवार मौके पर पहुंचे और जल्द से जल्द आग बुझाने के दमकल विभाग के कर्मचारियों को निर्देश दिए।

एक-एक कर फायर ब्रिगेड की कुल 12 गाड़ियां मौके पर पहुंची और आग बुझाने में जुट गईं। राहत की बात यह रही कि भीड़भाड़ वाले क्षेत्र को देखते हुए आम नागरिकों को तुरंत दूर किया गया, जिससे किसी तरह की जनहानि नहीं हुई। दुर्घटना के कारणों का खुलासा अभी नहीं हुआ है संभावना बताई जा रही है कि विद्युत शॉर्ट-सर्किट की वजह से यह दुर्घटना हुई।

जन्मदिन उत्सव
महाबम्पर ड्रा
सूचना
हरिभूमि के सुधि पाठकों को सूचित किया जाता है कि पाठकों के लिए जन्मदिन उत्सव योजना चलायी गई थी। जिसमें भाग्यशाली पाठकों के उपहार वितरण की सूचना समाचार पत्र में प्रकाशित किया जायेगा।

गीता जयंती महोत्सव : 6000 स्कूली विद्यार्थियों ने सामूहिक रूप से किया 15वां अध्याय का वाचन

जबलपुर में संभाग स्तरीय आयोजन

जबलपुर। पंडित लज्जा शंकर झा शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय (मॉडल स्कूल) में आज गीता जयंती महोत्सव का संभाग स्तरीय आयोजन राज्य शासन के निर्देशानुसार मध्य प्रदेश संस्कृति विभाग, विश्व गीता प्रतिष्ठान और स्कूल शिक्षा विभाग के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन, मां सरस्वती और श्रीमद्भगवतगीता के पूजन-अर्चन के साथ हुआ। अतिथियों का तिलक, शॉल और तुलसी का पौधा भेंटकर स्वागत किया गया।

इस अवसर पर जगतगुरु राघव देवाचार्य जी महाराज ने गीता के उपदेश पर प्रकाश डालते हुए कहा कि गीता एक पवित्र ग्रंथ है, जिसका नियमित पाठ कर इसके संदेश को जीवन में अपनाना चाहिए। उन्होंने सभी उपस्थित बच्चों से सामूहिक रूप से गीता के 15वें अध्याय का वाचन कराया। इस वाचन में जिले के विभिन्न विद्यालयों से आए लगभग 6000 बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इसे नेतृत्व संस्कृत विद्यालयों के बालबटुकों ने किया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू, विशिष्ट अतिथि आयुक्त जबलपुर संभाग श्री धनंजय सिंह भदौरिया, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ मध्य क्षेत्र के बौद्धिक प्रमुख श्री नागेन्द्र जी, नगर निगम अध्यक्ष रिंकुज विज, कलेक्टर राघवेंद्र सिंह सहित कई गणमान्य अधिकारी उपस्थित रहे। मुख्य वक्ता नागेन्द्र ने कहा कि गीता में भक्ति योग, कर्म योग और ज्ञान योग का सार है। इसके उपदेश हमें जीवन जीने की कला सिखाते हैं और मानवता के पथ पर अग्रसर होने की प्रेरणा देते हैं। गीता विज्ञान पर आधारित है और इसके शिक्षाओं से राष्ट्र की उन्नति संभव है। कार्यक्रम में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अभिषेक गहलोत, अपर कलेक्टर नाथूराम गौड़, जिला सत्कार अधिकारी पीयूष दुबे, संयुक्त संचालक लोक शिक्षण अरुण कुमार इंगले, पाठ्य पुस्तक समिति अध्यक्ष अल्केश चतुर्वेदी, माध्यमिक शिक्षा मंडल उपाध्यक्ष निवास राव, जिला शिक्षा अधिकारी घनश्याम सोनी सहित जिले के समस्त अधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन केके चौबे और विजय तिवारी ने किया।

जबलपुर में ऐतिहासिक मार्ग को मिला नया नाम

'पूज्य महंत स्वामी महाराज पथ' का भव्य लोकार्पण

जबलपुर। शहर की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक पहचान को नई ऊँचाइयों पर ले जाते हुए, जबलपुर के एक महत्वपूर्ण एवं व्यस्ततम मार्ग का नामकरण 'पूज्य महंत स्वामी महाराज पथ' के रूप में किया गया। महर्षि दयानंद चौक (रसल चौक) से महर्षि वाल्मीकि चौक (इनकम टैक्स चौक) तक फैले इस मार्ग का लोकार्पण महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू ने पूज्य संतों के सानिध्य में किया।

स्वामी महाराज मानवता के आदर्श : महापौर

लोकार्पण समारोह में बड़ी संख्या में साधु-संत, शहर के गणमान्य नागरिक और अनुयायी उपस्थित रहे। महापौर अन्नू ने कहा कि पूज्य महंत स्वामी महाराज निःस्वार्थ सेवा, करुणा और मानवता के प्रतीक हैं। उनके नाम से इस मार्ग का समर्पण शहर के लिए गर्व का क्षण है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह मार्ग आने वाली पीढ़ियों को स्वामी महाराज के आदर्शों, त्याग और सेवा भावना से प्रेरित करेगा।

900 किमी मशाल यात्रा बना कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण

कार्यक्रम के दौरान बताया गया कि स्वामी जी की जन्मस्थली से निकली 900 किलोमीटर लंबी भव्य मशाल यात्रा उनकी शिक्षाओं और आदर्शों के प्रति राष्ट्रव्यापी सम्मान का प्रतीक है। यह यात्रा इस नामकरण समारोह को एक पवित्र और आध्यात्मिक आयाम प्रदान करती है।

शहर की आध्यात्मिक विरासत को मिला बल

पूर्व में रसल चौक से इनकम टैक्स चौक तक जाने वाला यह मार्ग अब आधिकारिक रूप से 'पूज्य महंत स्वामी महाराज पथ' के नाम से जाना जाएगा। यह दो महान संतों महर्षि दयानंद सरस्वती और महर्षि वाल्मीकि से जुड़े चौराहों को जोड़ते हुए शहर की सांस्कृतिक धरोहर को और मजबूत करेगा। लोकार्पण समारोह में सांसद गुमान सिंह डामोर, महानगर अध्यक्ष रत्नेश सोनकर, एम.आई.सी. सदस्य डॉ. सुभाष तिवारी, पार्षद श्रीमती लवलीन आनंद, कमलेश अग्रवाल, धीरज पटेरिया, डॉ. राजेश धीरवानी सहित अनेक जनप्रतिनिधि और संतगण उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में पूज्य संतों ने नगर निगम एवं महापौर द्वारा लिए गए इस ऐतिहासिक निर्णय की प्रशंसा की और इसे शहर के लिए प्रेरणादायक कदम बताया।

'नर्मदा मार्जन सेवा समूह'—हर रविवार बढ़ रही लोगों की भागीदारी

तिलवारा घाट पर नर्मदा स्वच्छता अभियान जारी

जबलपुर। शहर में नर्मदा तट की स्वच्छता को लेकर नागरिकों द्वारा चलाया जा रहा नर्मदा स्वच्छता सेवा अभियान लगातार प्रभावी होता जा रहा है। तिलवारा घाट पर हर रविवार सुबह 8:30 बजे यह अभियान नियमित रूप से आयोजित किया जाता है, जिसमें बड़ी संख्या में युवा, महिलाएँ और वरिष्ठजन शामिल हो रहे हैं। इस सेवा कार्य को गति देने में नीरज नेमा, चंद्रभान नेमा, साक्षी नेमा लकी उपाध्याय, राजेश ठाकुर, रूपेश उपाध्याय, सोनाली साहू, आलोक विश्वकर्मा, मनोज सिंह, रोशन शर्मा, बालाजी, प्राची नेमा, खुशी नेमा, समीर उपाध्याय, प्रकाश अवस्थी सहित कई सक्रिय सदस्यों का विशेष योगदान रहा। सभी सहयोगी घाट पर जमा प्लास्टिक, कचरा, फूल-मालाएं व अन्य गंदगी को एकत्र कर नगर निगम के वाहनों में निस्तारित करवाते हैं।

इस अभियान की विशेष बात यह है कि इस सप्ताह 'वॉक एंड क्लीन' ग्रुप ने भी नर्मदा मार्जन समूह के साथ मिलकर संयुक्त रूप से भागीदारी की। इस ग्रुप के सदस्यों ने तट पर पैदल भ्रमण करते हुए आसपास फैला कचरा उठाया और लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करने का संदेश दिया। दोनों समूहों की संयुक्त पहल से घाट क्षेत्र में साफ-सफाई और अधिक प्रभावी और तेज़ी से हुई।

नागरिकों से अपील- आयोजकों ने शहरवासियों से आग्रह किया है कि हर रविवार सुबह 8:30 बजे तिलवारा घाट पहुँचकर नर्मदा स्वच्छता अभियान में शामिल हों और नदी संरक्षण में अपना योगदान दें।

शासकीय भूमि से बेदखली अब दस्तावेज परखे जायेंगे

अब रोहिंग्या और बांग्लादेशी होने की जांच होगी

जबलपुर। बरेला तहसील की ग्राम हिनोतिया में शासकीय भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराए जाने के बाद अब यहां रोहिंग्या मुसलमान, बांग्लादेशी घुसपैठियो के एंगल पर जांच कराई जा रही हैं। दरअसल एसआईआर प्रक्रिया के दौरान हिन्दू संगठनों की शिकायत पर जिला प्रशासन ने पुलिस के साथ मिलकर गत दिवस सरकारी जमीन से कब्जा हटाया गया। ज्ञात हो कि ग्राम हिनोतिया में खसरा नम्बर 523, 524 एवं 525 की करीब 2.28 हेक्टेयर शासकीय भूमि के अलग-अलग हिस्से में कुछ लोगों द्वारा अस्थाई निर्माण कर अतिक्रमण करने की शिकायतें प्राप्त हुई थीं। हिंदू संगठनों का आरोप है कि रोहिंग्या और बांग्लादेशी सरकारी जमीन पर कब्जा कर यहां रह रहे हैं. इतना ही नहीं सरकारी योजनाओं का लाभ भी ले रहे हैं. इधर, जिन्हें प्रशासन ने सरकारी जमीन से बेदखल किया है. उनका कहना है कि वह घुमंतू बंजारा हैं, न कि रोहिंग्या. करीब 10 दिन पहले हिंदू संगठनों को पता चला कि जबलपुर से करीब 25 किलोमीटर दूर बरेला तहसील के ग्राम हिनोतिया में कुछ लोग बाहर से आकर बस गए हैं. इन लोगों ने तंबू लगाकर रखे हैं। मौके पर जाकर जब उनसे बात की तो भाषा अलग थी. डेरे में रखे आधार कार्ड देखे तो एक व्यक्ति के कार्ड तीन जगह से बने हुए थे. संगठन ने बरेला थाने में शिकायत पत्र सौंपते हुए मांग की कि सरकारी जमीन पर कब्जा करने वाले रोहिंग्या, बांग्लादेशी हैं, उन्हें फौरन हटाया जाए. इसके बाद प्रशासन की जांच पड़ताल में यह बात सामने आई कि यहां कुछ लोगों ने शासकीय भूमि पर कब्जा कर रखा था यहां सोमवार को शासकीय भूमि मुक्त कराई गई। विहिप के प्रचार प्रमुख सुमित सिंह ठाकुर का कहना है कि इनके दस्तावेजों की भी जांच होनी चाहिए. कलेक्टर राघवेंद्र सिंह ने बताया कि जिन लोगों ने जमीन पर कब्जा किया था वह जमीन शासकीय थी. इसलिए उन्हें पहले नोटिस दिया गया और उसके बाद भी जब इन लोगों ने स्वयं ही जमीन खाली नहीं की तो उन्हें हटा दिया गया. कलेक्टर ने कहा कि कुछ लोगों का यह भी आरोप था कि यह लोग रोहिंग्या, बांग्लादेशी है, इसकी भी जांच कराई जा रही है. फिलहाल शासकीय जमीन को खाली करवा दिया गया है।

सेंट नॉरबर्ट स्कूल में एड्स जागरूकता लाने प्रस्तुत किया नुक्कड़ नाटक

जबलपुर। भारत स्काउट गाइड एवं यूनिसेफ द्वारा संचालित प्रोजेक्ट क्लेप के अंतर्गत सेंट नॉरबर्ट गर्ल्स हायर सेकेंडरी स्कूल, नेपियर टाउन में एचआईवी/एड्स जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्राचार्या सिस्टर किरण के मार्गदर्शन और गाइड कैप्टन श्रीमती रशिका द्विवेदी के निर्देशन में प्रातः सभा के दौरान गाइड छात्राओं ने "जागरूकता ही समाधान" विषय पर प्रभावशाली नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया। इसमें गाइड लीडर कु. नमामि पाठक सहित 20 छात्राएं शामिल रहीं। कार्यक्रम में लगभग 1500 विद्यार्थियों और 70 शिक्षकों की उपस्थिति रही। छात्रों और शिक्षकों को कु. आकांक्षा सिंह एवं कु. शहनूर फातिमा द्वारा रेड रिबन लगाया गया। प्राचार्या ने बताया कि विश्व एड्स दिवस पर लाल रिबन एचआईवी/एड्स के प्रति समर्थन और जागरूकता का प्रतीक है। कार्यक्रम की सफलता में सिस्टर नेसम, सिस्टर फूलकुमारी, श्रीमती रंजना, श्रीमती रेनू यादव, श्री संजय पॉल, श्रीमती अफसाना बेगम, श्रीमती अर्चना पटेरिया और श्रीमती प्रतिमा सक्सेना का विशेष योगदान रहा। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ किया गया।

मां अम्बा शतचंडी यज्ञ की तैयारी बैठक 3 दिसम्बर को

मझौली। नगर में आगामी 19 जनवरी 2026 से प्रारंभ होने वाले मां अम्बा शतचंडी महायज्ञ को लेकर तैयारियाँ शुरू हो गई हैं। इसी क्रम में यज्ञ की महत्वपूर्ण बैठक बुधवार, 3 दिसम्बर को शाम 3 बजे गांधी भवन, बाजार प्लॉट, मझौली में आयोजित की जाएगी। उल्लेखनीय है कि मझौली में शतचंडी यज्ञ पहली बार आयोजित होने जा रहा है, जिससे नगर में विशेष उत्साह देखा जा रहा है। यह 9 दिवसीय महायज्ञ पूज्य श्री बनवारी दास जी महाराज (भरभरा वाले गुरुजी) के सानिध्य में संपन्न होगा। कार्यक्रम में भागवत कथा का वाचन पूज्य स्वामी श्री दत्त जी महाराज (कोनी वाले) द्वारा किया जाएगा। साथ ही प्रतिदिन रामलीला का मंचन अटल मंच से होगा। क्षेत्र के अनेक संतों की विशेष उपस्थिति भी अपेक्षित है। यज्ञ समिति एवं गोविंद सरकार ने नगरवासियों से अपील की है कि वे बड़ी संख्या में बैठक में उपस्थित होकर आयोजन को सफल बनाने में सहयोग करें।

विश्व एड्स दिवस : एफपीएआई और हितकारिणी नर्सिंग कॉलेज ने मिलकर दिया जागरूकता का संदेश

जबलपुर। विश्व एड्स दिवस के अवसर पर फैमिली प्लानिंग एसोसिएशन ऑफ इंडिया, जबलपुर शाखा द्वारा हितकारिणी नर्सिंग कॉलेज के सहयोग से एक जागरूकता कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि संस्था की वाइस चेयरपर्सन डॉ. मुक्ता भाटेले रहीं। वहीं एचआईवी/एड्स से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी डॉ. नमिता पाराशर द्वारा दी गई। फैमिली प्लैनिंग एसोसिएशन के शाखा प्रबंधक रवि शरण गौतम ने संस्था की गतिविधियों एवं उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में स्लोगन (नारा) प्रतियोगिता भी आयोजित की गई, जिसमें नर्सिंग कॉलेज की छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। विजेताओं को प्रथम, द्वितीय और तृतीय पुरस्कार प्रदान किए गए। रवि शरण गौतम ने बताया कि कार्यक्रम को सफल बनाने में हितकारिणी नर्सिंग कॉलेज की प्राचार्या डॉ. सपना दास, वाइस प्रिंसिपल प्रिंसी शाह, प्रोफेसर श्रीमती आराधना, तथा अन्य सहयोगी स्टाफ का विशेष योगदान रहा। कार्यक्रम में 200 से अधिक विद्यार्थी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का उद्देश्य एचआईवी/एड्स के प्रति जागरूकता बढ़ाना और सुरक्षित जीवन के लिए आवश्यक जानकारी प्रदान करना था।

श्रीमती ममता लोधी- गौरीघाट ललपुर रोड निवासी श्री झाम सिंह लोधी की धर्मपत्नी श्रीमती ममता लोधी (40) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती शालू देवी केशरवानी- कृपाल चौक गुप्तेश्वर निवासी श्री शिव कुमार केशरवानी की धर्मपत्नी श्रीमती शालू देवी केशरवानी (36) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

श्री रवींद्र अवस्थी- साउथ सिविल लाइन निवासी श्री रवींद्र अवस्थी (79) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री कृष्ण कुमार नेमा- मदनमहल कालीमठ आमनपुर निवासी श्री कृष्ण कुमार नेमा (48) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

श्री नत्थू प्रसाद तिवारी- शक्ति नगर गुप्तेश्वर निवासी श्री नत्थू प्रसाद तिवारी (70) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री बाबू भाई चौधरी- भानतलैया रोड राधाकृष्णन वार्ड निवासी श्री बाबू भाई चौधरी (62) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री मनीष कुमार रैकवार- टेलीग्राफ गेट नं. 4 राइट टाउन साईं मंदिर के पास निवासी श्री नन्हें लाल रैकवार के पुत्र श्री मनीष कुमार रैकवार (48) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती पुष्पा विश्वकर्मा- बढ़ई मोहल्ला फूटाताल निवासी श्री रज्जू लाल विश्वकर्मा की धर्मपत्नी श्रीमती पुष्पा विश्वकर्मा (65) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री अनिल रजक- इंद्रा नगर गली नं. 2 रामपुर निवासी श्री अनिल रजक (54) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री रंजीत कुमार नन्हेंट- सेठी नगर गुप्तेश्वर निवासी श्री मधु नन्हेंट के पुत्र श्री रंजीत कुमार नन्हेंट (41) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

श्री छेदी लाल पटेल- तरूण विहार फेस 3 बेदीनगर निवासी श्री छेदी लाल पटेल (83) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री दिनेश कुमार सेन- साईं कॉलोनी संजीवनी नगर गढ़ा निवासी श्री दिनेश कुमार सेन (54) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

श्रीमती विमला देवी सिंह- बीके एंपायर बिलहरी निवासी श्री हरि नारायण सिंह की धर्मपत्नी श्रीमती विमला देवी सिंह (76) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

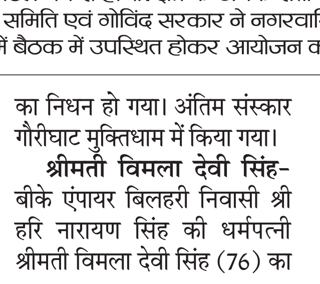

श्री रोशन कुरील- ललपुर शिवराज चौहान नगर गौरीघाट निवासी श्री रोशन कुरील (50) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

श्री कामता प्रसाद शर्मा- प्रगति नगर कॉलोनी करमेता निवासी श्री कामता प्रसाद शर्मा (68) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती पुष्पा शुक्ला- मदनमहल प्रेमनगर पोस्ट आफिस के पीछे निवासी श्री गोविंद प्रसाद शुक्ला की धर्मपत्नी श्रीमती पुष्पा शुक्ला (67) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

श्री जगन्नाथ प्रसाद भट्ट- इंद्रा नगर सुहागी निवासी श्री जगन्नाथ प्रसाद भट्ट (77) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री रज्जू पटेल- पुरानी बस्ती रेतनाका गौरीघाट रोड निवासी श्री रज्जू पटेल (54) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

श्रीमती रीता दुबे- मझौली रोड खिरिया बायपास के पास निवासी श्री नरेंद्र चरण दुबे की धर्मपत्नी श्रीमती रीता दुबे (72) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

हरिभूमि बिजी/शोक/उठावना, पगड़ी रस्म, पुण्यतिथि संबंधी संदेश प्रकाशित कराने के लिए
अब साइज 40/- प्रति स्क्वायर से.मी.
सिंगल साइज:- 1x1 से.मी. ब्लैक&व्हाईट 300/-
सिंगल साइज:- 1x1 से.मी. रंगीन 400/-
सिंगल साइज 8x3 से.मी. रंगीन 1100/-
सम्पर्क करें विज्ञापन विभाग:- 9303508294, 9407362160

बस स्टेंड में प्रारम्भ होगा क्रमिक अनशन

सिहोरा जिला के लिए आज से निर्णायक संघर्ष

सिहोरा। वर्षों से जिला बनाने की मांग को लगातार नज़र अंदाज़ किए जाने से सिहोरा में जनता का आक्रोश अब उबाल पर है। इसी रोष के चलते लक्ष्य जिला सिहोरा आंदोलन समिति ने आज 3 दिसंबर से क्रमिक भूख हड़ताल शुरू करने का फैसला किया है जिसे आंदोलन की निर्णायक जंग का पहला चरण माना जा रहा है। आंदोलनकारियों का कहना है कि सरकार और प्रशासन बार-बार आश्वासन तो देते हैं लेकिन सिहोरा को जिला बनाए जाने पर कोई ठोस निर्णय नहीं लेते। जनता में इस रवैये को लेकर गहरी नाराज़गी है। व्यापारियों से लेकर युवाओं और ग्रामीण क्षेत्रों तक हर वर्ग में यह भावना बढ़ी है कि अब संघर्ष को अंतिम मोड़ देना ही होगा।

नेताओं के आश्वासनों से बेहद नाराज़ हैं जनता

नेताओं के कोरे आश्वासनों से बेहद नाराज़ नागरिकों ने कहा कि अब शांत रहकर इंतज़ार करने का वक्त खत्म हो चुका है। अब नेताओं के कोरे आश्वासनों से नाराज़ जनता द्वारा क्रमिक भूख हड़ताल सरकार को चेतावनी देने का शांतिपूर्ण लेकिन कठोर तरीका अपनाया जा रहा है जिससे स्पष्ट संदेश है कि सिहोरा अब अपना हक लेकर रहेगा। आंदोलन समिति ने बताया कि 6 दिसंबर से आंदोलन का दूसरा चरण शुरू होगा जिसमें अन्न त्याग अन्न सत्याग्रह प्रारंभ होगा। इसमें प्रमुख सामाजिक कार्यकर्ता,व्यापारी वर्ग के लोग और विभिन्न सामाजिक वर्ग के प्रतिनिधि सत्याग्रह में शामिल होंगे। यह चरण आंदोलन को और व्यापक व सशक्त बनाएगा।

9 दिसंबर से आमरण अनशन के साथ सम्पूर्ण सिहोरा बंद का आयोजन

यदि इसके बाद भी सरकार कोई निर्णय नहीं लेती है तो 9 दिसंबर से आमरण अनशन सत्याग्रह शुरू किया जाएगा।इसके साथ ही सिहोरा खितौला के व्यापारियों ने जिला की मांग पर संपूर्ण बंद का ऐलान किया है। कई वरिष्ठ नागरिकों,महिलाओं और युवाओं ने आमरण सत्याग्रह के लिए अपनी सहमति दर्ज कर दी है। आंदोलन समिति के अनुसार यह चरण शासन-प्रशासन को झकझोरने वाला होगा। सभी सिहोरावासियों से धरना स्थल पुराना बस स्टेंड पहुंचने की अपील आंदोलन समिति ने ने की है।

सोसायटी में लगे प्रतिबंध को हटाने की मांग

सिहोरा। अखिल भारतीय ओबीसी महासभा, एससी एसटी संयुक्त मोर्चा के द्वारा अनुविभागीय अधिकारी पुष्पेन्द्र अहके को ज्ञापन सौंपा गया जिसमें कहा गया है कि फनवानी, मझगवां, सोसायटी के धान खरीदी केंद्र बंदर कोला ओपन कैम्प पर बनाया जाएं,नुंजी व सैलवारा सोसायटी में खरीदी केंद्र पर लगा प्रतिबंध हटाते हुए इन्हें भी चालू किया जाएं सिकमी नामा पट्टे वाली खेती के पंजीयन की भी स्लाट बुक करने के साथ,कृषि बिजली रेग्युलर 10 घंटे दिन में दी जाएं, खाद पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध कराने के साथ अनेक मांग शामिल थी। इस अवसर पर संगठन के प्रदेश अध्यक्ष एड इंद्रकुमार पटेल, जिलाध्यक्ष जितेन्द्र कुमार कुर्मी, विनोद पटेल, प्रमोद पटैल, संतकुमार पटैल, राजेश यादव, संदीप पटैल, मुकेश पटेल, अजीत पटेल, अवसर पटेल, लक्ष्मीनारायण पटेल, अनूप पटेल,अनिल पटेल, हरि पटेल, अकलेश पटेल, आशीष पटेल, आंनद पटेल आदि उपस्थित थे।

पमरे में क्षेत्रीय राजभाषा कार्यान्वियन समिति की 71वीं बैठक, 'राजभाषा सरिता' का विमोचन

जबलपुर। पश्चिम मध्य रेलवे, जबलपुर की क्षेत्रीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 71वीं बैठक आज महाप्रबंधक श्रीमती शोभना बंदोपाध्याय की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में राजभाषा हिंदी के प्रचार-प्रसार एवं विभागीय प्रगति की समीक्षा की गई। महाप्रबंधक ने कहा कि सरकारी कार्य में हिंदी के अधिकाधिक प्रयोग के लिए प्रेरणा, तकनीक से जुड़ाव और सामूहिक प्रयास आवश्यक हैं। बैठक के दौरान त्रैमासिक पत्रिका 'राजभाषा सरिता' के 55वें अंक का विमोचन किया गया। इस अवसर पर श्रीमती बंदोपाध्याय ने नियमित प्रकाशन के लिए राजभाषा विभाग की सराहना की। मुख्य राजभाषा अधिकारी एम.एस. हाशमी ने हिंदी दिवस कार्यक्रमों तथा प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की। बैठक में अपर महाप्रबंधक पी.के. खत्री सहित विभिन्न मंडलों और कारखानों के अधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ राजभाषा अधिकारी संतलाल मर्सकोले तथा धन्यवाद ज्ञापन उप मुख्य राजभाषा अधिकारी विवेक कुमार गुप्ता ने किया।

खबर संक्षेप

एफडीआई 18% बढ़कर 35.18 अरब डॉलर पर

नई दिल्ली। भारत में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) चालू वित्त वर्ष में अप्रैल-सितंबर के दौरान 18 प्रतिशत बढ़कर 35.18 अरब डॉलर रहा। सोमवार को जारी सरकारी आंकड़ों के अनुसार, मौजूदा वित्त वर्ष 2025-26 की पहली छमाही में अमेरिका से निवेश दोगुना से अधिक बढ़कर 6.62 अरब डॉलर हो गया। पिछले वित्त वर्ष की अप्रैल-सितंबर अवधि के दौरान विदेशों से निवेश 29.79 अरब अमेरिकी डॉलर रहा था। चालू वित्त वर्ष 2025-26 की जुलाई-सितंबर तिमाही के दौरान, निवेश प्रवाह सालाना आधार पर 21 प्रतिशत से अधिक बढ़कर 16.55 अरब डॉलर रहा।

हीरो मोटोकॉर्प की बिक्री नवंबर में 31 फीसदी बढ़ी

नई दिल्ली। हीरो मोटोकॉर्प ने कहा कि नवंबर में उसकी कुल बिक्री सालाना आधार पर 31 प्रतिशत बढ़कर 6,04,490 इकाई हो गई। दोपहिया वाहन बनाने वाली कंपनी ने पिछले साल इसी महीने 4,59,805 इकाइयों की बिक्री की थी। हीरो मोटोकॉर्प ने बयान में कहा कि पिछले महीने घरेलू बिक्री 5,70,520 इकाई रही, जबकि पिछले साल इसी समय में यह 4,39,777 इकाई थी। इस दौरान निर्यात बढ़कर 33,970 इकाई हो गया, जबकि पिछले साल नवंबर में यह 20,028 इकाई था।

रेपो दर में 0.25 प्रतिशत की कटौती संभवः रिपोर्ट

कोलकाता। मुद्रास्फीति में तेज गिरावट और मजबूत वृद्धि को देखते हुए आरबीआई अपनी आगामी दिसंबर मौद्रिक नीति समीक्षा के दौरान रेपो दर में 0.25 प्रतिशत कटौती करने की घोषणा कर सकता है। क्रेडिट रेटिंग एजेंसी केयरएज ने मंगलवार को एक रिपोर्ट में यह बात कही। इसके मुताबिक अक्टूबर में मुद्रास्फीति दस साल के निचले स्तर 0.3 प्रतिशत पर पहुंच गई है, जो आरबीआई के चार प्रतिशत के लक्ष्य से काफी नीचे है।

दो हजार रुपए के 74 करोड़ और नोट वापस आए

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक ने कहा कि नवंबर के दौरान उसके कार्यालयों में 2,000 रुपये के 74 करोड़ रुपये के नोट और वापस आए। केंद्रीय बैंक ने बताया कि इसके साथ ही, 29 नवंबर तक 2,000 रुपये मूल्य के 5,743 करोड़ रुपये के नोट चलन में रह गए हैं। इस साल 31 अक्टूबर को 5,817 करोड़ रुपये चलन में थे। आरबीआई ने 19 मई, 2023 को 2,000 रुपये मूल्य के बैंक नोट को चलन से हटाने की घोषणा की थी। उन्नीस मई, 2023 की स्थिति के अनुसार, उस समय चलन में 2,000 रुपये के बैंक नोट का कुल मूल्य 3.56 लाख करोड़ रुपये था।

एयू स्मॉल बैंक ने रश्मिका को बनाया ब्रांड एम्बैसडर

नई दिल्ली। एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक (एयू एसएफबी) ने फिल्म अभिनेता रणबीर कपूर और अभिनेत्री रश्मिका मंदाना को अपना ब्रांड एम्बैसडर बनाया है। बैंक ने कहा कि यह भागीदारी शहरी, महानगर और भारत के दूसरे बाजारों में मज़बूती से ध्यान में रखकर एक पसंदीदा राष्ट्रीय बैंकिंग ब्रांड बनाने की एयू एसएफबी की कोशिशों को मज़बूत करती है। उसने कहा कि यह सहयोग एयू एसएफबी के बचत खातों और चालू खातों में अपने मुख्य उत्पाद की ताकत के लिए ज़्यादा पसंद को बढ़ावा देने पर ध्यान देने में मदद करता है।

बैंक निफ्टी इंडेक्स में बड़ा फेरबदल, घोषणा होते ही यस व यूनियन बैंक शेयर चढ़े

दोनों बैंकों को बैंक निफ्टी इंडेक्स में 31 दिसंबर 2025 को शामिल किया जाएगा

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

यस बैंक और यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के शेयरों में 2 दिसंबर को 3 प्रतिशत तक की बढ़त देखी गई। इसका कारण है कि नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) ने 1 दिसंबर को घोषणा की कि इन दोनों बैंकों को बैंक निफ्टी इंडेक्स में 31 दिसंबर, 2025 से शामिल किया जाएगा। इस बदलाव के साथ, इस सेक्टोरल इंडेक्स में अब 12 के बजाय कुल 14 शेयर होंगे। 2 दिसंबर को एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक और एक्सिस बैंक जैसे वित्तीय भारी-भरकम शेयर 0.8 प्रतिशत से 1.3 प्रतिशत तक गिरावट के साथ ट्रेड कर रहे थे। इसके उलट, वहीं इंडियन बैंक का शेयर भी 2.5 प्रतिशत गिरकर 865.65 रुपए प्रति शेयर पर पहुंच गया, क्योंकि बाजार में इसे बैंक निफ्टी इंडेक्स में शामिल होने की उम्मीद जताई जा रही थी।

वेटेज पर लगी सीमा

एनएसई ने यह भी कहा कि इंडेक्स के टॉप 3 स्टॉक्स का भार (वेटेज) क्रमशः 19 प्रतिशत, 14 प्रतिशत और 10 प्रतिशत तक सीमित रखा जाएगा। पहले प्रस्ताव में शीर्ष घटक का भार 20 प्रतिशत या उससे कम और शीर्ष तीन का कुल भार 45 प्रतिशत या उससे कम रखने की बात कही गई थी।

फंडों के आवागमन पर असर

आईआईएफएल ऑल्ट डेस्क के अनुमान के मुताबिक, आईसीआईसीआई बैंक और एचडीएफसी बैंक से क्रमशः 351 मिलियन डॉलर और 331 मिलियन डॉलर की निकासी हो सकती है, जो उनके औसत दैनिक कारोबार (एडीवी) का 1.9 गुना और 1.5 गुना है। वहीं, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया और यस बैंक में क्रमशः 100 मिलियन डॉलर और 115 मिलियन डॉलर की आवक होने का अनुमान है, जो उनके एडीवी का लगभग 5 गुना और 4.9 गुना है। फेडरल बैंक और एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक भी ऐसे शेयर हैं जहां एडीवी से 2 गुना अधिक की आवक हो सकती है। इन बदलावों के कारण होने वाले फंड प्रवाह के समायोजन मार्च 2026 तक चार मासिक किस्तों में लागू किए जाएंगे।

दूसरे शोध फर्म के अनुमान

नुवामा ऑल्टरनेटिव एंड क्वांटिटेटिव रिसर्च के अनुमानों के मुताबिक, इस संशोधन के चलते यस बैंक में 140 मिलियन डॉलर और यूनियन बैंक ऑफ इंडिया में 109 मिलियन डॉलर की आवक हो सकती है। वहीं, एचडीएफसी बैंक और आईसीआईसीआई बैंक में उनके भार घटने के कारण क्रमशः 322 मिलियन डॉलर और 348 मिलियन डॉलर की निकासी हो सकती है।

वित्त मंत्री 18वीं 'ग्लोबल फोरम प्लेनरी' की बैठक में बोली

डिजिटलीकरण, कर सूचना की चुनौतियों से निपटने समन्वित कार्रवाई जरूरी : सीतारमण

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारत ने अर्थव्यवस्था के डिजिटलीकरण और क्रिप्टो एवं स्टेबलकॉइन जैसे नए वित्तीय उत्पादों के उद्भव से उत्पन्न नई चुनौतियों से निपटने की समन्वित कार्रवाई के लिए मंगलवार को वैश्विक सहयोग का आह्वान किया और देशों के बीच सूचनाओं का समय पर आदान-प्रदान सुनिश्चित करने पर बल दिया। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने यहां 18वीं 'ग्लोबल फोरम प्लेनरी' बैठक का उद्घाटन करते हुए कहा कि विभिन्न क्षेत्रों के बीच कर सूचनाओं का आदान-प्रदान सुनिश्चित करने के लिए कृत्रिम मेधा (एआई) जैसे प्रौद्योगिकी उपकरणों का उपयोग किया जाना चाहिए जिससे मापनीय परिणाम हासिल होंगे।

- क्रिप्टो एवं स्टेबलकॉइन जैसे नए वित्तीय उत्पादों से मिल रही नई चुनौतियां

साइबर सुरक्षा पर ध्यान देने की जरूरत

सीतारमण ने कहा, "भविष्य में नई चुनौतियां सामने खड़ी हैं जिन पर मिलकर ध्यान देने की जरूरत है। अर्थव्यवस्था के डिजिटलीकरण, नए वित्तीय उत्पादों के उद्भव एवं लाभकारी स्वामित्व की उभरती संरचनाओं के लिए विभिन्न न्याय-क्षेत्रों के बीच निरंतर सहयोग की जरूरत है। गोपनीयता एवं साइबर सुरक्षा पर भी काफी ध्यान देने की जरूरत है।"

देश चुनौतियों का अकेले समाधान नहीं कर सकता

वित्त मंत्री ने कहा कि कोई भी देश इन चुनौतियों का अकेले समाधान नहीं कर सकता। उन्होंने कहा, " इन चुनौतियों के लिए समन्वय, विश्वास और प्रासंगिक सूचनाओं का समय पर आदान-प्रदान आवश्यक है।" इस मौके पर राजस्व सचिव अरविंद श्रीवास्तव ने कहा कि देशों को मजबूत डेटा गोपनीयता प्रणाली सुनिश्चित करने की दिशा में काम करने की जरूरत है।

कई चुनौतियों को अनुकूल बनाना होगा

इसके अलावा अंतरराष्ट्रीय मानकों के तहत साझा की गई जानकारी का प्रभावी ढंग से उपयोग भी सुनिश्चित करना होगा। उन्होंने कहा कि वैश्विक स्तर पर विभिन्न क्षेत्रों को डिजिटल अर्थव्यवस्था कराधान और 'क्रिप्टो संपत्ति सूचना ढांचा' सहित नई चुनौतियों के अनुकूल बनाना होगा। इसके लिए प्रौद्योगिकी नवाचार एवं समन्वित कार्रवाई दोनों की जरूरत होगी।

ग्लोबल फोरम एक बहुपक्षीय ढांचा

श्रीवास्तव ने कहा कि पिछले कुछ वर्ष में वैश्विक मंच ने वैश्विक कर परिदृश्य में बैंकिंग गोपनीयता एवं सीमित सहयोग से लेकर पारदर्शिता तथा सूचना आदान-प्रदान तक बदलाव लाने में मदद की है। कर उद्देश्यों के लिए पारदर्शिता एवं सूचना के आदान-प्रदान पर ग्लोबल फोरम एक बहुपक्षीय ढांचा है जिसमें 170 न्याय-क्षेत्र शामिल हैं।

पारदर्शिता निष्पक्ष होने पर ही प्रभावी

यह पारदर्शिता और सूचना के आदान-प्रदान पर अंतरराष्ट्रीय मानकों के कार्यान्वयन की निगरानी एवं समीक्षा करता है। उन्होंने कहा कि पारदर्शिता तभी प्रभावी एवं निष्पक्ष हो सकती है जब वह स्पष्ट नियमों, पारस्परिक सम्मान और साझा उद्देश्यों द्वारा निर्देशित हो।

ओला ने पूरे देश में बिना एसी वाली यात्रा सेवा शुरू की

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

टैक्सी सेवा प्रदाता कंपनी ओला कंज्यूमर ने पूरे देश में बिना एसी की यात्रा सेवाएं शुरू करने की मंगलवार को घोषणा की। बयान के अनुसार, इसके साथ ही कंपनी देश में बड़े पैमाने पर यह विकल्प उपलब्ध कराने वाली एकमात्र कंपनी बन गयी है। इस सेवा से ग्राहकों को अधिकतम विकल्प प्रदान करने की कंपनी की प्रतिबद्धता मजबूत हुई है। कंपनी के एक प्रवक्ता ने कहा, " बिना एसी वाली यात्रा सेवाओं के साथ, हम भारत में शहरी परिवहन को किफायती एवं सुलभ बनाने की सीमाओं को आगे बढ़ा रहे हैं। लाखों लोग रोजाना, मूल्य-आधारित परिवहन पर निर्भर हैं और यह पेशकश पूरी तरह से उनकी जरूरतों को ध्यान में रखकर तैयार की गई है।" प्रवक्ता ने कहा कि शुरुआती प्रतिक्रिया अविश्वसनीय रही है और यह दर्शाती है कि भारत कितनी शिद्दत से अधिक पारदर्शी, मजबूत और उचित मूल्य वाले परिवहन चाहता है।

सोना 1,670 रुपए टूटा चांदी 4,360 रुपए तेज

सोना टूटकर 1,31,530 रुपए प्रति दस ग्राम

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

अंतरराष्ट्रीय बाजार में कमजोर कारोबार के बीच मंगलवार को राष्ट्रीय राजधानी के सराफा बाजार में सोने की कीमत 1,670 रुपये टूटकर 1,31,530 रुपये प्रति 10 ग्राम रही। अखिल भारतीय सराफा संघ ने यह जानकारी दी। पिछले कारोबारी सत्र में 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत 1,33,200 रुपये प्रति 10 ग्राम रही थी। हालांकि, चांदी में लगातार छठे दिन तेजी बनी रही और यह 4,360 रुपये बढ़कर 1,81,360 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी टैक्स मिलाकर) हो गई। एचडीएफसी सिक्योरिटीज में वरिष्ठ विश्लेषक (कमोडिटीज), सौमिल गांधी ने कहा, "पिछले सत्र में कीमतें कई सप्ताह के उच्च स्तर पर पहुंचने के बाद कारोबारियों की मुनाफावसूली से मंगलवार को सोने में गिरावट आई। इसके साथ इस सप्ताह के आखिर में आने वाले अमेरिकी वृहद आर्थिक आंकड़ों के आने से पहले व्यापारियों के सतर्क रुख ने भी गिरावट में योगदान दिया।" सराफा संघ के अनुसार, हालांकि, चांदी में लगातार छठे सत्र में तेजी रही और यह 4,360 रुपये बढ़कर 1,81,360 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी टैक्स मिलाकर) हो गई। सोमवार को यह 1,77,000 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी। मिराए एसेट शेयरखान के प्रमुख (जिंस) प्रवीण सिंह ने कहा कि घरेलू सराफा की कीमतों को कमजोर भारतीय रुपये से समर्थन मिल रहा है।

- चांदी बढ़कर 1,81,360 रुपए प्रति किलोग्राम

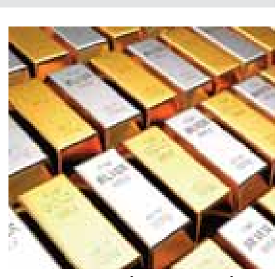

डॉलर के मुकाबले रुपया रिकॉर्ड निचले स्तर पर

रुपया व्यापार समझौते की अनिश्चितता के कारण डॉलर के मुकाबले 89.95 के रिकॉर्ड निचले स्तर पर आ गया है। वैश्विक स्तर पर, हाजिर सोना 45.17 डॉलर यानी 1.07 प्रतिशत टूटकर 4,187 डॉलर प्रति औंस रहा, जबकि चांदी 1.77 प्रतिशत घटकर 56.97 डॉलर प्रति औंस पर रही।

भारत का चीनी उत्पादन 43 प्रतिशत बढ़ा

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारतीय चीनी एवं जैव-ऊर्जा विनिर्माता संघ (इस्मा) ने मंगलवार को कहा कि विपणन वर्ष 2025-26 के पहले दो महीनों में भारत का चीनी उत्पादन 43 प्रतिशत बढ़कर 41.1 लाख टन हो गया, जिसकी वजह महाराष्ट्र से अच्छा उत्पादन होना है। एक साल पहले इसी समय में उत्पादन 28.8 लाख टन था। विपणन वर्ष अक्टूबर से सितंबर तक चलता है। इस्मा ने एक बयान में कहा, "खेत स्तर की जानकारियों से पता चलता है कि पिछले साल की तुलना में प्रमुख राज्यों में गन्ने की पैदावार बेहतर हुई है और चीनी की प्राप्ति का दर बेहतर हुई है, क्योंकि देश भर में गन्ने की पेराई में तेजी आई है।" इस साल चालू फैक्ट्रियों की संख्या पिछले साल की इसी अवधि के 376 से बढ़कर 428 हो गई। देश के सबसे बड़े चीनी उत्पादक राज्य उत्तर प्रदेश में नवंबर तक उत्पादन 14 लाख टन तक पहुंच गया, जो एक साल पहले 12.8 लाख टन था।

अदाणी एंटरप्राइजेज ने ट्रेड कॉसल का किया अधिग्रहण

नई दिल्ली। अदाणी समूह की प्रमुख कंपनी अदाणी एंटरप्राइजेज लिमिटेड ने मंगलवार को कहा कि उसकी संयुक्त उद्यम इकाई ने ट्रेड कॉसल टेक पार्क प्राइवेट लिमिटेड (टीसीटीपीपीएल) की 100 प्रतिशत हिस्सेदारी का 231.43 करोड़ रुपये में अधिग्रहण कर लिया है। अदाणी एंटरप्राइजेज और अमेरिकी डेटा सेंटर ऑपरेटर एजकनेक्स के संयुक्त उद्यम अदाणीकनेक्स (एसीएक्स) ने 21 नवंबर, 2025 को टीसीटीपीपीएल और उसके मौजूदा शेयरधारकों श्री नमन डेवलपर्स और जयेश शाह के साथ शेयर खरीद समझौता किया था। कंपनी ने शेयर बाजार को इस अधिग्रहण की सूचना देते हुए कहा कि यह हिस्सेदारी अधिग्रहण पूरा होने के बाद टीसीटीपीपीएल अब कंपनी के अनुषंगी की अनुषंगी संयुक्त उद्यम इकाई बन गई है।

रेलवे की माल ढुलाई नवंबर में 4.2 प्रतिशत बढ़ी

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारतीय रेलवे ने नवंबर 2025 में 13.57 करोड़ टन माल ढुलाई दर्ज की, जो पिछले साल इसी महीने के 13.02 करोड़ टन से 4.2 प्रतिशत अधिक है। रेल मंत्रालय ने मंगलवार को यह जानकारी दी। एक आधिकारिक बयान के मुताबिक, "यह बढ़ोतरी मुख्य रूप से पिग आयरन और तैयार स्टील (16 प्रतिशत), लौह अयस्क (9.7 प्रतिशत), उर्वरक (10.6 प्रतिशत), कंटेनर (6.8 प्रतिशत) और अन्य सामान (23.6 प्रतिशत) सहित मुख्य जिंस खंड में हुई अच्छी बढ़त की वजह से हुई है।" मंत्रालय ने कहा कि चालू वित्त वर्ष में नवंबर तक कुल माल ढुलाई 3.3 प्रतिशत बढ़कर 107.08 करोड़ टन हो गई है। बयान में कहा गया कि यह उपलब्धि इसलिए खास है क्योंकि भारतीय रेलवे ने 2025-26 के पहले आठ महीनों में 2013-14 के पूरे साल से ज्यादा माल ढोया है।

- माल ढुलाई नवंबर में 13.57 करोड़

लागत सड़क परिवहन से आधी

इसमें कहा गया, "माल ढुलाई में वृद्धि औद्योगिकी आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत कर रही है, घरेलू और अंतरराष्ट्रीय व्यापार का समर्थन कर रही है और एक ज्यादा टिकाऊ, किफायती लॉजिस्टिक व्यवस्था दे रही है।"

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे

रुचि की अभिव्यक्ति (ईओआई) आमंत्रण सूचना

अधिसूचना क्र.: NGP/COM/Catering/PBCO/Main, Nagpur दि.: 28.11.2025.

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, नागपुर मंडल द्वारा विभिन्न स्टेशनों पर प्रीमियम सिंगल ब्रांड फूड आउटलेट स्थापित करने के लिए इच्छुक पार्टियों / कंपनियों / फर्मों (कंपनी के स्वामित्व वाली / संचालित / फ्रैंचाइज़ी) से **"रुचि की अभिव्यक्ति (EOI)"** आमंत्रित की जाती है। इसका उद्देश्य यात्रा करने वाले यात्रियों को जैसे हवाई अड्डों पर यात्रियों को विश्व स्तरीय उपलब्ध समतुल्य सुविधाएं प्रदान करना है।

रुचि की अभिव्यक्ति का मकसद रेलवे बोर्ड / रेल मंत्रालय के दिनांक 13.11.2025 के कमर्शियल सर्कुलर नंबर 22 के मुताबिक ज़रूरतों के विश्लेषण के लिए इच्छुक पात्रों से इनपुट और सुझाव इकट्ठा करना है।

इच्छुक पार्टियों से वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, किंग्सवे, नागपुर-440001 द्वारा उनके प्रस्ताव दिनांक **10.12.2025** तक जमा करने हेतु आमंत्रित है।

रुचि की अभिव्यक्ति में आवेदक का नाम, पता, मोबाइल नंबर, प्रोफ़ाइल और टेक्निकल अनुभव लिखा होना चाहिए। रुचि की अभिव्यक्ति प्रस्ताव में टेबल के रूप में अलग-अलग जानकारी साफ तौर पर बताई जानी चाहिए जैसे - ऑफर किए गए स्टेशनों के नाम, कम से कम ज़रूरी क्षेत्रफल की जानकारी, दी जाने वाली सेवाएं, ऑपरेशनल प्लान, कितने वर्षों तक सेवा देने हेतु इच्छुक है और दूसरी जानकारी, अगर कोई हो।

अधिक जानकारी और स्पष्टीकरण के लिए, इच्छुक पार्टियां वाणिज्य ब्रांच, नागपुर मंडल, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे से संपर्क कर सकते हैं।

नोट - आवंटन निर्धारित प्रक्रिया के पूरा होने के बाद ही किया जाएगा।

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, नागपुर

AIM/45-210 swacch bharat - keepindiaclean

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे

नागपुर मंडल में विभिन्न अभियांत्रिकी कार्यों के लिए ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति के लिए एवं उन की ओर से वरिष्ठ मंडल अभियंता (समन्वय), दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, नागपुर द्वारा निम्नलिखित कार्यों के निष्पादन हेतु ई-निविदा आमंत्रित की जाती है:

1.निविदा क्र.: एन-48-एनजीपी-2025-2026 ADEN/छिंदवाड़ा के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत (1) RUB 278, 275, 272, 261 और 246 का कवर शेड, सम्प, नाली व निर्माण, इपॉक्सी ग्राउटिंग, सीमेंट ग्राउटिंग आदि उपलब्ध करने के साथ सुधार कार्य। (2) RUB 100, 99, 96, 94, 92, 89, 86 व 82 का कवर शेड, सम्प, नाली का निर्माण, इपॉक्सी व सीमेंट ग्राउटिंग आदि उपलब्ध करने के साथ सुधार कार्य। **अनुमानित निविदा मूल्य:** ₹ 3,64,81,100/- **बयाना राशि:** ₹ 3,32,400/-

2.निविदा क्र.: एन-49-एनजीपी-2025-2026 **कार्य का नाम:** (1) ADEN/छिंदवाड़ा के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत RUB 95, 85, 68, 61 और 53 का कवर शेड, सम्प, नाली का निर्माण, इपॉक्सी ग्राउटिंग, सीमेंट ग्राउटिंग आदि उपलब्ध करने के साथ सुधार कार्य। (2) ADEN/छिंदवाड़ा के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत RUB 141,133,128,124,120 और 117 का कवर शेड, सम्प, नाली का निर्माण, इपॉक्सी ग्राउटिंग, सीमेंट ग्राउटिंग आदि उपलब्ध करने के साथ सुधार कार्य। **अनुमानित निविदा मूल्य:** ₹ 3,65,22,460/- **बयाना राशि:** ₹ 3,32,600/-

3.निविदा क्र: एन-50-एनजीपी-2025-2026 **कार्य का नाम:** ADEN/नैनपुर के अधिकार क्षेत्र अंतर्गत RUB क्रमांक BK-38 के NH अप्रोच मार्ग पर का निर्माण। **अनुमानित निविदा मूल्य:** ₹ 1,87,18,652/- **बयाना राशि:** ₹ 2,43,600/-

4.निविदा क्र.: एन-51-एनजीपी-2025-2026 **कार्य का नाम:** (1) ADEN/छिंदवाड़ा के क्षेत्राधिकार में थ्रू फॉर्मेशन ट्रीटमेंट रिन्यूअल। (2) ADEN/छिंदवाड़ा के क्षेत्राधिकार में TFTR-4.2 किमी सेक्शन SONR-KELOD। (3) ADEN/नैनपुर के क्षेत्राधिकार में किमी 1044/15 से 1080/20 पर BTC-KGE स्थान के बीच उपकर की मरम्मत। (4) ADEN/नैनपुर के क्षेत्राधिकार में किमी 1174/15 से 1216/15 पर SKY-GRG स्थान के बीच उपकर की मरम्मत। (5) ADEN/छिंदवाड़ा के क्षेत्राधिकार में ट्रॉली रिफ्यूज का प्रावधान और उपकर मरम्मत कार्यों में सुधार। **अनुमानित निविदा मूल्य:** ₹ 13,30,36,208/- **बयाना राशि:** ₹ 8,15,200/-

बोलीदाता अपनी मूल / संशोधित बोलियाँ दिनांक **19.12.2025** के **15:00** बजे तक ही प्रस्तुत कर सकेंगे। इन निविदाओं के अंतर्गत मैन्युअल ऑफर्स की अनुमति नहीं है व प्राप्त मैन्युअल ऑफर्स अस्वीकार कर दिए जाएंगे। अन्य विवरण वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है।

मंडल अभियंता (उत्तर), दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, नागपुर

MS/43-197 स्वच्छ भारत अभियान एक कदम स्वच्छता की ओर

कार्यालय कार्यपालन यंत्री
जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर
ई-निविदा सूचना

सूचना क्रमांक: का.यं./निविदा/2025/1588 तृतीय आमंत्रण दिनांक :- 02/12/2025

जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर द्वारा नवीन पंजीयन के अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारो से विभिन्न कार्यो हेतु सिविल एवं विद्युत नवीन एस.ओ. आर. 01.01.2024 से जारी व सभी संशोधन सहित दर सूची पर लोक निर्माण विभाग/एम.ई.एस./सी.पी.डब्लू.डी. में पंजीकृत निविदाकारो से निविदायें ई-टेंडरिंग के माध्यम से आमंत्रित की जाती है। रजिस्टर्ड पोस्ट/ स्पीड पोस्ट द्वारा भेजी गई निविदायें ही मान्य की जावेगी । निविदा प्रपत्र व निविदा की विस्तृत शर्ते वेबसाइट www.mptenders.gov.in पर देखी जा सकती है। ई-निविदा प्रकाशन उपरांत निविदा में कोई संशोधन व परिवर्तन किया जाता है तो वह मात्र उपरोक्त उल्लेखित ई-टेंडर पोर्टल पर ही उपलब्ध रहेगा ।

स. क.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत	धरोहर राशि	निविदा प्रपत्र की कीमत	समयावधि
1.	Construction of Seed Store at Krishi Vigyan Kendra, Sagar i/c Electrification work (3rd Call)	रू. 3.39 लाख	रू. 6,800/-	2,000.00	4 माह

नोट :- 1. निविदा प्रपत्र क्रय करने की तिथि : दिनांक 03.12.2025 10:30 से दिनांक 15.12.2025 18:00 बजे तक, 2. बीड भरने की अंतिम तिथि : 15.12.2025 18:00 बजे, 3. निविदा की धरोहर राशि एवं अन्य दस्तावेज (हार्ड कॉपी) कार्यालय में जमा करने की अंतिम तिथि 19.12.2025 17:00 बजे तक, 4. निविदा की धरोहर राशि एवं अन्य दस्तावेज खोलने की तिथि : दिनांक 22.12.2025 5. प्राईज बीड खोलने की तिथि : दिनांक 23.12.2025। उपरोक्त निविदा प्रपत्र को बेवसाईट पर केवल ऑनलाईन क्रय किया जा सकता है।

नियम एवं शर्तेः- निविदा को स्वीकृत अथवा निरस्त करने का पूर्ण अधिकार विश्वविद्यालय के पास सुरक्षित है।

कार्यपालन यंत्री
ज.ने.कृ.वि.वि.,जबलपुर

IPRO/EE/2025/88

हिन्दुजा हाउसिंग फायनेंस लिमिटेड
HINDUJA HOUSING FINANCE
कार्पोरेट कार्यालय: 167-169, द्वितीय तल, लिटिल माउंट मेट्रो स्टेशन, साईपेठ, चेन्नई- 600015
रीजनल ब्रांच ऑफिस: 101-बी, प्रथम तल एनआर के बिजिनेस पार्क विजय नगर, इंदौर (म.प्र.) 452010 Email - auction@hindujahousingfinance.com

परिशिष्ट IV कब्जा नोटिस (अचल संपत्ति हेतु)

जहां तक अधोहस्ताक्षरी के अधिकृत अधिकारी होने के नाते हिन्दुआ हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड (HHFL) के प्राधिकृत अधिकारी और वित्तीय परिसंपत्तियो के पुर्ननिर्माण और सुरक्षा इंट्रेस्ट एक्ट 2002 के प्रवर्तन के तहत और सेक्शन 13(12) के तहत (प्रदत्त) शक्तियों के प्रयोग में सुरक्षा इंटेस्ट (प्रवर्तन) नियम 2002 के नियम 3 के साथ पढ़ा जाता है। उधारकर्ताओं को कंपनी के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा जारी किए गए नोटिस उक्त नोटिस की प्राप्ति की तारीख से 60 दिनों के भीतर नोटिस में उल्लेखित राशि को चुकाने के लिए नीचे दिए गए निर्देशों का उल्लेख किया गया है उधारकर्ता राषि को चुकाने में विफल रहा है, इस बात की जानकारी उधारकर्ताओं, गारंटरो और आम जनता को दी गई है कि अधोहस्ताक्षरी ने संपत्ति के अधिकार में नीचे वर्णित संपत्ति का अधिग्रहण कर लिया है, जो उस पर प्रदान की गई शक्तियों के खंड (4) के अधीन है। उक्त अधिनियम के 13 सुरक्षा इंट्रेस्ट प्रवर्तन नियम 2002 के सह नियम (8) के साथ पढ़े जाते हैं। आम तौर पर जनता को इस बात के सावधान किया जाता है कि उधारकर्ता संपत्ति का सौदा न करें और संपत्ति के साथ किसी भी सौदे के लिए एचएफएल के बदलाव का विषय होगा। राशि के अनुसार ब्याज के साथ यहां उल्लेख किया है।

नाम और पता उधारकर्ता गारंटर / सहउधारकर्ता	डिमांड नोटिस तिथि देय राशि	सुरक्षित संपत्ति का विवरण	कब्जा तारीख एवं प्रकार
MP/JBR/JBLP/A000000684 श्री बार्नो बास ऑगस्टिन श्रीमती अर्चना ऑगस्टिन	08-09-2025 Rs. 23,74,266/-	संपत्ति मौजा गाउर्द नं. 600, पी.एच. क्रमांक 24/81 आर.एन.एम महाराजपुर ए.पी.जे अब्दुल कलाम वार्ड क्रमांक 74 तहसील अधारताल जिला जबलपुर खसरा क्रमांक 176/1 कुल क्षेत्रफल- 1018.5 वर्ग फीट सीमांकित - पूर्व: उपाध्याय जी की संपत्ति, पश्चिम: साइड रोड, उत्तर: चौधरी जी की संपत्ति, दक्षिण: डॉ. राय की संपत्ति	30/11/2025 Symbolic
MP/JBR/JBLP/A000000572 श्री दीपक श्रीवास्तव श्रीमती वर्षा श्रीवास्तव	08-09-2025 Rs. 14,33,232/-	संपत्ति मौजा भमोरी सिंगौर पी.एच.नं. 50/10, आर.एन.एम.जबेरा, तह. जबेरा जिला. दमोह म.प्र. खसरा रकबा .053ह भू अधिकार पुस्तिका सीएलआर नंबर 1106942421 2, ग्राम बम्होरी सिंगोरगढ़, जबेरा दमोह, सेमीअर्बन, दमोह, मध्य प्रदेश, भारत - 470881 कुल क्षेत्रफल - 5704 वर्ग फुट परिसीमा - पूर्व: हुकुमचंद्र और मिथुन झरिया का मकान, पश्चिम: अंजनी का मकान, उत्तर: दीपक श्रीवास्तव की ज़मीन में मुखिया मार्ग के लिए 30 मीटर रोड, दक्षिण: सरकारी भूमि कृषि भूमि उपज मंडी	29/11/2025 Symbolic
MP/JBR/BRMN/A000000020 श्री लक्ष्मी नारायण काछी श्रीमती कुशिल्या बाई कुशवाह	08-09-2025 Rs. 26,54,212/-	संपत्ति का पूरा टुकड़ा मौजा सगौनी एनबी नंबर 422 पी.एच. नंबर 3/2 कहसरा नंबर 191/3,192/3 का हिस्सा, तह- तेंदूखेड़ा जिला- नरसिंहपुर, कुल क्षेत्रफल- 2180 वर्ग फीट पर स्थित है, जिसकी सीमा इस प्रकार है - पूर्व: विक्रेता की भूमि, पश्चिम: मनोज कुमार की भूमि, उत्तर: विक्रेता की भूमि, दक्षिण: तुलसी राम की भूमि	28/11/2025 Symbolic
MP/JBR/JBLP/A000000574 श्री मनोहर सिंगरौरे श्रीमती आशा लोधी	08-09-2025 Rs. 9,81,623/-	संपत्ति मौजा आराजी खसरा संख्या 224, ग्राम टिकरिया पी.एच. 42, आरएनएम नारायणगंज, तहसील नारायणगंज, सेमीअर्बन, मंडला, मध्य प्रदेश, भारत - 481662 पर स्थित है। कुल क्षेत्रफल- 0.0700 हेक्टेयर। सीमा इस प्रकार है - पूर्व: सी.सी. रोड, पश्चिम: पी.डब्ल्यू.डी. रोड, उत्तर: विक्रेता की शेष भूमि, दक्षिण: सी.सी. रोड।	02/12/2025 Symbolic
MP/JBR/BRMN/A000000022 श्री मनोज कुमार नाई, श्रीमती राम किशोर श्रीमती हरी बाई सराठे	08-09-2025 Rs. 6,44,811/-	सभी टुकड़े और पार्सल प्लॉट मौजा ब्लॉक साईंखेड़ा गाडरवार नरसिंहपुर 248, नरसिंहपुर गाडरवारा, हनुमान मंदिर के पास, शहरी, नरसिंहपुर, मध्य प्रदेश, भारत - 487221 कुल क्षेत्रफल- 1086.8 वर्ग फुट, सीमा - पूर्व: सड़क, पश्चिम: रघुवीर राजपूत का घर, उत्तर: राजेश सराठे का घर, दक्षिण: सड़क	29/11/2025 Symbolic
MP/JBR/NRSP/A000000186 श्री मुकेश खरारे श्रीमती मीना खरारे	08-09-2025 Rs.16,39,824 /-	संपत्ति मौजा डेढ़वारा एस.नं. 233 पी.एच. नं. 42 तहसील एवं जिला नरसिंहपुर के अंतर्गत स्थित है, खसरा नं. 67/25 कुल क्षेत्रफल- 1000 वर्ग फीट सीमांकित - पूर्व: रघुवीर चौधरी का मकान, पश्चिम: लक्ष्मीबाई चौधरी का प्लॉट, उत्तर: शैलेंद्र जी की जमीन, दक्षिण: सड़क	28/11/2025 Symbolic
MP/JBR/CDWR/A000000381 श्री प्रीतम सिंह चौधरी श्रीमती विनीता चौधरी	08-09-2025 Rs. 21,69,795/-	संपत्ति का पूरा टुकड़ा और पार्सल मौजा राजलवाड़ी बी.नं. 247 आर.आई. सर्कल - चौरई तह चौरई और जिला- छिंदवाड़ा पी.एच. नंबर 47/54 खसरा नंबर 95/13/2, कुल क्षेत्रफल- 10010 वर्ग फीट पर स्थित है, जिसकी सीमा इस प्रकार है - पूर्व: राम भरोसे की भूमि, पश्चिम: बिसेन की भूमि, उत्तर: केरिया रोड, दक्षिण: रोड	01/12/2025 Symbolic
MP/JBR/SEON/A000000170 श्री राकेश कुमार चंद्रवंशी श्रीमती शिवकुमारी चन्द्रवंशी	08-09-2025 Rs. 44,15,250/-	संपत्ति का वह पूरा टुकड़ा मौजा प्रतापगढ़ पी.एच.एन. नंबर 45/25 एन.बी आरआईसी छपारा जिला सिवनी (म.प्र.) खसरा नंबर 321/1 माप क्षेत्र: कुल क्षेत्रफल- 8608 वर्ग फीट सीमाएं - पूर्व - हीरालाल का मकान, पश्चिम - धनसिंह का मकान, उत्तर - सड़क, दक्षिण - अजीज की जमीन	01/12/2025 Symbolic
MP/JBR/NRSP/A000000278 श्री संध्या पाठक श्रीमती देवकी नंदन पाठक	08-09-2025 Rs.18,74,848/-	संपत्ति मौजा इमलिया में स्थित है, कवर्ड विकसित कॉलोनी पी.एच. क्रमांक 13/35, एन.बी. क्रमांक 17 राजस्व सर्कल करेली खसरा क्रमांक 166/2 भूमि मालिक हिस्सा 9/323 तह- करेली जिला - नरसिंहपुर कुल क्षेत्रफल- 1000 वर्ग फीट सीमा - पूर्व: मालिक की भूमि, पश्चिम: वीरेंद्र कु मरेले का प्लॉट, उत्तर: मालिक की भूमि, दक्षिण: सड़क	02/12/2025 Symbolic
MP/JBR/BRMN/A000000017 श्री शीतल प्रसाद मेहरा श्रीमती मुन्नी बाई	08-09-2025 Rs. 4,86,595/-	सभी टुकड़े और पार्सल प्लॉट मौजा खमतरा एन.बी. नंबर 89 पी.एच. नंबर 45 प्लॉट ऑफ केएच. नंबर 52/1ka/3 तह. जिला- नरसिंहपुर (म.प्र.) कुल क्षेत्रफल- 500 वर्ग फीट सीमांकित - पूर्व: सबकलाल रजक का मकान, पश्चिम: विक्रेता की जमीन, उत्तर: भगवती बाई पटेल का प्लॉट, दक्षिण: रोड	01/12/2025 Symbolic
MP/JBR/JBLP/A000000367 श्री तुलसीदास शिवहरे श्रीमती शिल्पा शिवहरे	08-09-2025 Rs. 31,60,387/-	संपत्ति मौजा रिमझा एन.बी. 397 पी.एच.नं. 79 आर.एन.एम महाराजपुर पुराना और नया मदोताल तहसील अधारताल जिला जबलपुर म.प्र. व्यपवर्तित भूमि खसरा संख्या 61/2 कुल क्षेत्रफल- 1723.41 वर्ग फीट सीमांकित - पूर्व: खसरा संख्या 60 की भूमि, पश्चिम: साइड रोड, उत्तर: खसरा संख्या 52 की भूमि, दक्षिण: धर्मेंद्र पटेल का प्लॉट, प्लॉट संख्या 14 का हिस्सा	28/11/2025 Symbolic
MP/JBR/NRSP/A000000297 श्री उमा खरे श्रीमती सुधीर खरे	08-09-2025 Rs. 23,13,363/-	संपत्ति मौजा में स्थित है:- मौजा नरसिंहपुर एनबी 278 पी.एच.नं. 18/40 ब्लॉक तह. और जिला नरसिंहपुर किसानी वार्ड नंबर 07 खसरा नंबर 196/2 196/3 रकवा 2000, नरसिंहपुर एमपी, शहरी, जबलपुर, मध्य प्रदेश, भारत - 482003 कुल क्षेत्रफल- 2000 वर्ग फीट सीमा - पूर्व: सड़क, पश्चिम: प्रकाश बैरागी की भूमि, उत्तर: विक्रेता की भूमि, दक्षिण: राजेश चौधरी का प्लॉट	02/12/2025 Symbolic

वैधानिक नोटिस उधारकर्ताओं / जमानतदार

उधारकर्ताओं / जमानतदारों को स्टेटमेंट नोटिस द्वारा सावधानी पूर्वक कहा जाता है कि संपत्ति को किसी भी समय सार्वजनिक नीलामी / निविदाओं के माध्यम से बेंचा जा सकता है और इस तरह इसे सुरक्षा (बयाज) प्रवर्तन नियम 2002 नियम 6, 8 और 9 के तहत एक नोटिस के रूप में भी माना जा सकता है। प्राधिकारी अधिकारी मोबाईल नं.- Vaibhav Shrivastav - 7987969803, Rajesh Chakotiya - 84355 71111, Gourav Naik - 75877 48188

दिनांक - 03/12/2025 प्राधिकृत अधिकारी, हिन्दूजा हाऊसिंग, फायनेंस लिमिटेड

चिंतन

अब सत्ता से सेवा की ओर सरकार

केंद्र सरकार ने पिछले एक दशक में कई बदलाव कर बड़े संदेश दिए हैं। इस बार राज्यों की राजधानियों में राज भवनों के नाम बदले जा रहे हैं। अब इन्हें राज भवन के स्थान पर 'लोक भवन' के नाम से जाना जाएगा। उत्तराखंड, पश्चिम बंगाल, त्रिपुरा, केरल, तमिलनाडु समेत कई राज्यों ने यह बदलाव कर दिया है। कई राज्यपालों ने तो खुद ही सोशल मीडिया पर इसकी जानकारी दी है। वहीं, केंद्र सरकार ने प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) का नाम बदलकर 'सेवा तीर्थ' कर दिया है। इसके अलावा, केंद्रीय सचिवालय को 'कर्तव्य भवन' के नाम से जाना जाएगा। इन नाम बदलने के पीछे सरकार की एक बड़ी सोच छिपी है। ऐसे बदलाव साफ संदेश देते हैं कि सत्ता पद केवल लाभ उठाने के लिए नहीं, बल्कि एक बड़ी जिम्मेदारी है। ये नाम बदलाव बस दिखावे के लिए नहीं, बल्कि संदेश देते हैं कि सरकार की सोच में बड़ा बदलाव आया है। यह दर्शाता है कि सरकार जनता की सेवा करने वाली है, न कि सिर्फ सत्ता चलाने वाली। अब यह बदलाव केवल पीएमओ, राज भवनों का नाम बदलने तक ही सीमित नहीं है, बल्कि इसका प्रदर्शन पहले भी कई अवसरों पर दिखाई दे चुका है। इससे पहले राजपथ का नाम बदलकर 'कर्तव्य पथ' किया गया था। पीएम का आधिकारिक निवास भी 'रेस कोर्स रोड' कहलाता था, जिसे 2016 में बदलकर 'लोक कल्याण मार्ग' किया गया था। अब पीएमओ के अफसरों ने कहा कि 'सार्वजनिक संस्थानों में बड़ा बदलाव हो रहा है। सरकार सत्ता से सेवा की ओर बढ़ रही है। ये बदलाव प्रशासनिक नहीं, सांस्कृतिक हैं।' बता दें कि केंद्रीय गृह मंत्रालय ने पिछले साल राज्यपालों के सम्मेलन में कहा था कि राज भवन नाम औपनिवेशिक मानसिकता को दर्शाता है। इसलिए राज्यपालों और उप-राज्यपालों के कार्यालयों को अब 'लोक भवन' और 'लोक निवास' के नाम से जाना जाएगा। वहीं, अब पीएम नरेंद्र मोदी का दफ्तर (पीएमओ) भी 78 साल पुराने साउथ ब्लॉक से निकलकर 'सेवा तीर्थ' नाम वाले नए एडवांस कैंपस में शिफ्ट होने जा रहा है। यह बदलाव सेंट्रल विस्टा री डेवलपमेंट प्रोजेक्ट का बड़ा हिस्सा है। अब पीएमओ सेवा तीर्थ-1 से काम करेगा, सेवा तीर्थ-2 में कैबिनेट सचिवालय होंगे, जबकि सेवा तीर्थ-3 में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) का दफ्तर होगा। इन बदलावों के पीछे पीएम मोदी की सोच है जो जन सेवा के लिए उनके दीर्घकालिक दृष्टिकोण को परिलक्षित करती है। पिछले एक दशक में कई मौकों पर इसका परिचय मिला है। शुरुआत खुद ही प्रधानमंत्री आवास के पते से हुई थी, जब दशकों से चले आ रहे पते को बदला गया था। पहले प्रधानमंत्री का सरकारी आवास सात रेसकोर्स रोड के नाम से जाना जाता था, लेकिन नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद 2016 में इसका नाम बदल कर लोक कल्याण मार्ग किया गया। इसके पीछे जनता की सेवा और कल्याण का उद्देश्य है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में सरकारी कार्यस्थलों और सार्वजनिक स्थलों के नामकरण से कर्तव्य और पारदर्शिता की भावना प्रकट होती है। इसके पीछे का संदेश यही है कि सरकार का काम है जनता की सेवा करना, न कि सिर्फ सत्ता का सुख भोगना।

सुरक्षा कवच या निजता पर निगरानी

संचार साथी
दिनेश शर्मा 'दिनेश'

इस बार संसद में पक्ष और विपक्ष के बीच जारी चर्चा का केंद्र-बिंदु बना है हमारा मोबाइल फोन। दरअसल, संसद के वर्तमान सत्र में सरकार द्वारा 'संचार साथी' एप को देश के हर स्मार्टफोन में अनिवार्य बनाने का प्रस्ताव एक ऐसे विमर्श को जन्म दे रहा है, जो आधुनिक भारत में तकनीक और नागरिक अधिकारों के बीच के संवेदनशील द्वंद्व का कारण बन गया है। पर यह भी ध्यान में रखना आवश्यक है कि संचार साथी का यह विमर्श केवल एक एप का विवाद नहीं, बल्कि भारत के उस भविष्य की रूपरेखा है जहां हमें तय करना है कि हम तकनीक के साथ कितनी आजादी, कितनी सुरक्षा और कितनी निजता के साथ जीना चाहते हैं।

देश की सबसे बड़ी पंचायत यानी संसद भवन के गलियारों में आज जो कोलाहल गूंज रहा है, उसका सरोकार किसी सरहद के तनाव या सियासी बिसात से नहीं, बल्कि उस धड़कन से है जो हमारी जेब में धड़कती है। इस बार संसद में पक्ष और विपक्ष के बीच जारी चर्चा का केंद्र-बिंदु बना है हमारा मोबाइल फोन। दरअसल, संसद के वर्तमान सत्र में सरकार द्वारा 'संचार साथी' एप को देश के हर स्मार्टफोन में अनिवार्य बनाने का प्रस्ताव एक ऐसे विमर्श को जन्म दे रहा है, जो आधुनिक भारत में तकनीक और नागरिक अधिकारों के बीच के संवेदनशील द्वंद्व का कारण बन गया है। यह मुद्दा महज एक एप्लीकेशन को डाउनलोड करने का नहीं, बल्कि उस लक्ष्मण रेखा का है जो राज्य की शक्ति और नागरिक की निजता के बीच खिंची होनी चाहिए। इस डिजिटल युग में, जहां डेटा ही नया ईंधन है, हमारा स्मार्टफोन वह तिजोरी बन गया है जिसमें हम अपने जीवन के सबसे निजी पन्ने, अपनी आर्थिक कुंजी और अपनी पहचान सहेजकर रखते हैं।

विडंबना यह है कि आज यही तिजोरी सबसे अधिक असुरक्षित है। जामताड़ा के बीहड़ों से लेकर मेवात की गलियों तक, और अब देश के सुदूर कोनों से संचालित साइबर अपराधों ने आम आदमी के जीवन को एक अनजाने भय से भर दिया है। सुरक्षा एजेंसियां जब तक घटित हुए अपराध निदान निकालती हैं, तब तक अपराधी नए रास्ते खोज लेते हैं। इसी पृष्ठभूमि में सरकार 'संचार साथी' को एक 'केंद्रीयकृत डिजिटल प्रहरी' के रूप में प्रस्तुत करना चाहती है। इसे एक ऐसी व्यवस्था माना जा रहा है जो अपराध के घटित होने की प्रतीक्षा नहीं करती, बल्कि उसे अंकुरित होने से पहले ही कुचल देने का दावा करती है। इस ऐप की कार्यप्रणाली को समझना किसी विज्ञान-गल्प कथा के सच होने जैसा है। सरकारी दावों के अनुसार, यह ऐप 'एस्त्र' नामक कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) प्रणाली से संचालित होगा। यह तकनीक किसी जादुई आईने की तरह काम करेगी, जो सेकंडों में पहचान लेगी कि कहीं किसी अपराधी ने फर्जी दस्तावेजों के सहारे सिम तो नहीं लिया है। यदि कोई व्यक्ति चेहरे बदलकर या नाम बदलकर ठगी का जाल बुनता है, तो 'एस्त्र' उसके चेहरे का मिलान डेटाबेस से करते ही उन सभी नंबरों को तत्काल ब्लॉक कर देगा। यह प्रक्रिया इतनी त्वरित होगी कि अपराधी को संभलने का अवसर ही नहीं मिलेगा। मोबाइल चोरी, जो एक आम समस्या बन चुकी है, उसके लिए प्रस्तावित 'किल स्विच' भी एक क्रांतिकारी कदम बताया जा रहा है।

अब तक अपराधी आईएमईआई नंबर बदलकर फोन बेच देते थे, लेकिन इस नई व्यवस्था में फोन के हार्डवेयर हस्ताक्षर को सीधे नेटवर्क से जोड़ दिया जाएगा। छेड़छाड़ का तनिक भी संकेत मिलते ही फोन हार्डवेयर स्तर पर लॉक हो जाएगा और वह महंगा उपकरण महज कांच और प्लास्टिक के एक बेजान टुकड़े में बदल जाएगा। सरकार का मानना है कि जब चोरी किए गए फोन का कोई मूल्य ही नहीं बचेगा, तो चोरी की घटनाएं स्वतः समाप्त हो जाएंगी।

कल्पना कीजिए एक ऐसे अभेद्य सुरक्षा चक्र की, जहां हर कॉल सत्यापित हो, जहां 'घोस्ट सिम' का अस्तित्व न हो और जहां हम फर्जी संदेशों के जाल में फंसने से बचे रहें। निस्संदेह, एक सुरक्षित डिजिटल

भारत की यह तस्वीर अत्यंत मोहक है। किंतु, सुरक्षा के इस सुनहरे आवरण के पीछे निजता का एक घना और गहरा साया भी मंडरा रहा है और यही वह बिंदु है जिसने संसद से लेकर सड़क तक चिंता की लकीरें खींच दी हैं। एक अनिवार्य सरकारी ऐप, जो दिन-रात हमारे फोन में जागता रहे और हमारी गतिविधियों पर दृष्टि रखे, राज्य को एक असाधारण और असीमित शक्ति प्रदान करता है। कॉल लॉग्स, संदेश और लोकेशन- इन तक पहुंच की अनुमति भले ही सुरक्षा के नाम पर ली जाए, लेकिन इतिहास गवाह है कि निगरानी की शक्ति का दुरुपयोग अकसर राजनीतिक विरोधियों, पत्रकारों और असहमत स्वरों को दबाने के लिए किया जाता रहा है।

क्या हम एक ऐसे निगरानी घर (पेनोप्टिकॉन) का निर्माण तो नहीं कर रहे, जहां नागरिक हर पल संदेह के घेरे में होगा? इसके साथ ही, डेटा सुरक्षा का प्रश्न मुंह बाए खड़ा है। यदि सौ करोड़ से अधिक भारतीयों का रियल-टाइम डेटा एक केंद्रीय सर्वर पर एकत्र होता है, तो वह दुनिया का सबसे विशाल और संवेदनशील डेटाबेस होगा जो हैकर्स के लिए किसी 'सोने की खान' से कम नहीं होगा। आधार लीक और सरकारी पोर्टलों पर हुए पिछले हमलों ने यह सिद्ध किया है कि सरकारी साइबर सुरक्षा अभेद्य नहीं है। ऐसे में एक भी सेंध का अर्थ होगा - समूचे राष्ट्र की निजता का पतन। यह तकनीकी भाषा में 'विफलता का एकल बिंदु' (सिंगल पॉइंट ऑफ फेलियर) है, जो अत्यंत जोखिम भरा है। व्यावहारिक धरातल पर भी चुनौतियां कम नहीं हैं। भारत की एक बड़ी आबादी आज भी सीमित क्षमता वाले सस्ते स्मार्टफोन पर निर्भर है। क्या एक साधारण ग्रामीण का फोन इस 'हाई-टेक' पहरेदार का बोझ उठा पाएगा? परंतु, इन सबसे ऊपर एक दार्शनिक प्रश्न गूंज रहा है- लोकतंत्र 'विश्वास' के अनुबंध पर चलता है या 'संदेह' की बुनियाद पर? राज्य का दायित्व नागरिकों को सुरक्षा देना है, उनकी सांसों की गिनती रखना नहीं। सरकार का यह तर्क कि 'चूंकि आप अपनी सुरक्षा करने में सक्षम नहीं हैं, इसलिए हमें आपके घर (फोन) के भीतर आकर पहरा देना होगा,' आपातकाल में तो स्वीकार्य हो सकता है, लेकिन सामान्य जनजीवन में यह व्यक्तिगत स्वतंत्रता की मूल भावना पर प्रहार अनुभव हो रहा है। सर्वोच्च न्यायालय ने निजता को मौलिक अधिकार माना है, ऐसे में किसी एप को 'अनिवार्य' बनाना संवैधानिक कसौटी पर कितना खरा उतरेगा, यह देखना शेष है।

संचार साथी पर जारी इस मंथन ने हमें दोराहे पर खड़ा कर दिया है। एक रास्ता पूर्ण सुरक्षा का है, जहां अपराध के लिए कोई जगह नहीं होगी और दूसरा रास्ता निगरानी का है, जहां स्वतंत्रता के लिए कोई जगह नहीं। समाज किस दिशा में जाएगा, यह तकनीक नहीं, बल्कि उसकी नियत तय करेगी। यदि सरकार वास्तव में नागरिकों की हितैषी है, तो उसे पारदर्शिता का मार्ग चुनना होगा। एप को 'ओपन सोर्स' किया जाए ताकि विशेषज्ञ उसकी जांच कर सकें, डेटा सुरक्षा के कड़े कानून बनें, और सबसे महत्वपूर्ण- इसे बाध्यकारी बनाने के बजाय इसकी उपयोगिता सिद्ध करके नागरिकों को इसे स्वेच्छा से अपनाने के लिए प्रेरित किया जाए। सुरक्षा अनिवार्य है, किंतु स्वतंत्रता उसकी आहुति नहीं हो सकती। बेशक साइबर सुरक्षा को लेकर कोई विवाद अथवा समझौता नहीं होना चाहिए। क्योंकि वर्तमान में साइबर सुरक्षा को लेकर कदम उठाना बहुत आवश्यक हो गया है। पर यह भी ध्यान में रखना आवश्यक है कि संचार साथी का यह विमर्श केवल एक एप का विवाद नहीं, बल्कि भारत के उस भविष्य की रूपरेखा है जहां हमें तय करना है कि हम तकनीक के साथ कितनी आजादी, कितनी सुरक्षा और कितनी निजता के साथ जीना चाहते हैं।

(लेखक शिक्षण क्षेत्र से जुड़े हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया **haribhoomi@gmail.com** पर दे सकते हैं।

दिवस विशेष

डॉ. रमेश ठाकुर

दिव्यांगों के लिए लड़नी होगी सामूहिक रूप से लड़ाई

अंतरराष्ट्रीय दिव्यांग दिवस, विश्व भर के दिव्यांगजनों को सम्मान देने और उनके वैश्विक स्वास्थ्य सेवा के लिए समर्पित माना जाता है। शुरुआत 1992 में संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा की गई थी। आज 33वां संस्करण समूचे संसार में मनाया जा रहा है। हर साल 3 दिसंबर को विभिन्न वैश्विक और स्थानीय संगठन, समाज के हर स्तर पर विकलांग व्यक्तियों के अधिकारों, सम्मान और कल्याण को बढ़ावा देने के लिए एक मंच पर जुटते हैं। भारत सरकार द्वारा अक्षमों को दिव्यांग कहा जाता है। उनको स्वावलंबी बनाने के लिए तमाम तरह की कल्याणकारी योजनाएं भी चलाई जा रही हैं। साथ ही प्रत्येक सरकारी विभाग में उनके लिए आरक्षित सीटों का प्रावधान भी केंद्र सरकार की ओर से सुनिश्चित किया हुआ है। वर्तमान में दिव्यांग दिवस का महत्व पहले से कहीं अधिक बढ़ गया है। यह न केवल दिव्यांग व्यक्तियों के योगदान को मान्यता देने का अवसर है, बल्कि समाज और सरकार को उनकी समस्याओं, जरूरतों और अधिकारों के प्रति सजग करने का भी माध्यम है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति और दिव्यांग अधिकार अधिनियम जैसे कानून दिव्यांग व्यक्तियों की शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार में बराबरी सुनिश्चित करने के लिए बनाए गए हैं। इतिहास में, दिव्यांग व्यक्ति अक्सर शिक्षा, रोजगार और सार्वजनिक जीवन में समान अवसरों से वंचित रहे हैं। इसके मद्देनजर, अंतरराष्ट्रीय दिव्यांग दिवस का महत्व केवल जागरूकता फैलाने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह नीतिगत बदलावों और कानूनों को लागू करने की दिशा में भी एक प्रेरक शक्ति बन गया है। भारत में कई राष्ट्रीयकृत बैंक और वित्तीय संस्थान विकलांग व्यक्तियों को ऋण देते हैं। ये ऋण मुख्य रूप से राष्ट्रीय विकलांग वित्त एवं विकास निगम की योजनाओं के तहत दिए जाते हैं और कुछ बैंकों की अपनी विशेष योजनाएं भी हैं जैसे कि बैंक ऑफ इंडिया की स्टार मित्र पर्सनल लोन योजना। भारत में करीब 45 फीसदी दिव्यांगजन लोन लेकर अपना जीवन यापन कर रहे हैं। 2011 की जनगणना के मुताबिक हिंदुस्तान में करीब 2. 68 करोड़ दिव्यांगजनों की संख्या बताई गई थी जिनमें 1.50 करोड़ पुरुष और 1.18 करोड़ महिलाएं थीं। इनमें अधिकांश करीब एक तिहाई आबादी गांवों में बताई गई। गनीमन ये रही कि सफल 'पल्स पोलियो अभियान' के बाद दिव्यांगों की संख्या एकदम रुक गई। बीते दो दशकों में भारत में सिंगल केस भी सामने नहीं आया। इसे हुकूमत की बड़ी सफलताओं में गिना जाना चाहिए। वर्ष 2016 से भारत में अक्षम लोगों को नया नाम दिया गया था दिव्यांग। दिव्यांग दिवस अक्षमों विकलांग के अधिकारों और उनके कल्याण को बढ़ावा देने के अलावा उनके राजनीतिक, आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक प्रभावों के विषय में जागरूकता बढ़ाता है। 1976 में हुई संयुक्त राष्ट्र की आम सभा ने मिलकर विकलांगजनों के लिए आज का खास दिन मुकर्रर किया था। 2016 में भारत के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय ने विकलांग शब्द को हटाकर उसकी जगह दिव्यांग कहना प्रचलित करवाया था। तभी से बोलचाल की भाषा में अक्षमों को दिव्यांग कहना शुरू किया गया। वह इसलिए कि इस शब्द में सम्मान का भाव झलकता है। विश्व की बात करें तो विकलांगों की संख्या मामले में लातविया अभी भी अव्वल पायदान पर काबिज है, 41.2 आबादी दिव्यांगों की वहां वास करती है। वहीं, दूसरे स्थान फिनलैंड हैं जहां 34.9 दिव्यांग रहते हैं। आज का दिन दिव्यांगों के अधिकार, समानता और सशक्तिकरण पर ध्यान केंद्रित करने के अलावा समाज में समावेशिता और भेदभाव समाप्त करने की ललक भी पैदा करता है। देश हो, चाहे विदेश, सरकार केंद्र की हो या राज्यों की, सभी को सामुहिक रूप से दिव्यांगों के प्रति लाचारी नहीं, बल्कि उनके मुकम्मल हकों के लिए लड़ना चाहिए। अफगानिस्तान, पाकिस्तान, ईराक जैसे मुल्कों में दिव्यांगों के हालात अभी भी बदतर हैं, इसलिए दिव्यांगों के लिए अभी और समावेशी लड़ाई लड़ने की जरूरत है। हालांकि, सरकारी सुविधाओं के मिलने के बाद भारत के ज्यादातर दिव्यांगजन साहस, संकल्प के बूते सफलता के नए आयाम गढ़ रहे हैं। खेलों के विभिन्न मंचों पर पैराओलंपिक खिलाड़ी वैश्विक स्तर पर स्वर्ण अक्षरों में नया इतिहास लिख रहे हैं। प्रसिद्ध दिव्यांग व्यक्तियों में वैज्ञानिक स्टीफन हॉकिंग और अल्बर्ट आइंस्टीन, पर्वतारोही अरुणिमा सिन्हा, पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति फ्रेंक्लिन डी. रूज़वेल्ट, और भारतीय प्रशासनिक सेवा अधिकारी इरा सिंघल की कहानी दूसरे दिव्यांगजनों को प्रोत्साहित करती है। इन्होंने अपनी विकलांगताओं पर विजय प्राप्त कर अपने-अपने क्षेत्रों में असाधारण सफलता प्राप्त करके दूसरों को संबल दिया है।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

जीवन बना और बिगाड़ सकती हैं ये चीजें

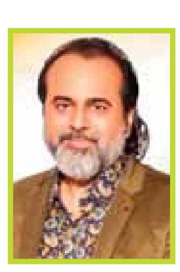

संकलित
दर्शन

आम आदमी अपने दिन का पूरा समय इन दो जगहों पर बिताता है वो है घर या फिर दफ्तर में। जैसी व्यक्ति की संगति होती है वैसी ही उसकी मति हो जाती है। इसलिए जरूरी होता है कि व्यक्ति हमेशा अपने लिए सही वातावरण चुनना चाहिए, जिससे वह सही पथ पर चले। आचार्य प्रशांत के अनुसार, एक व्यक्ति किस आधार पर विवाह करता है या फिर कैसी संगति चुनता है। यह महत्व की बात है कि वह व्यक्ति किसके साथ रह रहा है। आप चाहे विवाह करके रह रहे हो या फिर बिना विवाह करके अपना जीवन व्यय कर रहा हो। ऐसे में व्यक्ति को जरूर हमेशा याद रखना चाहिए कि वह अपने जीवनसाथी का चयन किस आधार पर कर रहा है। हर एक छोटी बात जैसे कि वह व्यक्ति अब से लगातार मेरे कमरे में रहेगा? किसके शब्द लगातार पड़ने लग गए हैं तुम्हारे कानों में? इन चीजों को याद करके ही निर्णय लेना चाहिए। क्योंकि इसी बात पर तुम्हारी जिंदगी या तो बन जाएगी या बिल्कुल बर्बाद हो जाएगी। आचार्य प्रशांत आगे कहते हैं कि यहीं बात दफ्तर के लिए है कि दिन के आठ से दस घंटे आप किन लोगों की शक्लें देखते हैं या आर अपना बॉस बोलते हो, वो यूं ही है कोई सड़क का आदमी जो तुम्हारी जिंदगी पर अब अधिकार रखने लग गया है तो तुम बर्बाद हो जाओगे। यही बात दफ्तर के माहौल पर और धंधे की प्रकृति पर लागू होती है। तुम्हारी संस्था किस तरह का व्यवसाय करती है और तुम्हारे काम में किस तरह के लोग लगे हुए हैं?

ईमानदारी और आत्म सम्मान के साथ जीएं

संकलित
प्रेरणा

एक सेठ अपने नौकर के साथ ऊंट खरीदने गया। उसने मंडी में एक ऊंट पसंद किया और उसे खरीदकर अपने घर लेकर आ गया। सेठ ने ऊंट की पीठ से गादी हटाई तो वहां एक पोटली दिखाई दी। उस पोटली में देखा तो उसमें हीरे थे। सेठ समझ गया कि ये हीरे ऊंट के पुराने मालिक के हैं, जिससे ऊंट खरीदा है। पोटली में हीरे देखकर नौकर ने कहा कि हमें तो ऊंट के साथ हीरे भी मिल गए हैं। सेठ ने नौकर से कहा कि हमने तो सिर्फ ऊंट खरीदा है, हीरे नहीं, इसलिए ये पोटली ऊंट के व्यापारी को वापस देनी होगी। अगले दिन सेठ ऊंट बेचने वाले व्यापारी के पास पहुंच गया और हीरों की थैली लौटा दी। ऊंट के व्यापारी ने कहा कि आप तो बहुत ईमानदार हैं। ये कीमती हीरे हैं, मैं रखकर भूल गया था। आपकी नीयत एकदम साफ है। अपनी ईमानदारी के लिए आप इसमें से एक हीरा रख लीजिए। सेठ ने कहा कि मुझे ये हीरा नहीं चाहिए। मैंने किसी भेंट के लिए ये पोटली आपको नहीं दी है। मेरा कर्तव्य था, मैंने आपको ये थैली दे दी। जब हीरों के मालिक ने बार-बार निवेदन किया तो सेठ ने कहा कि मैंने पहले से ही दो हीरे रख लिए हैं। ये बात सुनते ही हीरों के मालिक को गुस्सा आ गया। हीरों के मालिक ने तुरंत ही पोटली में से हीरे निकाल कर गिनना शुरू कर दिए। उस थैली में 50 हीरे थे। हीरों के मालिक ने कहा कि थैली में तो पूरे हीरे हैं, आप किन दो हीरों की बात कर रहे हैं। ऊंट खरीदने वाले सेठ ने कहा कि मेरे ये दो हीरे हैं ईमानदारी और आत्म सम्मान। ये दो हीरे मैंने पहले से बचाकर रखे हैं, इसलिए आपके पूरे 50 हीरे आपको वापस मिल गए है।

सटाका

आज की पाती

क्या मजबूत विपक्ष जरूरी नहीं

संसद का शीतकालीन सत्र शुरू हो चुका है और इसमें भी हंगामे और हो-हल्ला होने के चांस हैं, लेकिन संसद में हो हल्ला न हो ऐसे कैसे हो सकता है? क्या विपक्ष सरकार की तानाशाही नीतियों का विरोध नहीं करे? सरकार कोई ऐसा बिल संसद के किसी सत्र में पास करने की कोशिश करे जो आमजन के लिए लाभदायक कम और हानिकारक ज्यादा हो, उसका विरोध विपक्ष न करे? प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जब नोटबंदी का फैसला लिया था, तब वो कितने दिन संसद ही नहीं गए थे। शायद उनके पास इस फैसले से संबंधित विपक्ष के प्रश्नों के जवाब नहीं थे। दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र में मजबूत विपक्ष की भी महत्वपूर्ण भूमिका है। नहीं तो संसद में सत्ताधारी पार्टी कोई भी मनमाना कानून पास कर देगी।

- शरद काले, जगदलपुर

ट्रेंड

हार्दिक संवेदना व्यक्त

राष्ट्रपति दिसानायके से बात कर चक्रवात दित्वा से हुई दुखद जनहानि और व्यापक तबाही पर हार्दिक संवेदना व्यक्त की। एक घनिष्ठ और विश्वसनीय मित्र के रूप में, भारत इस कठिन घड़ी में श्रीलंका और उसके लोगों के साथ मजबूती से खड़ा है।

- नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

वनभूमि कब्जामुक्त होगी

असम की वनभूमि पर जितने भी अवैध रूप से कब्जा जमाए बैठे लोग हैं, उन्हें हटाने के लिए हमारी सरकार कड़ी कार्रवाई करती रहेगी। यह अभियान तब तक जारी रहेगा जब तक वनभूमि अवैध कब्जाधारियों से पूरी तरह मुक्त नहीं हो जाती।

- हिमंत बिस्वा सरमा, सीएम, असम

एसआईआर पर चर्चा

आज हमने नियम 267 के तहत जो नोटिस दिया है, सदन में उसका उद्देश्य बताया जाना चाहिए। ये परंपरा रही है। हमारी अपील है कि एसआईआर पर तत्काल चर्चा होनी चाहिए। ये बहुत ही गंभीर मुद्दा है, क्योंकि देश में बीएलओज की जान जा रही हैं। हम इस मुद्दे पर चर्चा करने को तैयार हैं।

- मल्लिकार्जुन खड़गे, कांग्रेसाध्यक्ष

उद्यमियों से प्रार्थना

सपने आप अकेले पूरे नहीं करते। जिस समाज ने हमें खड़ा किया, उसे कुछ लौटाना हमारी ज़िम्मेदारी है। यही मेरी सारे उद्यमियों से भी प्रार्थना है। आगे बढ़ रहे हो? बहुत अच्छा। अपने साथ लोगों को भी बढ़ाते चलो। यही असली विकास है।

- अनिल अग्रवाल, उद्यमी

करंट अफेयर

ट्रंप के हृदय और पेट का एमआरआई सामान्य

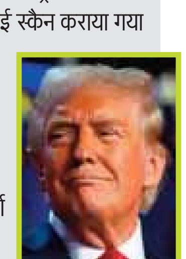

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के चिकित्सक ने कहा कि राष्ट्रपति का अक्टूबर में एहतियात के तौर हृदय और पेट का एमआरआई स्कैन कराया गया था जिसके परिणाम 'पूरी तरह सामान्य' पाए गए हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास एवं कार्यालय व्हाइट हाउस द्वारा चिकित्सक की ओर से जारी एक मेमो में यह जानकारी दी गयी है। डॉ. शॉन बारबाबेला ने सोमवार को एक बयान में कहा कि ट्रंप की शारीरिक जांच में 'एडवांस्ड इमेजिंग' शामिल थी, जो कि ट्रंप की आयु वर्ग के व्यक्तियों के लिए 'मानक शारीरिक परीक्षण' का हिस्सा है। डॉ बारबाबेला ने निष्कर्ष निकाला कि हृदय और पेट की इमेजिंग 'एकदम सामान्य' है। चिकित्सक ने लिखा, 'यह जांच निवारक तौर पर की गयी है ताकि समस्याओं की जल्द पहचान की जा सके, पूरी स्वास्थ्य स्थिति का पता लगाया जा सके और उनकी दीर्घकालिक जीवन शक्ति तथा कार्यप्रणाली बनी रहे।' ट्रंप द्वारा रविवार को स्कैन के परिणाम जारी करने की घोषणा के बाद व्हाइट हाउस ने बारबाबेला का ज्ञापन जारी किया। इससे पहले व्हाइट हाउस ने यह बताने से इनकार कर दिया था कि अक्टूबर में वॉल्टर रीड नेशनल मिलिट्री मेडिकल सेंटर में हुए इस शारीरिक परीक्षण के दौरान एमआरआई क्यों किया गया था।

ऑफ बीट

ब्रह्माण्ड स्वयं को क्यों खंडित कर रहा

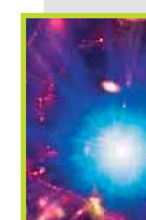

ब्रह्मांड किससे बना है? यह प्रश्न सैकड़ों वर्षों से खगोलविदों को उद्वेलित करता रहा है। पिछली एक चौथाई सदी से, वैज्ञानिकों का मानना है कि परमाणु और अणु जैसी 'सामान्य' चीजें जो आपको, मुझे, पृथ्वी और लगभग हर चीज को बनाती हैं जिसे हम देख सकते हैं, ब्रह्मांड का केवल 5 प्रतिशत हिस्सा है। अन्य 25 प्रतिशत 'डार्क मैटर' है, एक अज्ञात पदार्थ जिसे हम देख नहीं सकते हैं लेकिन हम यह पता लगा सकते हैं कि यह गुरुत्वाकर्षण के माध्यम से सामान्य पदार्थ को कैसे प्रभावित करता है। 1998 में खोजा गया, यह ऊर्जा का एक अज्ञात रूप है जिसके बारे में माना जाता है कि यह ब्रह्मांड का लगातार बढ़ती दर से विस्तार कर रहा है। एस्ट्रोनॉमिकल जर्नल में जल्द ही प्रकाशित होने वाले एक नए अध्ययन में, हमने डार्क एनर्जी के गुणों को पहले से कहीं अधिक विस्तार से मापा है। हमारे नतीजे दिखाते हैं कि यह एक काल्पनिक वैक्यूम ऊर्जा हो सकती है जिसके बारे में सबसे पहले आइंस्टीन ने प्रस्तावित किया था – या यह कुछ अजीब और अधिक जटिल हो सकता है जो समय के साथ बदलता रहता है। एक सदी पहले जब आइंस्टीन ने सापेक्षता का सामान्य सिद्धांत विकसित किया, तो उन्हें एहसास हुआ कि उनके समीकरणों से पता चलता है कि ब्रह्मांड को या तो विस्तारित होना चाहिए या सिकुड़ना चाहिए।

हमारा पता
हरिभूमि कार्यालय
66/1 इंडस्ट्रियल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मप्र)
पिन कोड-482002
ई-मेल : edit@haribhoomi.com
वेब-साइट : www.haribhoomi.com

मंगलवार और शनिवार को बड़ी संख्या में लगता हैं श्रद्धालुओं का तांता

वर्षों पुराने केसरीनंदन हनुमान मंदिर में लिखित अर्जी देते हैं भक्त, पूरी होती है सबकी मनोकामना

अर्जी लगाने वाले श्रद्धालुओं की होती है मनोकामना पूरी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ छिंदवाड़ा

शहर के ओबर ब्रिज के गास चार फाटक क्षेत्र में एक ऐसा मंदिर है, जहां लोग अपनी परेशानी कागज की पर्ची पर लिखते हैं और बजरंगबली के चरणों में चढ़ाते हैं. भक्तों की परेशानी की बकायदा सुनवाई होती है और अर्जी का निराकरण किया जाता है. इसके अलावा यहां हजारों की संख्या में चढ़ाए जाने वाले नारियल को पूरे मंदिर में तोरण बनाकर लगायाजाता है। छिंदवाड़ा के चार फाटक क्षेत्र में बना यह बरसों पुराना अर्जी वाले हनुमान जी का मंदिर जिसका नाम श्री केसरीनंदन हनुमान मंदिर है. इस मंदिर में हर मंगलवार और शनिवार की भक्तों की भारी भीड़ उमड़ती है, यहीं, हनुमान जन्मोत्सव पर यहां धार्मिक अनुष्ठानों के साथ भंडारे का भी आयोजन किया जाता है। छिंदवाड़ा जिले में स्थित इस प्राचीन हनुमान मंदिर में दूर-दूर से लोग अपनी अर्ज़ी लगाने आते हैं. अर्जी चाकायदा कागज में लिखी होती है. कहा जाता है कि इस अर्जी को हनुमान जी स्वयं सुनते हैं और बाद में एक-एक करके इनका निराकरण भी होता है. भक्त बजरंगबली के चरणों में इसके बाद प्रसाद भी अर्पण करते है। यहां आए एक श्रद्धालु ने बताया कि अपनी अर्जी लेकर आने वाले भक गर्दा पर एक-एक नारियल भी साथ लाते हैं हजारों की संख्या में जाने वाले नारियल को तोरण के तौर पर पूरे मंदिर में लगाया गया है. इन नारियलों से प्रसाद के अलावा मंदिर के हर द्वार को सजाया जाता है. साथ ही हर तरफ नारियलों को लटका दिया जाता है। मंदिर में इतनी संख्या में नारियल का आए जाने की वजह है कि इस मंदिर को नारियल वाले हनुमान जी का मंदिर भी कहा है, लोगों का कहना है कि अर्जी के साथ साथ नारियल चढ़ाने की परंपरा इस प्राचीन मंदिर में लंबे समय से चली आ रही है।

अपने भक्तों को कभी निराश नहीं करते बजरंगबली

श्री केसरीनंदन हनुमान मंदिर समिति के सदस्य सुनील कुमार ने बताया की यहां अपनी परेशानी और दुख-दर्द लेकर आने वाले श्रद्धालु केसरीनंदन हनुमान जी के चरणों के अपनी परेशानी कागज की पर्ची पर लिखकर चढ़ाते है जिसके बाद उनकी समस्या का निवारण जरूर होता है. चजरंगबली अपने भक्तों को कभी निराश नहीं करते है और यहीं चमत्कार है कि दुखी होकर आने वाला व्यक्ति भी यहां से खुश होकर जाता है बरसों पुराने इस प्रसिद्ध मंदिर की यह मान्यता है कि यहां भछ जो भी अंजी लेकर आते हैं और उसे हनुमान जी के श्री चरणों में चढ़ाते हैं. भक्तों की सुनवाई होती है और अजर्जी का निराकरण हो जाता है. यही वजह है कि यहां पर जो भी अपनी समस्याएं लेकर आता है उसे कागज में लिख कर हनुमान जी के चरणों में अर्पित कर देता है. यह एकमात्र ऐसा मंदिर है जहां पर हनुमान जी स्वयं भक्तों की अर्जी पर सुनवाई करते हैं अर्जी वाले हनुमान जी के मंदिर में मंगलवार और शनिवार को बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं का ताता देखा जा सकता हैं।

माघ मेलाः इटारसी–प्रयागराज छिवकी एक्सप्रेस अब चुनार तक जाएगी

सतना। पश्चिम मध्य रेलवे (पमरे) ने माघ मेला 2026 के श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए ट्रेन संख्या 11273/11274 इटारसी– प्रयागराज छिवकी– इटारसी एक्सप्रेस को अस्थायी रूप से चुनार स्टेशन तक बढ़ाने का निर्णय लिया है। यह विस्तार 47 दिनों के लिए लागू रहेगा। 11273 इटारसी- प्रयागराज छिवकी एक्सप्रेस (चुनार तक): 01 जनवरी 2026 से 16 फरवरी 2026 तक चलेगी। 11274 चुनार- प्रयागराज छिवकी- इटारसी एक्सप्रेसः 02 जनवरी 2026 से 17 फरवरी 2026 तक चलेगी।
11273ः प्रयागराज छिवकी (09:55/10:15 बजे) होते हुए 13:55 बजे चुनार पहुंचेगी। 11274ः चुनार से 16:30 बजे प्रस्थान कर प्रयागराज छिवकी (19:45/20:15 बजे) होते हुए इटारसी जाएगी। विस्तारित अवधि में ट्रेन के अन्य स्टॉपेज और समय में कोई बदलाव नहीं किया गया है।

घोड़े से नर्मदा परिक्रमा करने अमरकंटक पहुंचे महात्मा

हरिभूमि न्यूज अमरकंटक।

अमरकंटक। प्रदेश के प्रमुख पर्यटन एवं धार्मिक तीर्थ स्थल पावन पवित्र नगरी नर्मदा उद्गम स्थल अमरकंटक में आए दिन मातेश्वरी मां नर्मदा जी का परिक्रमा कर रहे भक्त श्रद्धालु, संत महात्मा भक्त श्रद्धालु गण पहुंचते रहते हैं अलग-अलग तरीके से लोग अपने श्रद्धा भक्ति के अनुसार मां नर्मदा जी की परिक्रमा करते हैं। पुराणों में नर्मदा परिक्रमा का विशेष महत्व बताया गया है बताया जाता है कि बड़े भाग्य से मां नर्मदा की परिक्रमा का सौभाग्य मिलता है। ऐसे ही एक विलक्षण संत महात्मा अमरकंटक (माई की बगिया) में नर्मदा परिक्रमा करते हुए आए हुए हैं! खास बात यह देखने को मिली कि मां नर्मदा जी के अनन्य भक्त घोड़े से मां नर्मदा जी की परिक्रमा कर रहे है। जैसे लोगों की नजर पड़ी देखने वालों की भीड़ लग गई। महात्मा से लोग जानने पहुंचे कि आप घोड़े से नर्मदा परिक्रमा कर रहे हैं काफी अलग बात है। महात्मा ने जवाब दिया कि अपने श्रद्धा भक्ति अनुसार परिक्रमा करने का सौभाग्य मिलता है हमारे साथ-साथ पशु की भी परिक्रमा हो रही है यह विशेष बात है। आपको बता दें महात्मा देवास जिले के हैं नाम देवीदास है। बताया कि उन्होंने देवास से नर्मदा परिक्रमा प्रारंभ की है तथा दो-तीन महीने में उनकी परिक्रमा पूर्ण हो जाएगी।

जंगल में मिला नक्सली डंप, एसपी बोले- सरेंडर करें या कार्रवाई भुगतें

हरिभूमि न्यूज बालाघाट।

बालाघाट जिले में सक्रिय नक्सलियों को बालाघाट एसपी आदित्य मिश्रा ने चेतावनी दी है। मंगलवार को आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में एसपी ने कहा कि यदि वे आत्मसमर्पण नहीं करते हैं, तो उन्हें सुरक्षाबलों की कार्रवाई का सामना करना पड़ेगा। बता दें कि, सोमवार और मंगलवार को पुलिस ने जिले के जंगलों से तीन नक्सली डंप बरामद किए। मंगलवार को किरनापुर थाना क्षेत्र के बोदालझोला जंगल से एक डंप मिला। इसमें एल्युमिनियम कंटेनर में इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, वायरलेस सेट और दैनिक उपयोग की वस्तुएं शामिल है। एसपी आदित्य मिश्रा ने बताया कि लगातार सर्चिंग और कार्रवाई के चलते 18 से अधिक नक्सलियों ने जिले और सीमावर्ती राज्यों में आत्मसमर्पण किया है। उन्होंने कहा कि पुलिस मार्च 2026 तक सरकार के नक्सली खात्मे के लक्ष्य को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है। हाल ही में आत्मसमर्पण करने वालों में छत्तीसगढ़ के खैरागढ़ निवासी मुन्ना शामिल हैं, जो नक्सली संगठन में तकनीकी गतिविधियों में शामिल था। मुन्ना ने अपनी पत्नी रोनी के साथ आत्मसमर्पण किया। इसके अलावा, दो दिन पहले महाराष्ट्र के गोंदिया में 11 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया। इसमें एमएमसी जोन के प्रवक्ता और स्पेशल जोनल कमेटी के सदस्य, 25 लाख रुपए के इनामी अनंत उर्फ विकास नगपुरे और बालाघाट जिले की राशिमेटा निवासी नक्सली संगीता शामिल थीं। संगीता पर मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र और छत्तीसगढ़ तीनों राज्यों में 14 लाख रुपए का इनाम घोषित था और वह 2007 से नक्सली संगठन में सक्रिय थी। एसपी आदित्य मिश्रा ने चेतावनी देते हुए कहा- नक्सलियों के पास दो विकल्प हैं। या तो वे आत्मसमर्पण करें या सुरक्षाबलों की कार्रवाई के परिणाम भुगतें। जिले में सर्चिंग लगातार जारी है और किसी को भी कानून की कार्रवाई से बचने का मौका नहीं मिलेगा।

तेंदुआ शावक का पाया गया शव

उमरिया। क्षेत्र संचालक बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व ने बताया कि एक वन्यजीव तेंदुआ के शावक (लिंग अज्ञात, उम्र लगभग 6 माह) के शव के पाए जाने की घटना, जिसका स्थल वनभूमि कक्ष क्रमांक पीएफ 356 बीट मझखेता (बफर), वन परिक्षेत्र मानपुर (बफर) के अन्तर्गत प्रकाश में आयी है। जिस पर एन.टी.सी.ए. नई दिल्ली एवं कार्यालय मुख्य वन्यजीव अधीक्षक म.प्र. भोपाल से जारी दिशा निर्देश अनुसार त्वरित कार्यवाही करते हुए घटनास्थल को सुरक्षित किया गया तथा वरिष्ठ अधिकारियों को गस्ति दल द्वारा बताया गया। निर्धारित प्रक्रिया अनुसार डॉग स्क्वायड की सहायता से घटना स्थल एवं उसके आसपास के वन क्षेत्र के छानबीन की कार्यवाही की गई। कोई भी आपत्तिजनक चीज प्राप्त नहीं हुई। पोस्टमार्टम की कार्यवाही वन्यजीव चिकित्सकों के द्वारा किया गया है तथा आवश्यक नमूने संग्रहित किए गए है। उन्होंने बताया कि वन्यजीव तेंदुआ के शावक का सिर, पूंछ, पैर के हिस्से एवं आंत का कुछ भाग प्राप्त हुआ, शेष भाग वन्य प्राणी द्वारा खाया जाना प्रतीत होने से नही पाये गये। शव के पास बाघ तथा तेंदुआ के पदचिन्ह भी पाए गए। निर्धारित प्रक्रिया अनुसार शव दहन की कार्यवाही क्षेत्र संचालक, नायब तहसीलदार , एन.टी.सी.ए के प्रतिनिधि/वन्यजीव विशेषज्ञ व अन्य की उपस्थिति में की गई। समस्त कार्यवाही के फोटोग्राफी एवं वीडियोग्राफी की गई है।

पुलिस पर लगाए लापरवाही और रिश्वत मांगने के आरोप

छतरपुर। मंगलवार को एक किसान ने अपनी गुम हुई भैंसों की तलाश के लिए पुलिस अधीक्षक कार्यालय में शिकायत दर्ज कराई है, जिसमें स्थानीय पुलिस की कार्यशैली पर गंभीर सवाल उठाए गए हैं। पीड़ित का आरोप है कि उसने अपनी गुम हुई भैंसों को एक अन्य व्यक्ति के पास बँधा हुआ देखा, लेकिन स्थानीय थाने की पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज करने से इनकार कर दिया और आरोपी का पक्ष लिया। इतना ही नहीं, पुलिस पर रिश्वत मांगने का भी आरोप है। ग्राम गोपालपुरा निवासी वासू भील ने बताया कि उसने अपनी 6 भैंसों को चराई पर छोड़ा था, जो शाम तक वापस नहीं लौटीं। वासू ने आरोप लगाया कि खोजबीन के बाद वह शाहगढ़ थाना गया था लेकिन पुलिस ने एफ़आईआर दर्ज करने के बजाय केवल आवेदन लिया और तलाश का आश्वासन दिया। छह माह बीतने के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं हुई। इसी बीच वासू ने अपनी तलाश जारी रखी और ग्राम बरतला में पप्पू सरार के घर पर उसी हुलिए की चार भैंसें बंधी हुई देखीं।

मातृशक्ति की अगुवाई में पुतला दहन कर दर्ज कराया कड़ा विरोध अभद्र बयान के विरोध में विप्र समाज का उफान

प्रशासन ने स्थल पर ही लिया ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

अजाक्स कर्मचारी संगठन के प्रदेश अध्यक्ष संतोष वर्मा द्वारा ब्राह्मण समाज के प्रति कथित अभद्र टिप्पणी के विरोध में मंगलवार को अनूपपुर में व्यापक जनाक्रोश देखने को मिला। जिला विप्र समाज, अखिल भारतीय एकीकृत ब्राह्मण परिषद, अखंड ब्राह्मण समाज एवं आर्यावर्त ब्राह्मण महासभा के संयुक्त तत्वावधान में इंदिरा चौक हॉस्पिटल के समीप विशाल विरोध सभा एवं पुतला दहन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में जिलेभर से सैकड़ों विप्रजन, मातृशक्ति एवं युवा बड़ी संख्या में शामिल हुए। विरोध कार्यक्रम की प्रमुख विशेषता रही समाज की मातृशक्ति की सशक्त उपस्थिति। महिलाओं ने संतोष वर्मा का पुतला दहन कर अपना आक्रोश प्रकट किया तथा प्रतीकात्मक रूप से चूड़ियाँ भेंट कर यह संदेश दिया कि किसी भी समाज की महिलाओं की गरिमा पर प्रहार किसी भी परिस्थिति में स्वीकार्य नहीं है। "जय जय परशुराम" और "ब्राह्मण समाज एक हो" के नारे से पूरा क्षेत्र गूँज उठा। इंदिरा चौक पर बनाए गए विशाल पंडाल में जैतहरी, कोतमा, बिजुरी, बर्थरई, बरगवां, देवहरा, कोतमा, मेड़ियारास, वेंकटनगर सहित दूरस्थ अंचलों से श्रद्धालु और समाजजन पहुंचे। विरोध पूरी तरह अनुशासित रहा। विरोध की गंभीरता को देखते हुए प्रशासनिक अधिकारी स्वयं सभा स्थल पर पहुंचे और ज्ञापन प्राप्त किया। ज्ञापन में संतोष वर्मा पर तत्काल एफआईआर दर्ज करने एवं कठोर कानूनी कार्रवाई की मांग प्रमुख रही। सभा में अनेक सामाजिक कार्यकर्ता, ब्राह्मण संगठनों के प्रतिनिधि एवं वरिष्ठ पदाधिकारी मंच पर उपस्थित रहे।

मातृशक्ति की व्यापक सहभागिता

महिलाओं की प्रभावी उपस्थिति इस विरोध की विशेष पहचान रही। मुख्य रूप से श्रीमति सावित्री त्रिपाठी, श्रीमती संध्या पांडे, श्रीमती सुनैना मिश्रा, बसंती शर्मा, कविता मिश्रा, श्रीमती गौतम सहित बड़ी संख्या में महिलाओं ने नेतृत्व किया। वक्ताओं ने कहा कि यह मामला किसी एक संगठन का नहीं, बल्कि समाज की सांस्कृतिक मर्यादा, सम्मान और अस्तित्व से जुड़ा गंभीर प्रश्न है।वक्ताओं ने चेताया कि यदि संतोष वर्मा पर शीघ्र कार्रवाई नहीं हुई, तो जिलेभर में चरणबद्ध और व्यापक आंदोलन खड़ा किया जाएगा। जनभावनाओं की गंभीरता और भीड़ की व्यापकता को देखते हुए नायब तहसीलदार मंगलदास चक्रवर्ती अपनी टीम के साथ पंडाल में पहुंचे और आयोजकों से ज्ञापन प्राप्त किया। ज्ञापन में संतोष वर्मा पर तत्काल एफआईआर, कठोर दंडात्मक कार्रवाई, समाजिक सौहार्द बिगाड़ने वाले बयानों पर कानूनी नियंत्रण प्रमुख रूप से रहा। कार्यक्रम का संचालन विभिन्न मंच संचालकों ने किया। अंत में संयोजक पंडित रामनारायण द्विवेदी ने सभी ब्राह्मण संगठनों, मातृशक्ति, युवाओं, पुलिस प्रशासन और मीडिया प्रतिनिधियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

चलती बाइक से गिरी महिला, गंभीर हालत

अमानगंज। किषनगढ़ मुख्य सड़क मार्ग हिनौती ग्राम के पास मंगलवार षाम 7 बजे एक चलती मोटर बाइक से 45 वर्षीय महिला नीचे गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गई। हादसे के बाद राहगीरों ने तुरंत पुलिस व 112 को सूचना दी। घायल महिला की पहचान चंद्रमुखी पति कुंज बिहारी पटेल, उम्र 45 वर्ष, निवासी मोहार के रूप में हुई है। गिरने से महिला को गंभीर चोटें आईं, जिसके बाद 112 वाहन के स्टाफ प्रधान आरक्षक कल्पना बागरी पायलट जय कुषवाह ने मौके पर पहुंचकर उन्हें अमानगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुँचाया।

'सॉरी पापा... उस लड़की ने मेरी फीलिंग्स के साथ खिलवाड़ किया'

फाइनेंस मैनेजर ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

सतना। जिले के ट्रांसपोर्ट नगर में एक फाइनेंस कंपनी के 26 वर्षीय मैनेजर शिवमोहन सिंह ने सोमवार को अपने ऑफिस चैंबर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना स्थल से एक भावुक सुसाइड नोट मिला है, जिसमें मृतक ने अपनी मौत का जिम्मेदार एक लड़की को ठहराया है और अपने पिता से मार्मिक अपील की है। रीवा जिले के सगरा देवतालाब निवासी शिवमोहन सिंह ने सुसाइड नोट में लिखा है कि मेरी मौत की जिम्मेदार वह लड़की है, उसने मेरी फीलिंग्स के साथ बहुत खिलवाड़ किया है। उन्होंने अपने अकेलेपन और शराब पीने की बात का भी जिक्र किया। शिवमोहन ने अपने पिता से अपील की है कि वह उनकी पत्नी स्वाती की दूसरी शादी करा दें और गिरवी रखी हुई उनके बेटे 'गोलू' की स्कूटी को छुड़वा लें। उन्होंने अपनी अंतिम इच्छा के रूप में अंग दान करने की बात भी लिखी है। कर्मचारियों की सूचना पर पहुंचे शिवमोहन के मामा ने जब दरवाजा तोड़ा तो उन्हें फंदे पर लटका पाया। कोलगवां पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मर्ग कायम कर लिया है और सुसाइड नोट में जिक्र की गई 'लड़की' समेत अन्य पहलुओं की गहनता से जांच की जा रही है।

नवविवाहिता की मौत मामले में ससुर गिरफ्तार, पति की तलाश जारी

रीवा।

गुढ़ थाना क्षेत्र के गुढ़वा में नवविवाहिता की गला घोटकर हत्या करने के मामले में गुढ़ पुलिस ने ससुर और मृतका के पति के खिलाफ दहेज प्रताडन्ना सहित हत्या का प्रकरण पंजीबद्ध किया था, जिसके बाद पुलिस ने आरोपी ससुर को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि पति की तलाश जारी है। घटना के बाद से ही आरोपी पति फरार है। 29 नवंबर की सुबह पुलिस को घटना की सूचना मिली थी। मृतका नेहा के जेठ पुष्पराज पटेल ने बताया था कि उसका भाई रंजीत और भयाहू नेहा पटेल अपने कमरे से बाहर नहीं निकले तो उसके पिताजी ने आवाज दिया एवं देखा कि कमरे का दरवाजा बाहर से बंद है। कमरे का दरवाजा खोलने पर देखे कि नेहा पटेल कमरे के अंदर जमीन पर पड़ी थी। जब वो मौके पर पहुंचे तो देखा की नेहा पटेल कमरे में पलंग के नीचे चित हालत मे पड़ी थी एवं गले में सफेद गमछा कसकर बंधा हुआ था और उसकी मृत्यु हो गई थी । मायके पक्ष के लोगों ने घटना की सूचना के बाद पुलिस को बताया कि दहेज की मांग को लेकर नेहा को उसका पति और ससुर प्रताड़ित करते थे। करीब 30 घंटे बाद मृतका का अंतिम संस्कार हो सका था। मायके पक्ष के लोगों ने एसपी से भी मामले में आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई कर न्याय की गुहार लगाई थी। पुलिस ने पीएम के बाद हत्या का मामला पंजीबद्ध किया था। जिसके बाद मृतका के ससुर श्रीकृष्ण पटेल को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।दहेज में बाइक नहीं मिलने से कर रहे थे प्रताड़ितगुढ़ पुलिस ने बताया कि मायके पक्ष के लोगों ने बताया कि मृतका नेहा पटेल के ससुर कृष्ण पटेल एवं पति रंजीत पटेल दहेज मे मोटर साईकल नहीं मिलने के कारण नेहा पटेल के साथ मारपीट कर उसे शारीरिक व मानसिक रूप से प्रताड़ित करते थे। उक्त दहेज नहीं मिलने के कारण 28- 29 नवंबर की दरमियानी रात आरोपी पति रंजीत पटेल ने पत्नी नेहा पटेल को कमरे में सफेद गमछा से गला घोंटकर हत्या कर दिया, जिससे उसकी मृत्यु हो गई। पुलिस ने जांच के बाद आरोपी रंजीत पटेल व उसके पिता श्रीकृष्ण पटेल के विरूद्ध अपराध पंजीबद्ध किया था जिसके बाद आऱोपी ससुर श्रीकृष्ण पटेल को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय मे पेश किया गया है।

युवती ने नस काटकर किया आत्महत्या का प्रयास, प्रेमी पर कानूनी कार्रवाई की मांग

सतना। कोलगवां थाना क्षेत्र की नई बस्ती में सोमवार देर रात एक युवती ने अपने प्रेमी से हुए विवाद के बाद हाथ की नस काटकर आत्महत्या का प्रयास किया। घटना के तुरंत बाद,गंभीर अवस्था में युवती को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहाँ प्राथमिक उपचार के बाद उसकी हालत में सुधार बताया जा रहा है। परिजनों के अनुसार युवती फोन पर अपने प्रेमी अमित कुशवाहा निवासी ताला से बात कर रही थी। शादी की बात को लेकर दोनों के बीच विवाद बढ़ गया, जिसके बाद युवती ने आवेश में आकर ब्लेड से अपनी नस काट ली। युवती ने बताया कि वह पिछले तीन वर्षों से अमित के साथ संबंध में है और उससे विवाह करना चाहती है, लेकिन अमित तैयार नहीं है। परिजनों ने बताया कि छह माह पहले भी युवती ने इसी कारण से आत्महत्या का प्रयास किया था,तब भी शिकायत दर्ज नहीं की गई थी। इस बार,अस्पताल में भर्ती युवती ने अपने प्रेमी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने कहा है कि इस संबंध में अभी तक कोई औपचारिक शिकायत दर्ज नहीं की गई है।

"70 साल से भी पहले कैलिफोर्निया की पालोमर वेधशाला में वैज्ञानिकों ने कई तारों जैसी चमकों की तस्वीरें ली थीं। ये चमकें एक घंटे के अंदर आईं और चली गईं और यह उस समय की बात है जब पहला सैटेलाइट स्पुतनिक 1 लॉन्च भी नहीं हुआ था।"

सुलझ गई 70 साल पुरानी 'यूएफओ मिस्ट्री', पालोमर टेलीस्कोप की तस्वीरों में दिखी अजीब चमक

वॉशिंगटन। अब वैज्ञानिकों ने उन पुरानी तस्वीरों को फिर से देखा है। ये शीत युद्ध के दौरान हुए परमाणु हथियारों के परीक्षणों की तारीखों पर या उसके आस-पास दिखाई दीं। अब सवाल आता है कि क्या ये घटनाएं आपस में जुड़ी हो सकती हैं।

क्यों खास है ये चमक?

वैसे तो आसमान में ऐसी चमकें कभी-कभी बदलते हुए तारों, उल्काओं या कैमरे/दूरबीन की खराबी जैसी सामान्य चीजों के कारण भी दिखाई दे सकती हैं। पालोमर की कई चमकों की खासियतें अलग हैं। उनमें से कुछ नुकीले बिंदु जैसे आकार की थीं जो सीधी लाइन में लगी हुई दिखाई देती थीं। नए शोध के लेखक कहते हैं कि इन चमकों के ऐसे आकार और विशेषताएं किसी भी ज्ञात प्राकृतिक कारण या दूरबीन की खराबी से मेल नहीं खातीं।

वैज्ञानिकों की इसपर क्या राय है?

इस रिसर्च के सह-लेखक स्टीफन ब्रुहल ने कहा, इसका मतलब है कि हमें कम से कम इस बात पर विचार करना होगा कि ये चमकें कहीं से आई हुई इंसानों द्वारा बनाई गई चीजें हो सकती हैं। स्वीडन के एक वैज्ञानिक के साथ मिलकर ब्रुहल ने यह रिसर्च की है।

क्यों सहमत नहीं हैं वैज्ञानिक?

सभी वैज्ञानिक इन तस्वीर की डिटेल्स से सहमत नहीं हैं। कुछ वैज्ञानिकों का कबना है कि, उस समय की तकनीकें बहुत लिमिटेड थीं इसलिए इन पुराने डेटा को पक्के तौर पर समझना बहुत मुश्किल है। ब्रिटेन के मैनचेस्टर विश्वविद्यालय के माइकल गैरेट ने पुराने डेटा का इस्तेमाल करने के लिए विलारोएल की टीम की तारीफ की. हालांकि, उन्होंने इन नतीजों को बहुत ज्यादा सही मानने के खिलाफ चेतावनी दी। उन्होंने बताया कि स्पुतनिक से पहले का डेटा अच्छा नहीं था।

क्या आए रिसर्च के नतीजे?

विलारोएल की टीम ने 2,718 दिनों के टेलीस्कोप डेटा की जांच की और उन्हें 310 रातों में आसमान में अजीब घटनाएं मिलीं। इन रातों में एक ही दिन कई जगहों पर कुल 4,528 चमक दिखाई दी। लेकिन ,ये घटनाओं से ठीक पहले या बाद में ली गई किसी भी तस्वीर में या बाद में किसी भी सर्वेक्षण में दिखाई नहीं दी।

रोचक खबरें

पिता के अपमान पर दुल्हन ने मंडप में ही ठुकराया दूल्हा

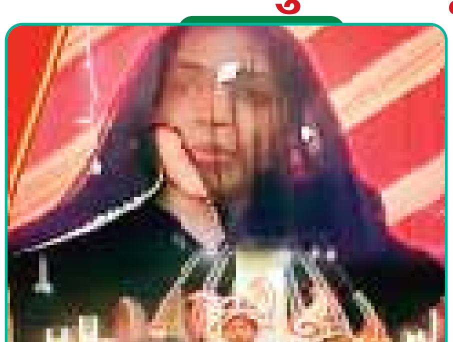

नई दिल्ली। सजा-धजा मंडप, रंग-बिरंगी लाइटें, ढोल-नगाड़ों की थाप और शादी की रस्मों की रौनक सब कुछ धरा का धरा रह गया, जब मंडप में पहुंचने के कुछ देर बाद दुल्हन ने दूल्हे से शादी करने से इंकार कर दिय।. यह कोई फिल्मी सीन नहीं, बल्कि उत्तर प्रदेश के वाराणसी के शिवपुर थाना क्षेत्र के बसही इलाके में हुई हकीकत है।

जानकारी के अनुसार, दुल्हन ने शादी से इस तरह इंकार इसलिए किया, क्योंकि लड़के वालों द्वारा लगातार दहेज की मांग की जा रही थी। बताया जा रहा है कि दहेज में 25 हजार रुपए की बकाया राशि को लेकर दूल्हे की मां ने दुल्हन के पिता का अपमान किया।

दुल्हन ने बुला ली पुलिसः दुल्हन के पिता ने अपनी बेटी की शादी में पूरा खर्च कर्ज लेकर किया था। लेकिन, इस छोटी-सी रकम के विवाद और अपमान ने दुल्हन को इतना आहत कर दिया कि उसने स्टेज से दूल्हे को उतारते हुए शादी से साफ इंकार कर दिया। घटना के बाद दुल्हन ने तुरंत पुलिस को बुलाया।

मंडप से सीधे जेल पहुंचा दूल्हा

पुलिस मौके पर पहुंचकर दूल्हे को हिरासत में ले लिया और उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया। अब इस मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। यह घटना दहेज प्रथा की कड़वी हकीकत को सामने लाती है और यह स्पष्ट संदेश देती है कि किसी भी रिश्ते में सम्मान और इज्जत की अहमियत सबसे ऊपर होनी चाहिए।

फेमस हस्तियों की कब्र के बगल में दफन होने का अजीबोगरीब ऑफर

पेरिस। सोचिए...जिंदगी भर हम जिन सितारों को स्क्रीन पर देखते हैं, उनके गाने सुनते हैं, उनके किस्से पढ़ते है।..अगर मौका मिले कि मौत के बाद हमारी आखिरी 'जगह' उन्हीं के बगल में हो तो? सुनने में अजीब लगता है, लेकिन यही सच है। पेरिस में इन दिनों एक ऐसी स्कीम वायरल हो रही है, जिसने लोगों को चौंकाने के साथ-साथ रोमांचित भी किया है। यहां की स्थानीय सरकार ने वो ऑफर लॉन्च कर दिया है, जिसे लोग 'आफ्टरलाइफ सेलिब्रिटी पास ' भी कह रहे है। फ्रांस की राजधानी पेरिस ने दुनिया को हिलाकर रख देने वाला ऑफर शुरू किया है। यहां की नगरपालिका ने एक लॉटरी स्कीम लॉन्च की है, जिसमें लोग अपनी मौत से पहले ही यह तय कर सकते हैं कि उनकी कब्र कहां बनेगी, वो भी किसी मशहूर कलाकार, लेखक या संगीतकार की कब्र के ठीक बराबर में। ये वे कब्रगाह हैं जहां दुनिया की सबसे मशहूर हस्तियां चैन की नींद सोई हुई हैं जैसे- ऑस्कर वाइल्ड, जिम मॉरिसन, एडिथ पियाफ और कई ऐतिहासिक कलाकार. सोचकर देखिए, जिनकी फोटो लोग सालों बाद भी फूल और मोमबत्ती के साथ सजाते है।.

रूसी फिटनेस इन्फ्लुएंसर के लिए जानलेवा बना 10 हजार कैलोरी जंक फूड चैलेंज

मॉस्को। रूस के फिटनेस कोच और इन्फ्लुएंसर दिमित्री नुयानजिन की बिंज-ईटिंग चैलेंज में हिस्सा लेने के बाद मौत हो गई है। रशियन शहर ऑरेनबर्ग के 30 साल के दिमित्री की सोते समय जान चली गई, जब वह ईटिंग चैलेंज के जरिए अपने वेट-लॉस प्रोग्राम को प्रमोट करने की कोशिश कर रहे थे। इस चैलेंज में उनका मकसद कम से कम 25 किग्रा तक वजन बढ़ाना था। ये चैलेंज उनके लिए जानलेवा साबित हुआ और हार्ट फेल होने से मौत हो गई।

नुयानजिन ने इस चैलेंज के तहत कई हफ्ते तक जंक फूड खाया। वह कह रहे थे कि इससे उनके क्लाइंट्स भी उनके साथ वजन कम करने पर काम करेंगे। एक रिपोर्ट के मुताबिक, वह एक दिन में 10,000 से ज्यादा कैलोरी लेते थे। वह अपना ट्रांसफॉर्मेशन दिखाने के लिए इसे पूरी तरह कम करने का प्लान बना रहे थे।

नुयानजिन ने अपनी मौत के एक दिन पहले ट्रेनिंग सेशन कैंसिल कर दिए थे। उन्होंने दोस्तों को बताया कि तबीयत ठीक नहीं है और वह डॉक्टर से मिलेंगे। इसके कुछ घंटे बाद ही सोते समय नुयानजिन का हार्ट फेल हो गया। नुयानजिन की 18 नवंबर की आखिरी इंस्टाग्राम पोस्ट में उन्हें चिप्स खाते हुए दिखाया गया था। उन्होंने बताया था कि अब उनका वजन 13 किलो बढ़कर 105 किग्रा हो गया है। नुयानजिन की मौत को सोशल मीडिया यूजर्स ने चौंकाने वाली बताते हुए परिवार के प्रति अपनी संवेदना जताई है। कई यूजर्स ने कहा कि यह मौत ऐसे चैलेंज लेने वाले युवाओं के लिए एक सबक है। एक यूजर ने लिखा, 'ऐसी थ्योरी को प्रैक्टिकल में साबित करना ठीक नहीं है।

दूसरे ने कहा कि अगर आपको जंकी फ्राइज फास्ट फूड की आदत नहीं है तो यह आपको सच में आपकी जान ले सकता है।

एआई का युग

एआई ने बताया कैसी होनी चाहिए लड़के और लड़की की परफेक्ट बॉडी

शारीरिक बनावट और सौंदर्यात्मक सामंजस्य को शामिल किया

ओटावा। आज का समय एआई का युग है। हाल ही में वैज्ञानिकों ने एआई के तीन अलग-अलग एआई 'बोट' से सवाल किया कि लड़के और लड़की की आडियल तस्वीर बनाएं। एआई ने फोटो बनाने के लिए चेहरे/शरीर की अनुपातिता, शारीरिक बनावट और सौंदर्यात्मक सामंजस्य को शामिल किया है।

परफेक्ट बॉडी

एआई ने अपनी कल्पना के आधार पर ये फोटो बनाई है। इन फोटो ने समाज में एक बहस खड़ी कर दी है। वैज्ञानिकों का कहना है कि परफेक्ट बॉडी जैसी अवधारणा की वजह से युवा अपनी बॉडी को उसी पैमाने में मापने लग सकते हैं। परफेक्ट बॉडी की वजह से आने वाले समय में समस्या हो सकती है। फिगर-आधारित फिटनेस या फैशन इंडस्ट्री के दायरे में बनी नॉर्मल बॉडी शेप सेहत के लिए, बल्कि फैशन और कपड़ों की बिक्री के लिए है।

एआई ने बनाई ये ऐसी फोटो : आई के परिणाम के अनुसार एक आदर्श महिला का चेहरा आकर्षक, यंग, गोरी और स्टाइलिश कपड़े और वहीं लड़कों को शर्टलेस, काले बाल और एथलीट बॉडी है। अध्ययन के अनुसार डॉ. डेलाने थिबोडो ने कहा कि एआई के द्वारा बनाई गई 300 फोटो की कोडिंग में पाया गया है कि एआई विविधता का अभाव देखने को मिला है। वहीं, अधिकांश फोटो में गोरे लोग दिखाई दे रहे थेष। परफेक्ट शरीर के बारे में विचार काफी बदल गए हैं।

पतले होने की चाहत देखी गई

उदाहरण के लिए, 1950 के दशक में, जब महिलाएं मर्लिन मुनरो और एलिजाबेथ टेलर जैसी दिखने की चाहत रखती थीं, तब वज़न बढ़ाने वाली गोलियां बाज़ार में आ गईं, जबकि 90 के दशक में महिलाओं में 'हेरोइन चिक' कहे जाने वाले पतले होने की चाहत देखी गई। अध्ययन में, टीम ने यह समझने की कोशिश की कि अब एआई आदर्श पुरुष और महिला शरीर को किस रूप में देखता है।

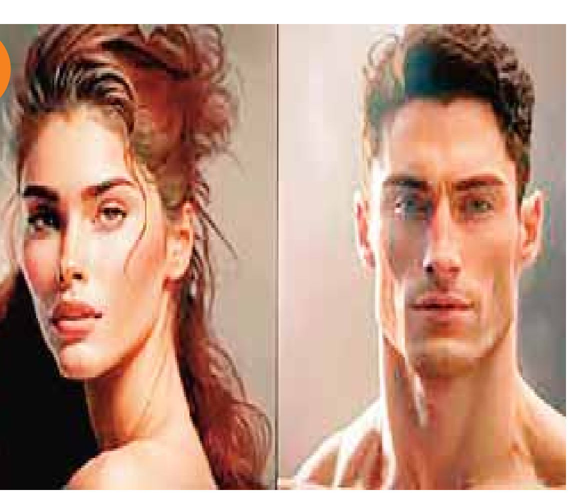

एथलीट बॉडी

तीन अलग-अलग एआई प्लेटफ़ॉर्म - मिडजर्नी, डॉल-ई और स्टेबल डिफ्यूज़न को महिला और पुरुष शरीर, जिनमें एथलीट भी शामिल थे। कुल मिलाक, 300 तस्वीरें तैयार की गईं , 120 पुरुषों की, 120 महिलाओं की और 60 एथलीटों की। इन तस्वीरों के विश्लेषण से कई प्रमुख रुझान सामने आए। ज़्यादातर 66.7 प्रतिशत पुरुष तस्वीरें और 62.5 प्रतिशत महिला तस्वीरें में गोरे लोग दिखाई दे रहे थे। सभी फोटो में यंग लोग नजर आ रहे हैं।

ब्लाइंड डेट और उड़ गए खाते से 30 लाख, प्यार में लगा बंदे को तगड़ा झटका

बीजिंग। चीन में रहने वाले 40 वर्षीय हुआंग झोंगचेंग की कहानी इन दिनों सोशल मीडिया पर खूब चर्चा में है। हुआंग ने एक महिला से सिर्फ चार घंटे की मुलाकात के बाद उसी दिन शादी कर ली, लेकिन इस जल्दबाजी का नतीजा यह हुआ कि एक महीने के भीतर ही उनकी सारी जमा-पूंजी, यानी करीब 2,40,000 युआन (लगभग 34,000 अमेरिकी डॉलर), गायब हो गई। हुआंग का कहना है कि वह महिला एक ब्यूटी सैलून में काम करती है और पहली ही मुलाकात में उसने जिद करके उसी दिन शादी का रजिस्ट्रेशन करवाया। हुआंग के मुताबिक, शादी के बाद उस महिला ने तरह-तरह के खर्चों का हवाला देकर उनकी पूरी बचत खर्च करवा दी। हुआंग हूनान प्रांत के हेंगयांग शहर के रहने वाले हैं। उन्होंने बताया कि 21 अगस्त की सुबह उनकी मुलाकात इस महिला से एक ब्लाइंड डेट पर हुई थी। उन्हें यह भी अजीब लगा कि रास्ते में अचानक आठ अलग-अलग मैचमेकर सामने आ गए। उनके अपने गांव का मैचमेकर पहले से ही साथ था, यानी कुल नौ लोग उसी महिला की सिफारिश कर रहे थे।

कैसे लगा इतना तगड़ा झटका

हुआंग ने कहा कि इतने सारे लोग उसी लड़की की तारीफ कर रहे थे, मुझे कुछ समझ नहीं आया। वह बार-बार कह रही थी कि आज ही सब कुछ निपटा देते हैं। हुआंग बताते हैं कि उसी दिन शाम करीब पांच बजे दोनों ने शादी का रजिस्ट्रेशन करवा लिया। उन्हें खुद भी यकीन नहीं हो रहा था कि यह सब इतना जल्दी हो गया कि मुझे लगा जैसे सपना देख रहा हूं। उस रात दोनों एक होटल में रुके और वहीं उनका पहला और आखिरी शारीरिक संबंध हुआ। इसके बाद, जब भी वह अपनी पत्नी के करीब आने की कोशिश करते, वह उन्हें दूर कर देती।

भारत में मिला 37 हजार साल पुराना कांटे वाला बांस!

नई दिल्ली। भारत में हुई एक खोज ने पूरे एशिया के आइस एज यानी हिम युग का सीक्रेट सुलझा दिया है। आइस एज का मतलब धरती पर हजारों साल पहले का वो समय, जब धरती का तापमान काफी कम हुआ करता था और चारों तरफ बर्फ ही बर्फ थी। भारत के रिसर्चरों की टीम एक नदी के गाद वाले जमाव में कुछ जांच रही थी तभी एक अलग सी चीज दिखाई दी। वह बांस था। यह एशिया में सबसे पुराने कांटेदार बांस का फॉसिल था।

मणिपुर की इंफाल घाटी में चिरांग नदी के गाद वाले जमाव में शोधकर्ताओं को सही-सलामत बांस का तना मिला है। इस पर बहुत पहले गायब हो चुके कांटों के निशान हैं। एशिया का यह सबसे पुराना कांटेदार बांस का फॉसिल पूरे एशियाई महाद्वीप के वनस्पति इतिहास का नया अध्याय लिख सकता है।

बांस के तना पर था अजीब निशान

विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग के एक स्वायत्त संस्थान बीरबल साहनी इंस्टीट्यूशन ऑफ पैलियोसाइंसेज के वैज्ञानिक को मणिपुर की इंफाल वैली में चिरांग नदी के गाद-वाली जगह में सर्वे के दौरान अचानक एक बांस का तना मिला जिस पर अजीब निशान थे। उनके विस्तृत विश्लेषण से पता चला कि ये कांटों के निशान हैं। इससे इसकी पहचान और महत्व के बारे में और जांच शुरू हुई। लैब में इसकी बनावट जैसे नोड्स, कलियों और कांटों के निशान की चांज करके इसे चिमोनोबाम्बुसा जीनस का बताया गया। बैम्बुसा बैम्बोस और चिमोनोबाम्बुसा कैलोसा जैसे मौजूदा कांटेदार बांसों से तुलना करने पर इसके बचाव करने वाले गुणों और इकोलॉजिकल भूमिका को फिर से बनाने में मदद मिली। लैब में इसकी मॉर्फोलॉजी नोड्स, बड्स और कांटों के निशान की स्टडी के ज़रिए उन्होंने इसे चिमोनोबाम्बुसा जीनस का बताया।

धरती का अकेला फल, जो नीला न होते हुए भी दिखता है 'नीला'

न्यूयार्क। आपने फल बहुत सारे खाए होंगे। हरेक फल का अपना कोई न कोई रंग जरूर होता है। यह रंग उनके अंदर मौजूद पिगमेंट की वजह से होता है। यानी कि अगर उसमें हरा पिगमेंट होगा तो वह फल हरा दिखेगा और पीला पिगमेंट ज्यादा होता तो पीला नजर आएगा। लेकिन जरा सोचिए, आपको एक ऐसा फल मिले, जो देखने में चमकता नीला हो, लेकिन उसमें नीले रंग का एक भी कण न हो तो कैसा लगेगा। विज्ञान जगत की इस अजीब पहेली पर जहां रिसर्चर उत्साहित हैं, वहीं दुनिया हैरान कि ऐसा कैसे हो सकता है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, वैज्ञानिकों ने हाल ही में ऑस्ट्रेलिया, पापुआ न्यू गिनी और इंडोनेशिया के घने बारिश वाले जंगलों में मिलने वाले एक पेड़ पर रिसर्च की है। इस पेड़ का नाम नीला कुआनदोंग है, जिसे कुछ जगह ब्लू मार्बल ट्री के नाम से भी जाना जाता है। इस पेड़ पर लगने वाले फल को देखें तो पहली नजर में ऐसा लगता है, जैसे कि किसी धातु पर नीला पेंट चढ़ा दिया गया हो। यानी कि वह असली फल लगता ही नहीं है। हालांकि, यही इस रिसर्च का सबसे रोमांचक हिस्सा है।

प्रकृति की सबसे बड़ी 'ऑप्टिकल ट्रिक'

रिसर्च में सामने आया कि ब्लू कुआनदोंग फल का रंग पिगमेंट नहीं, बल्कि संरचनात्मक रंग की वजह से नीला दिखता है। इसे आप ऐसे समझ सकते हैं कि जैसे मोर की गर्दन नीले रंग में चमकती है, तितली के पंख झिलमिलाते हैं और भौंरे पर धातु जैसा रंग दिखाई देता है। शोधकर्ताओं के मुताबिक, इस फल की त्वचा में नैनो-स्तर पर बेहद महीन सेलुलोज परतें होती हैं, जो रोशनी को इस तरह मोड़ती हैं कि सिर्फ नीली तरंगें वापस लौटती हैं और बाकी सभी रंग गायब हो जाते हैं।

जब वैज्ञानिकों ने इसका पिगमेंट निकालने की कोशिश की तो उसमें प्राप्त सामग्री ग्रे निकली। इससे पुष्टि हो गई कि वह फल नीला दिखता तो है, लेकिन उसमें नीला रंग होता नहीं है।

वनस्पति इतिहास में पहली बार दिखा ऐसा नजारा- वनस्पति विज्ञान के इतिहास में यह पहली बार है, जब किसी फल में इतनी गहरी नीली चमक देखी गई हो। दुनिया में अब तक ऐसे कुछ ही उदाहरण मिले हैं। जहां पर संरचनात्मक नीला नजर आया है। फलों में तो इस तरह की बात लगभग अनसुनी जैसी थी।

पक्षियों के लिए प्रकृति का नीला इशारा?

वैज्ञानिकों का मानना है कि इस फल में गहरा नीला रंग पक्षियों को आकर्षित करने के लिए बना होगा। चूंकि यह फल घने जंगल में उगे पेड़ पर लगता है, जहां सूरज की रोशनी कम पहुंचती है। ऐसे में यह चमकीला नीला फल UV और ब्लू लाइट में दूर से चमक उठता है। जिसकी वजह से पक्षी इसे तुरंत पहचान लेते हैं। वे

खगोल

थुम्बा-जहां 1960 के दशक में इसरो शुरू हुआ था

केरल के इन नामों से जानी जाएंगी मंगल ग्रह की खास जगहें

नई दिल्ली। केरल के प्रसिद्ध नाम जैसे थुम्बा, वर्कला, पेरियार, वलियामाला और बेकल अब सिर्फ भारत के शहर नहीं रहे। इन नामों को अब मंगल ग्रह पर मौजूद गड्ढों और घाटियों को दिया गया है जिसे अंतरराष्ट्रीय खगोलीय संघ ने मंजूरी दे दी है। मंगल ग्रह के जैंथे टेरा इलाके में एक 3.5 अरब साल पुराना गड्ढा है, जिसे महान भारतीय भूविज्ञानी एम.एस. कृष्णन को सम्मान देने के लिए यह नाम दिया गया है। मंगल ग्रह की जिन जगहों को केरल से जुड़े ये नाम मिले हैं उनका प्रस्ताव केरल के शोधकर्ता आसिफ इकबाल कक्कासेरी और राजेश वीजे ने दिया था। कक्कासेरी पहले इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ स्पेस साइंस एंड टेक्नोलॉजी)में काम करते थे। अब वे कासरगोड के सरकारी कॉलेज में असिस्टेंट प्रोफेसर हैं। उन्होंने आईआईएसटी के राजेश के साथ मिलकर एक सिसर्च की जिसमें उन्होंने चांद या मंगल पर एक क्रेटर में पुराने समय के ग्लेशियर और नदी बहने के निशान खोजे। 3 बड़ी जगहों के नाम पानी और बर्फ के निशानों के कारण कृष्णन क्रेटर, कृष्णन पलुस और पेरियार वल्लिस रखे गए हैं।

नामकरण में केरल का योगदान

कुछ क्रेटरों के नाम केरल की जगहों पर रखे गए हैं जैसे वलियामाला जहां आईआईएसटी स्थित है, थुम्बा-जहां 1960 के दशक में इसरो शुरू हुआ था, वर्कला- यहां की चट्टानें मंगल की तरह खास हैं, बेकल- एक ऐतिहासिक किला और पेरियार जो कि केरल की सबसे लंबी नदी है। इन नामों को ऐसे छोटे शहरों के नाम पर रखा गया है जिनकी आबादी 1,00,000 से कम है। इन शहरों के नाम सांस्कृतिक रूप से महत्वपूर्ण होने के साथ बोलने में आसान हैं। इन नामों के साथ यह पहली बार है कि मंगल ग्रह पर केरल की जगहों के नाम रखे गए हैं। अब ये नाम गंगा और देवेंद्र लाल जैसे अन्य भारतीय नामों के साथ शामिल हो गए हैं।

शुरुआत में हुई थी मुश्किलें

टीम को शुरुआत में मना कर दिया गया था, क्योंकि नामों को बोलना या नियमों का पालन करना मुश्किल था। लेकिन टीम ने हार नहीं मानी और लगातार कोशिक की और आखिरकार उन्हें आईएयू से मंजूरी मिल गई। उनका शोध मेटियोरिटिक्स एंड प्लैनेटरी साइंस नाम की पत्रिका में छपा है, जो दिखाता है कि मंगल ग्रह पर जैंथ टेरा नाम की जगह पर पानी के निशान हैं।

एलन कॅरियर का हर विद्यार्थी दे रहा बेहतर परिणाम

एलन कोटा में एडमिशन शुरू, स्पेशल फी-बेनिफिट 20 दिसंबर तक

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कोटा

एलन कॅरियर इंस्टीट्यूट में सत्र 2026-27 के एडमिशन की प्रक्रिया शुरू हो गई। संस्था द्वारा 20 दिसंबर तक अर्ली फी बेनिफिट की घोषणा की गई है। इस तिथि तक प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों को रियायती फीस पर एडमिशन दिया जाएगा। इस तिथि के बाद एडमिशन लेने वाले विद्यार्थियों को बढ़ी हुई फीस देनी होगी।

एलन कोटा प्रसीडेंट विनोद कुमावत ने बताया कि एलन की ओर से आयोजित की गई टैलेंटेक्स परीक्षा के परिणाम जारी कर दिए गए हैं। ऐसे में जिन विद्यार्थियों को इस परीक्षा में प्रदर्शन के आधार पर स्कॉलरशिप दी जा रही है, उनके लिए दोहरा लाभ लेने का अवसर है। ऐसे विद्यार्थी रियायती फीस पर टैलेंटेक्स स्कॉलरशिप का लाभ लेते हुए शुल्क जमा करवा सकते हैं। इंजीनियरिंग व मेडिकल प्रवेश परीक्षाओं की तैयारी के लिए देश के ख्यातनाम संस्थान एलन कॅरियर इंस्टीट्यूट हर विद्यार्थी के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुलभ करवाने के अपने उद्देश्य के साथ-साथ बेहतर परिणाम दे रहा है।

विद्यार्थी रियायती फीस पर टैलेंटेक्स स्कॉलरशिप का लाभ लेते हुए शुल्क जमा करवा सकते है

जेईई-एडवांस्ड व जेईई-मेन हो या मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट-यूजी दोनों के परिणाम देश में बेहतर

एडमिशन की प्रक्रिया

आईआईटी में प्रवेश करने वाला हर चौथा विद्यार्थी एलन से रहा

वर्ष 2025 के परिणामों में भी आईआईटी में प्रवेश करने वाला हर चौथा विद्यार्थी एलन से रहा। जेईई एडवांस्ड 2025 के परिणामों के अनुसार देश की 23 आईआईटी में 18160 सीटों में से 4226 पर एलन कॅरियर इंस्टीट्यूट के स्टूडेंट्स ने प्रवेश लिया। यही नहीं देश की टॉप आईआईटी और बेस्ट ब्रांच मानी जाने वाली आईआईटी बॉम्बे कम्प्यूटर साइंस ब्रांच में भी 59 स्टूडेंट्स एलन से रहे। इसी तरह जेईई-एडवांस्ड 2025 के टॉप-5000 रैंक में आईआईटी में एडमिशन लेने वाले 4661 स्टूडेंट्स में से 1434 स्टूडेंट्स एलन कॅरियर इंस्टीट्यूट के रहे। गत दो वर्षों से एलन कॅरियर इंस्टीट्यूट कोटा ने जेईई-एडवांस्ड में आल इंडिया रैंक-1 देने का कीर्तिमान स्थापित किया है। इसी तरह मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट-यूजी के माध्यम से होने वाले प्रवेश की बात करें तो पिछले दो वर्षों से मेडिकल एजुकेशन के टॉप इंस्टीट्यूट एम्स में प्रवेश लेने वाला हर चौथा स्टूडेंट एलन कॅरियर इंस्टीट्यूट से है।

अंतरिक्ष में चल रही है धरती के भविष्य की फैक्ट्री!

वॉशिंगटन। अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन ने पिछले 25 वर्षों में धरती पर विज्ञान और टेक्नोलॉजी को नए मुकाम तक पहुंचाया है। यह स्टेशन पृथ्वी की निचली कक्षा में एक प्रयोगशाला के रूप में काम करता है, जहां गुरुत्वाकर्षण की कमी के कारण ऐसे प्रयोग संभव हो पाए जो धरती पर करना मुश्किल होता है। इस दौरान यहां 4,000 से अधिक प्रयोग किए गए, जिनके नतीजे आज हमारे अस्पतालों, शहरों और खेतों में नजर आते हैं।

आईएसएस से मिली रिसर्च ने आम इंसान की जिंदगी कैसे बदली?

हड्डियों और मांसपेशियों की सुरक्षा

माइक्रोग्रेविटी में हड्डियां और मांसपेशियां अलग तरीके से व्यवहार करती हैं। आईएसएस पर किए गए अध्ययन ने उम्र बढ़ने, हृदय पर दबाव और हड्डियों की कमजोरी जैसी समस्याओं को समझने में मदद की है। साथ ही मायोटोन नामक एक स्वास्थ्य उपकरण है, जो अंतरिक्ष यात्रियों की मांसपेशियों को मापने का काम करता है, अब धरती पर भी मांसपेशियों की समस्याओं का जल्दी पता लगाने में काम आता है। इसके अलावा, छोटे अल्ट्रासाउंड सिस्टम्स का परीक्षण भी यहां हुआ था। जो अब आपातकालीन और दूरदराज के इलाकों के क्लिनिकों में उपयोग किए जाते हैं।

साफ पानी और हवा

आईएसएस पर पानी की कमी को देखते हुए एक रीसायक्लिंग सिस्टम विकसित किया गया है, जो पानी की खपत को 65% तक कम करने का काम करता है। इस टेक्नोलॉजी को अब उन गांवों में उपयोग किया जा रहा है, जहां पानी की आपूर्ति स्थिर नहीं है। हवा की सफाई और नमी कंट्रोल के अध्ययन ने अस्पतालों, कार्यालयों और फैक्ट्री में वेंटिलेशन सिस्टम बेहतर बनाने में मदद की है।

आपदा राहत में मदद

आईएसएस के ऊपर से पृथ्वी का दृश्य हमेशा उपलब्ध रहता है। तूफान, आग, ज्वालामुखी और भूकंप जैसी घटनाओं की तस्वीरें आपदा प्रबंधन में मदद करती हैं। उदाहरण के तौर पर, 2010 में चिली में 33 खनिकों के फंसने पर नासा की सलाह उनके जीवन और स्वास्थ्य की सुरक्षा में मददगार साबित हुई है।

3डी प्रिंटिंग और फायर सेफ्टी मॉडल्स

अंतरिक्ष में द्रव, आग और पदार्थ अलग तरीके से काम करते हैं। आईएसएस पर आग के फैलने के अध्ययन से विमान, फैक्ट्री और ऊंची इमारतों में फायर सेफ्टी मॉडल्स बेहतर हुए हैं। वहीं, 3डी प्रिंटिंग के प्रयोग ने भविष्य की लंबी अंतरिक्ष यात्राओं के लिए धातु के उपकरण बनाने में मदद की है।

कानूनी लड़ाई जीतकर 3 फीट कद के गणेश बरैया बने डॉक्टर

एजेंसी ▶▶ गांधीनजर

मंज़िलें कभी ऊंचाई नहीं देखतीं, सिर्फ हौसले पहचानती हैं और गुजरात के गणेश बरैया इसकी सबसे जीवंत मिसाल हैं। महज़ 3 फीट कद, 72% दिव्यांगता और समाज की अनगिनत आशंकाओं के बीच भी उन्होंने डॉक्टर बनने का सपना न सिर्फ जिंदा रखा, बल्कि उसे सच भी कर दिखाया. कई बार कानून, नियम और लोग रास्ता रोकते रहे, लेकिन गणेश का जज्बा किसी दीवार से कम नहीं पड़ा। आज वे लाखों लोगों को यह विश्वास दे रहे हैं कि सपनों की ऊंचाई इंसान की ऊंचाई से कहीं ज्यादा बड़ी होती है। गुजरात के गणेश बरैया आज उन सभी लोगों के लिए प्रेरणा बन गए हैं जो परिस्थितियों से हार नहीं मानते।

मेडिकल काउंसिल ने किया था प्रवेश से मना : गणेश बरैया का संघर्ष तब शुरू हुआ जब मेडिकल काउंसिल ऑफ इंडिया ने 2018 में उन्हें सिर्फ कद के आधार पर एमबीबीएस में प्रवेश देने से इनकार कर दिया था। उनका कहना था कि इतनी कम ऊंचाई और वजन के कारण वह डॉक्टर का काम ठीक से नहीं कर पाएंगे। गणेश ने इस फैसले को चुनौती देने का फैसला किया। नीलकंठ विद्यापीठ, तलाजा के प्रिंसिपल डॉ. दलपतभाई कटारिया ने उनके कानूनी खर्च का बड़ा हिस्सा उठाया, क्योंकि गणेश का परिवार खेती पर निर्भर था और इतने बड़े केस का खर्च नहीं उठा सकता था।

हाई कोर्ट की निराशा और आगे की लड़ाई

गणेश ने गुजरात हाईकोर्ट में अपील की, लेकिन हाई कोर्ट ने एमसीआई का फैसला सही बताया। इसके बावजूद उन्होंने हार नहीं मानी और अपनी लड़ाई सुप्रीम कोर्ट तक ले गए। चार महीने की कानूनी जद्दोजहद के बाद सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुनाया कि गणेश को उनकी ऊंचाई के आधार पर मेडिकल प्रवेश से वंचित नहीं किया जा सकता। इसी फैसले ने उनके सपनों की राह खोल दी। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद गणेश को भावनगर मेडिकल कॉलेज में 2019 में एडमिशन मिला। उन्होंने पूरी मेहनत से पढ़ाई की और स्टेट इंटर्नशिप पूरी करने के बाद अब डॉक्टर के रूप में सेवा दे रहे हैं।

गांवों की सेवा का लक्ष्य

गणेश का कहना है कि वे ग्रामीण इलाकों के गरीब लोगों का इलाज करना चाहते हैं, क्योंकि वहीं सबसे ज्यादा जरूरत है। उनका सपना है कि लोग उन्हें उनकी ऊंचाई नहीं, उनके काम से पहचानें। गणेश बताते हैं कि कई मरीज पहली बार देखकर थोड़ा हैरान हो जाते हैं, लेकिन बाद में उन्हें पूरी तरह स्वीकार कर लेते हैं। गणेश भी मरीजों की शुरुआती प्रतिक्रिया को सहजता और सकारात्मकता से स्वीकार करते हैं।

ईरान की मेहरालू झील पर फ्लेमिंगो की अजीबोगरीब कारीगरी

तेहरान। कभी-कभी नेचर ऐसा दृश्य रच देती है, जिसे देखकर लगता है जैसे वो चुपचाप ब्रश उठाकर पानी पर पेंटिंग बना रही हो। इंसान लाख कोशिश कर ले, लेकिन प्रकृति की कला में वो रहस्यमयी शांति और जादू नहीं ला सकता। ईरान की मेहरालू झील से आया एक वायरल वीडियो भी ऐसा ही है, जहां फ्लेमिंगो के एक झुंड ने ऐसा पैटर्न बनाया...जिसे देखकर लोग कहने को मजबूर हो गए कि, 'ये पक्षी नहीं...कोई आसमानी कलाकार हैं।'

फ्लेमिंगो की अनोखी चाल, पानी पर बना गुलाबी चक्र : ड्रोन फुटेज में देखा जा सकता है कि, कैसे सैकड़ों फ्लेमिंगो बिना किसी जल्दबाजी के पानी पर आगे बढ़ रहे हैं। उनकी पतली पैरों की चाल इतनी सिंक्रोनाइज थी कि दूर से देखने पर ऐसा लग रहा था जैसे झील की सतह पर कोई गुलाबी लकीर खिंच रही हो। धीरे-धीरे यह झुंड आगे बढ़ा...फिर थोड़ा रुककर एक छोटा, लेकिन बेहद सटीक गोल आकार बना लेता है। ये गोल पैटर्न इतना परफेक्ट था कि देखकर लोग पूछने लगे, 'क्या ये बड्र्स नेचर के जियोमेट्री मास्टर्स हैं?'

झील में फ्लेमिंगो के झुंड ने बनाया पैटर्न

इस पूरे दृश्य में झील के कम पानी और उसमें मौजूद शैवाल ने भी कमाल किया। हरे और गुलाबी रंग की परतें झील पर मिलकर ऐसा कॉन्ट्रास्ट बनाती हैं जैसे किसी कलाकार ने दो रंगों से कैनवास सजाया हो और जब फ्लेमिंगो इन रंगों के बीच चलते हैं, तो उनकी सफेद-गुलाबी बॉडी पानी पर चमक उठती है, मानो नेचर खुद कह रही हो, 'देखो, मेरी असली कला अभी शुरू हुई है।'

आसमान और पानी ने मिलकर रचाया जादू

फार्स प्रांत के शीराज शहर के पास बनी मेहरालू झील एक मौसमी झील है। इसके चारों ओर 2,000 मीटर तक ऊंचे पहाड़ खड़े हैं, जैसे इस झील की खूबसूरती की पहरेदारी कर रहे हों और इसी शांत झील पर नवंबर 2025 में वो नजारा दिखा, जिसने दुनिया को अचंभित कर दिया।

चीन में बुजुर्ग महिला ढूंढ रही है 'नई बेटी', जिसे हर महीने देगी सैलरी

बीजिंग। आपने गोद लिए बेटे और बेटी के बारे में बहुत सुना होगा. लेकिन, क्या आपने कभी ये सुना है कि किसी ने सैलरी देकर किसी को अपनी बेटी बना लिया हो। चीन के हेनान प्रांत से एक अनोखी और भावुक करने वाली खबर सामने आई है। एक बुजुर्ग महिला अपनी देखभाल के लिए एक नई 'बेटी' खोज रही है। महिला का उपनाम मा है और वह अपनी वास्तविक बेटियों से अब कोई सहारा न मिलने के कारण किसी ऐसे शख्स की तलाश में है जो बेटी की तरह उसका ख्याल रख सके।

दो बेटियां होने के बावजूद भी अकेलापन

मा ने बताया कि उसकी दो बेटियां हैं- पहली बेटी उससे बिल्कुल भी संपर्क नहीं रखना चाहती, जबकि दूसरी मानसिक रूप से सक्षम नहीं है और स्वयं की भी देखभाल नहीं कर सकती. मा को अस्थमा है और वह मुश्किल से 100 मीटर चल पाती है। इस उम्र और स्थिति में उसे किसी ऐसे साथी की जरूरत है जो उसके साथ डॉक्टर के पास जाए, घर का ध्यान रखे और उसे बेटी जैसा स्नेह दे।

रिश्तों की दूरी ने बढ़ाया दर्द

मा की बड़ी बेटी का कहना है कि वह बेरोज़गार है और मां की देखभाल नहीं कर सकती. उसने यह भी कहा कि मां के फैसले 'उसका मामला नहीं' हैं। मा ने वर्षों पहले अपने पति से तलाक ले लिया था और धीरे-धीरे अपने रिश्तेदारों से भी संपर्क खो दिया. इन्हीं परिस्थितियों ने उसे नई 'बेटी' की तलाश करने के लिए मजबूर कर दिया।

इंटरनेट पर मिली मिली-जुली प्रतिक्रिया

इस खबर पर ऑनलाइन लोगों की प्रतिक्रियाएं मिली-जुली रहीं। कुछ लोगों ने इस भूमिका में दिलचस्पी दिखाई, जबकि कईयों ने इसे जोखिम भरा बताया। एक ने लिखा- 'लगता है वह सिर्फ खुद की नहीं, बल्कि अपनी दूसरी बेटी की देखभाल भी किसी से कराना चाहती है।' दूसरे ने कमेंट किया - 'जो अपनी असली बेटी को संपत्ति नहीं दे रही, वह किसी नई 'बेटी' के साथ कैसा व्यवहार करेगी?'

बदले में देगी फ्लैट, हर महीने सैलरी

अपनी देखभाल के बदले मा ने बेहद बड़ा प्रस्ताव रखा है। वह अपनी दो फ्लैटों में से एक, अपने सारे सामान और अपनी पेंशन में से 3 हज़ार युआन (लगभग 420 डॉलर) मासिक वेतन देने को तैयार है। चीनी मीडिया के अनुसार, मा के पास 4 लाख युआन (56, 000 डॉलर) की अतिरिक्त बचत भी है। मा चाहती है कि यह व्यवस्था पूरी तरह कानूनी हो, इसलिए वह भविष्य की 'बेटी' के साथ एक आधिकारिक अनुबंध करने के लिए भी तैयार है।

कानूनी विशेषज्ञों की राय

हेनान प्रांत के वकील शी जुनची ने कहा कि चीन के कानून के अनुसार, मा की बड़ी बेटी पर अपनी मां की देखभाल की कानूनी ज़िम्मेदारी है, चाहे वह विरासत छोड़े या नहीं। उन्होंने यह भी बताया कि अगर कोई महिला मा की 'बेटी' बनने के लिए राज़ी होती है, तो उसके लिए एक वैध 'लेगेसी सपोर्ट एग्रीमेंट' ज़रूरी होगा।

धान की सरकारी खरीद 290 लाख टन पर पहुंची

नई दिल्ली। आधिकारिक आंकड़ों से पता चलता है कि भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) तथा इसकी सहयोगी प्रांतीय एजेंसियों द्वारा चालू खरीफ मार्केटिंग सीजन के दौरान 28 नवंबर 2025 तक केंद्रीय पूल के लिए 290 लाख टन धान खरीदा गया है। देश के लगभग सभी प्रमुख उत्पादक राज्यों में धान की नई फसल की कटाई-तैयारी एवं सरकारी खरीद आरंभ हो चुकी है। आंकड़ों के अनुसार 2025-26 के खरीफ मार्केटिंग सीजन में अभी तक पश्चिम बंगाल में 4,31,145 टन, उत्तर प्रदेश में 7,71,292 टन, पंजाब में 154.20 लाख टन, तेलंगाना में 23.10 लाख टन और तमिलनाडु में 14.50 लाख टन धान खरीदा गया है।

आवश्यकता

आवश्यकता है – प्लांट में निर्माण कार्य हेतु दैनिक वेतन पर मिस्त्री 100 पद, कुली 200 पद बढ़ई 200 पद, लोहार 200 पद की आवश्यकता है सम्पर्क करें- 7000087500, 8602002511, 8234976143 (39274)(रायपुर /04/ दिस./25)

छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

सूचना - पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार पत्र में प्रकाशित सभी प्रकार के विज्ञापनों (डिस्प्ले एवं रनिंग क्लासीफाईड में दिए गए तथ्यों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें। हरिभूमि समूह की विज्ञापनों के तथ्यों से संबंधित कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।

राशिफल

मेष – संगीत में रुचि बढ़ेगी। कारोबार में वृद्धि होगी। विदेश जाने के योग बन रहे हैं। आत्मविश्वास में कमी रहेगी। व्यर्थ के वाद–विवाद से बचने का प्रयास करें।

वृष – खर्चों की अधिकता रहेगी। कला एवं संगीत में रुचि हो सकती है। सन्तान के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। किसी सम्पत्ति से आय के साधन बन सकते हैं।

मिथुन – शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी। पठन–पाठन में रुचि बढ़ सकती है। परिवार में आपसी वाद–विवाद की स्थितियां बन सकती हैं।

कर्क – क्रोध एवं आवेश के अतिरेक से बचें। धर्म–कर्म में रुचि बढ़ेगी। उच्च शिक्षा के लिए विदेश प्रवास हो सकता है। आत्मविश्वास भरपूर रहेगा।

सिंह – कला या संगीत के प्रति रुझान बढ़ सकता है। नौकरी के लिए साक्षात्कारादि कार्यों में सफलता मिलेगी। शासन–सत्ता का सहयोग मिलेगा।

कन्या – कार्यभार में वृद्धि होगी। बौद्धिक कार्यों से धन प्राप्त होगा। वस्त्रों के प्रति रुझान बढ़ेगा। क्रोध के अतिरेक से बचें। बातचीत में संतुलन बनाकर रखें।

तुला – लेखनादि–बौद्धिक कार्यों में व्यस्तता बढ़ सकती है। परिवार की समस्याएं परेशान कर सकती हैं। स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रहें। रहन–सहन कष्टमय

वृश्चिक – संतान की ओर से सुखद समाचार मिलेंगे। भौतिक सुखों में वृद्धि होगी। जीवनसाथी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। खर्च भी बढ़ेंगे।

धनु – स्वास्थ्य का ध्यान रखें। कला एवं संगीत के प्रति रुझान बढ़ेगा। कार्यक्षेत्र में परिवर्तन के योग बन रहे हैं। किसी दूसरे स्थान पर जाना पड़ सकता है।

मकर – आलस्य की अधिकता हो सकती है। परिवार के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। रहन–सहन अव्यवस्थित रहेगा। धार्मिक संगीत में रुचि बढ़ेगी।

कुंभ – क्रोध से बचें। नौकरी के लिए साक्षात्कारादि कार्यों में सफलता मिलेगी। शासन–सत्ता का सहयोग मिलेगा। बातचीत में संयत रहें। पठन–पाठन में रुचि

मीन – किसी रुके धन की प्राप्ति हो सकती है। कारोबारी कार्यों में व्यस्तता बढ़ सकती है। लाभ के अवसर मिलेंगे। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।

रेलवे के खोरधा रोड मंडल भारतीय रेल में फ्रेट हैंडलिंग

हरिभूमि न्यूज ▶▶ खोरधा

पूर्व तट रेलवे के खोरधा रोड मंडल ने एक बार फिर अपनी अब तक की सर्वोत्तम लोडिंग निष्पादन हासिल करके अपनी बेहतर ऑपरेशनल क्षमता प्रदर्शित की है। इससे भारतीय रेल में फ्रेट हैंडलिंग में सर्वोत्तम निष्पादन करने वाले मंडल के तौर पर खोरधा रोड मंडल की जगह पक्की हो गई है। यह मंडल लगातार रिकॉर्ड तोड़ परिणाम दे रहा है, जो भारत में माल ढुलाई और आर्थिक विकास में इसकी अहम भूमिका को दर्शाता है।

ट्रैफिक हैंडलिंग में भारतीय रेल का अव्वल मंडल

खोरधा रोड मंडल ओवरऑल ट्रैफिक हैंडलिंग में देश में सबसे आगे है, नवंबर 2025 तक इसने 209 मिलियन टन का शानदार ट्रैफिक हैंडलिंग हासिल किया है, जिसमें 115 मिलियन टन लोडिंग और 94 मिलियन टन अनलोडिंग शामिल है। बिलासपुर मंडल169.6 मिलियन टन के साथ दूसरे स्थान पर रहा, उसके बाद धनबाद मंडल (152.8 मिलियन टन) और चक्रधरपुर मंडल (145.8 मिलियन टन) रहे। मंडल ने सिर्फ 235 दिनों में (21.11.2025 तक) 200 मिलियन टन हैंडल करके एक नया रिकार्ड बनाया है।

शब्द पहेली - 6066

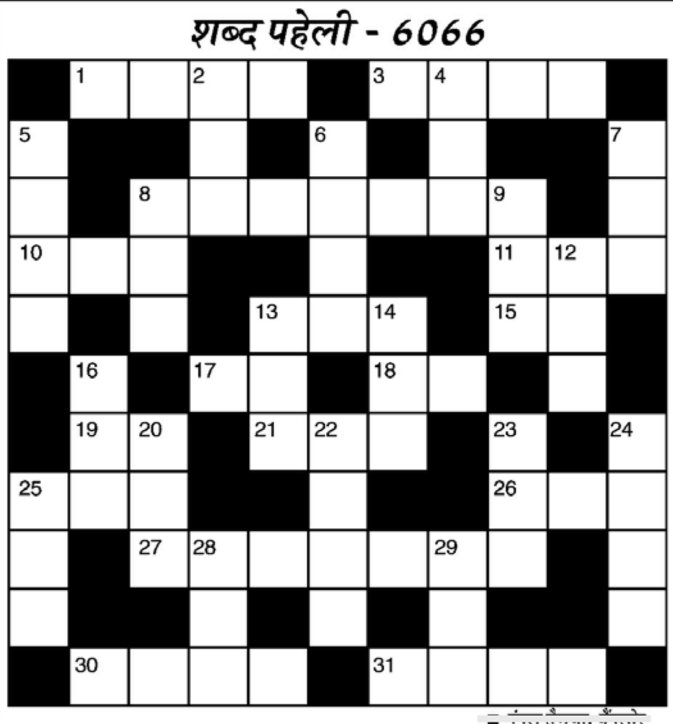

बाएँ से दाए

1. मरघट, कब्रिस्तान-4
3. पागल, बुद्धिहीन-4
8. भगवान, ईश्वर, खुदा-7
10. डांटना, दुत्कार-3
11. तरुण, किशोर-3
13. ओट, घूँघट-3
15. तपस्या-2
17. पराया, अजनबी-2
18. आनंद, मौज-2
19. सूर्य, भास्कर-2
21. चिंतन, सोच विचार-3
25. वेणी, फूलों की माला जो बालों में लगाते हैं-3
26. वैद्य-3
27. आभास करना-4,3
30. शिव के इस मंदिर को महमूद गजनवी ने कई बार लूटा था-2,2
31. युद्धघोष, आक्रमण, हमला-4

ऊपर से नीचे

2. कवि, गजलकार-3
4. भारत का झंडा-3
5. ईश्वर, भगवान-4
6. गुरुवार-4
7. दुर्ज, पापी, भूत-3
8. शरण, आश्रय-3
9. चांदी-3
12. उत्तराधिकारी-3
13. उत्कृष्ट, प्रधान-3
14. आंचल-3
16. कमल-3
20. रुकना, अंत, ठहराव-3
22. उत्तमता, खूबी (उर्दू-4)
23. बर्दाश्त करना, निभाना-3
24. आय, कमाई-4
25. उष्ण-3
28. पराजित करना-3
29. उपपत्नी, दूसरी पत्नी-3

शब्द पहेली- 6065 का हल

रा	ऊ	ल	के	ला			क	स	क	
ह	जा		श		श	त्रु	ता		न्या	य
गु			ही	र	क		र			म
ज	ला	ब	न			गं		अ	नु	ज
र		च		बे	ल	गा	म		की	
	शा	न		क		ज		ब	ला	
	य		श	रा	र	ल		न्द		त
म	द	द		र			अ	र	मा	न
श			स		शा	य	र			ब
क	म		न	र	म		मा		मा	द
	जा	न	म			म	न	मो	ह	न

सूडोकु नवताल- 6076

★★★★☆ मध्यम

8		4	3	9	7	5		6
3					2			
		7	6	5				4
9	6		5			1		7
5		1	4		9	8		2
4		8					5	3
2				6	1	4		
			7					8
7		9	8	3	5	6		1

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल- 6075 का हल

7	8	4	9	5	2	6	1	3
9	6	2	4	3	1	8	5	7
1	3	5	7	8	6	2	4	9
4	2	3	6	1	5	9	7	8
8	5	9	2	4	7	1	3	6
6	7	1	3	9	8	4	2	5
3	1	7	8	6	4	5	9	2
5	9	6	1	2	3	7	8	4
2	4	8	5	7	9	3	6	1

बारूद इतना कि 10 किमी क्षेत्र को कर सकता था तबाह

देश पर आतंक का खतरा अभी टला नहीं: आतंकियों की बड़ी साजिश नाकाम, राजस्थान के राजसमंद में विस्फोटक से लदी पिकअप जब्त

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

देश पर आतंक का खतरा अभी पूरी तरह से टला नहीं है। फरीदाबाद मॉड्यूल और दिल्ली ब्लास्ट के बाद राजस्थान से बड़ी संख्या में विस्फोटक बरामद हुआ है। यह विस्फोटक इतना खतरनाक था कि 10 किलोमीटर के क्षेत्र को एक धमाके में तबाह कर सकता था। पुलिस के अनुसार, पिकअप वैन में जितना विस्फोटक मौजूद था, अगर इसमें ब्लास्ट होता तो 10 किलोमीटर तक का क्षेत्रफल प्रभावित हो सकता था।

हालांकि, इस विस्फोटक को कहां लेकर जाया जा रहा था? इसका अंदाजा अभी नहीं लग सका है। पुलिस पिकअप वैन के ड्राइवर से पूछताछ कर रही है, जिसमें कुछ लोगों के नाम सामने आए हैं। उन सभी की तलाश जारी है। राजस्थान पुलिस ने राजसमंद से यह विस्फोटक बरामद किया है। इसे पिकअप वैन में भरकर राजस्थान के आमेट से नाथद्वारा ले जाया जा रहा था। पुलिस ने वैन की तलाशी के दौरान विस्फोटक बरामद किया है।

ड्राइवर से पूछताछ में सामने आए कई नाम

बॉक्सों में भरा था विस्फोटक

पिकअप के साथ दो आरोपी पकड़े

प्रारंभिक जांच में विस्फोटक सामग्री ले जाने संबंधी कोई परमिट नहीं मिला और सुरक्षा को लेकर गंभीर बेपरवाही सामने आई है। नाथद्वारा पुलिस उप अधीक्षक शिप्रा राजावत ने बताया कि अवैध गतिविधियों की रोकथाम को लेकर एसपी ममता गुप्ता के निर्देशन में चल रहे विशेष अभियान के तहत मंगलवार सुबह श्रीनाथजी थाना पुलिस द्वारा नाकाबंदी कर वाहनों की जांच की जा रही थी।

खदानों में ले जा रहे थे विस्फोटक

डीएसपी शिप्रा राजावत ने बताया कि प्रारंभिक जांच में जब्त किया गया विस्फोटक ग्रेनाइट माइंसों पर पत्थर ब्लास्ट के लिए ले जाना सामने आया है। पुलिस द्वारा फिलहाल सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए खुले में विस्फोटक सामग्री को रखा है और विशेषज्ञों की राय के अनुसार अग्रिम कार्रवाई होगी। फिलहाल ब्लास्ट का कोई खतरा नहीं है।

आमेट से नाथद्वारा ले जाया जा रहा था विस्फोटक

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार सुबह पिकअप वाहन में लोड किया गया था। पिकअप वाहन आमेट क्षेत्र से नाथद्वारा की तरफ जा रहा था। इसी दौरान छापा मारकर इससे विस्फोटक जब्त किया गया। पिकअप में भरे विस्फोटक की मात्रा को देखकर पुलिस दंग रह गई। इसके बाद पूरे विस्फोटक सामग्री को वाहन से नीचे उतारा गया। विस्फोटकों को कार्टन में रखा गया था। पुलिस के अनुसार इसकी मात्रा इतनी अधिक है कि इससे धमाका किया जाता तो करीब 10 किलोमीटर के क्षेत्र में असर दिखाई देता।

उमर के साथी आमिर की हिरासत 7 दिन बढ़ी

दिल्ली के लाल किला कार ब्लास्ट मामले में राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) को बड़ी राहत मिली है। पटियाला हाउस स्थित स्पेशल एनआईए कोर्ट ने मामले के मुख्य आरोपी आमिर रशीद अली की कस्टडी सात दिन और बढ़ाने की मंजूरी दे दी है।

खबर संक्षेप

ट्रंप के हृदय और पेट की एमआरआई, सामान्य

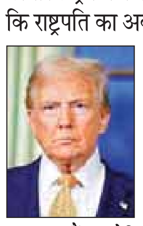

वॉशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के चिकित्सक ने कहा कि राष्ट्रपति का अक्टूबर में एहतियात के तौर हृदय और पेट का एमआरआई स्कैन कराया गया था जिसके परिणाम पूरी तरह सामान्य पाए गए हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास एवं कार्यालय व्हाइट हाउस द्वारा चिकित्सक की ओर से जारी एक मेमो में यह जानकारी दी गयी है। डॉ. शॉन बारबाबेला ने सोमवार को एक बयान में कहा कि ट्रंप की शारीरिक जांच में 'एडवांस्ड इमेजिंग' शामिल थी, जो कि ट्रंप की आयु के व्यक्तियों के लिए शारीरिक परीक्षण का हिस्सा है।

पाकिस्तान में हुआ हमला कर्मियों सहित 4 की मौत

पेशावर। पाकिस्तान के उत्तर-पश्चिमी प्रांत खैबर पख्तूनख्वा में मंगलवार को आतंकवादियों द्वारा घात लगाकर किए गए हमले में उत्तरी वजीरिस्तान के सहायक आयुक्त और दो पुलिसकर्मियों सहित कम से कम चार लोगों की मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक प्रांत के बन्नू जिले में हुए हमले में उत्तरी वजीरिस्तान के सहायक आयुक्त शाह वलीउल्लाह के वाहन को निशाना बनाया गया। क्षेत्रीय पुलिस कार्यालय के प्रवक्ता काशिफ नवाज ने बताया कि यह हमला बन्नू जिले के कैंट पुलिस थाना क्षेत्र में हुआ।

अमेरिकी टैरिफ पर रूस की दो टूक कहा

तेल का व्यापार नहीं होगा कम, रूसी प्रवक्ता पेस्कोव का आश्वासन

मॉस्को-नई दिल्ली भारत का निर्यात बढ़ाने के लिए साथ कर रहे हैं काम

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

पश्चिम देशों के कड़े आर्थिक प्रतिबंधों और अमेरिका की ओर से टैरिफ वॉर चलाने के बीच रूस ने भारत के साथ अपने संबंधों पर बयान दिया है। रूस ने साफ किया है कि नई दिल्ली के साथ उसका रिश्ता किसी 'तीसरे पक्ष' के दबाव में खत्म नहीं होने वाला। क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने एक अहम बयान में न केवल तेल व्यापार को सुरक्षित रखने का संकल्प लिया है, बल्कि भारत के लिए सिरदर्द बन चुके 'व्यापार घाटे' को सुलझाने का रोडमैप भी पेश किया। यह बयान ऐसे समय में आया है जब अमेरिका और यूरोपीय देश रूस की अर्थव्यवस्था को अलग-थलग करने के लिए हर संभव प्रयास कर रहे हैं।

दिमित्री पेस्कोव

क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने स्पष्ट शब्दों में कहा है कि मॉस्को यह सुनिश्चित करने के लिए हर संभव प्रयास कर रहा है कि अमेरिकी प्रतिबंधों की परछाई भारत के साथ होने वाले तेल व्यापार पर न पड़े। पेस्कोव ने कहा, हम यह सुनिश्चित करने का प्रयास कर रहे हैं कि व्यापार की मात्रा में, विशेषकर तेल के क्षेत्र में, कोई कमी न आए। रूसी अधिकारी का यह बयान भारत की ऊर्जा सुरक्षा के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण है, क्योंकि पिछले दो वर्षों में रूस भारत का सबसे बड़ा कच्चा तेल आपूर्तिकर्ता बनकर उभरा है। पश्चिमी देशों ने 'प्राइस कैप' और टैंकरों पर प्रतिबंध लगाकर इस सप्लाई चेन को तोड़ने की कोशिश की है।

मॉस्को प्रयास कर रहा है कि अमेरिकी प्रतिबंधों की परछाई भारत पर न पड़े

ये दोस्ती हम नहीं छोड़ेंगे... फाइल फोटो

बाहरी दबाव से बचने के लिए सुरक्षा कवच तैयार करना होगा

पेस्कोव ने कूटनीतिक रूप से अमेरिका का नाम लिए बिना साफ संदेश दिया कि दोनों देशों को अपने आर्थिक हितों की रक्षा के लिए एक 'सुरक्षा कवच' तैयार करना होगा। उन्होंने जोर देकर कहा, भारत और रूस को अपने द्विपक्षीय व्यापार को बाहरी दबाव और तीसरे देशों के हस्तक्षेप से सुरक्षित रखना होगा। विश्लेषकों का मानना है कि यह इशारा सीधे तौर पर स्विफ्ट बैंकिंग सिस्टम से अलग, एक स्वतंत्र भुगतान प्रणाली (जैसे रुपये-रूबल व्यापार या डिजिटल करेंसी) को और मजबूत करने की ओर है।

मेक इन इंडिया को मिल सकता है बल

पेस्कोव ने यह भी जानकारी दी कि मॉस्को और नई दिल्ली भारतीय निर्यात को बढ़ावा देने के लिए एक साथ मिलकर काम कर रहे हैं। यह कदम न केवल व्यापार संतुलन को सुधारेगा बल्कि प्रधानमंत्री मोदी के मेक इन इंडिया अभियान को भी रूस के रूप में एक बड़ा और स्थाई बाजार दिला सकता है।

एस-400 डिफेंस सिस्टम और एसयू-57 स्टील्थ लड़ाकू विमान की डील होगी फाइनल?

रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन 4 दिसंबर को दो दिवसीय भारत दौरे पर आ रहे हैं। इस बीच रूसी सरकार के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने पुष्टि की है कि सुखोई एसयू-57 स्टील्थ फाइटर जेट और एस-400 एयर डिफेंस सिस्टम सहित प्रमुख रक्षा समझौतों पर चर्चा होने की उम्मीद है। दिमित्री पेसकोव ने कहा कि मुझे कोई शक नहीं है कि यात्रा के दौरान इस पर चर्चा होगी। उन्होंने कहा कि एसयू-57 का मुद्दा निश्चित रूप से पुतिन की भारत यात्रा के एजेंडे में होगा। बता दें कि भारत अपने एस-400 एयर डिफेंस सिस्टम को मजबूत करने के लिए 300 रूसी मिसाइलें खरीदने की योजना बना रहा है और पांच अतिरिक्त एस-400 स्क्वाड्रन भी हासिल करना चाहता है। रिपोर्ट्स के अनुसार भारत इन मिसाइलों की खरीद के लिए मॉस्को को रिक्वेस्ट फॉर प्रपोजल जारी करने की तैयारी कर रहा है, जिन्हें ऑपरेशन सिंदूर के दौरान तैनात किया गया था। उम्मीद है कि इस मामले पर 5 दिसंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच होने वाली बैठक में चर्चा होगी। भारत और रूस ने पहली बार 2018 में एस-400 सिस्टम के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किए थे।

एस-400 फाइल चित्र

किले में तब्दील हुई राजधानी

पुतिन के भारत दौरे से पहले दिल्ली में हाई सिक्योरिटी अलर्ट

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के भारत दौरे को लेकर सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए हैं। पुतिन के भारत दौरे से पहले राजधानी दिल्ली में सुरक्षा व्यवस्था बेहद सख्त कर दी गई है। पुतिन की सुरक्षा दुनिया में सबसे पुख्ता मानी जाती है और इसी स्तर को बनाए रखने के लिए भारत और रूस दोनों देशों की एजेंसियां मिलकर काम कर रही हैं। व्लादिमीर पुतिन की सुरक्षा में तैनात रूस की स्पेशल प्रोटेक्शन टीम कई दिन पहले ही दिल्ली आ चुकी है। यह टीम होटल, एयरपोर्ट, मीटिंग वेन्यू और पूरे रूट की बिना शोर-शराबे के जांच कर रही है।

हाई अलर्ट पर हैं एजेंसियां

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के भारत दौरे को लेकर दिल्ली पुलिस, स्पेशल प्रोटेक्शन ग्रुप (एसपीजी) और केंद्रीय एजेंसियां भी हाई अलर्ट पर हैं। राजधानी के प्रमुख इलाकों में भारी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया है। वीआईपी मूवमेंट के रूट्स का पहले से ट्रायल किया जा रहा है। होटल से मीटिंग वेन्यू तक मल्टी-लेयर सिक्योरिटी रखी गई है। सभी प्वाइंट्स पर स्नाइपर्स की तैनाती की गई है साथ ही ड्रोन के जरिए भी निगरानी की जा रही है।

तैयार है ट्रैफिक प्लान

पुतिन के काफिले के जिस रूट से गुजरने की संभावना है, वहां हाई-डेफिनिशन कैमरों और फेस रिकग्निशन सिस्टम की मदद से रियल-टाइम मॉनिटरिंग होगी। दिल्ली पुलिस के कंट्रोल रूम में 24घंटे 7 दिन एक अलग मॉनिटरिंग डेस्क बनाई गई है। वीआईपी मूवमेंट के दौरान दिल्ली के कुछ हिस्सों में ट्रैफिक डायवर्जन रहेगा। पुलिस का प्रयास रहेगा कि आम लोगों को कम से कम दिक्कत हो, लेकिन सुरक्षा को प्राथमिकता दी जाएगी।

खौफ में शहबाज सरकार

पाकिस्तान में कर्फ्यू, जेल तोड़ने की तैयारी! आसिम मुनीर के छूटे पसीने

एजेंसी ▶▶ इस्लामाबाद

पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान की हत्या की अटकलें लगातार तूल पकड़ रही हैं। उनकी पार्टी के समर्थक आदियाला जेल के बाहर प्रदर्शन कर रहे हैं।

इमरान खान के परिजनों को उनसे मिलने नहीं दिया जा रहा है, जिससे प्रदर्शनकारियों का गुस्सा बढ़ता जा रहा है।

ऐसे में पाक सरकार ने रावलपिंडी में धारा 144 लगा दी है। पाकिस्तान को डर सता रहा है कि इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के समर्थक रावलपिंडी में हंगामा खड़ा कर सकते हैं। रावलपिंडी को पाक सेना का गढ़ कहा जाता है। ऐसे में हिंसा भड़कने के डर से पाक सरकार ने पूरे शहर में कर्फ्यू लगा दिया है।

पाक में प्रदर्शन

पाकिस्तान की शहबाज सरकार को डर है कि कहीं इमरान समर्थक जेल तोड़कर अंदर न घुस जाएं। इस माहौल से सेना प्रमुख आसिम मुनीर को पसीने छूटता नजर आ रहा है।

आखिरकार इमरान से हुई बहन की मुलाकात

पाकिस्तान में लंबे समय से चर्चाओं और अटकलों के बीच आखिरकार पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के संस्थापक और पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान से उनकी बहन डॉ. उजमा खान की मुलाकात हो गई। यह मुलाकात रावलपिंडी के अदियाला जेल में हुई, जहां इमरान खान को अगस्त 2023 से कई मामलों में बंदी बनाया गया है।

फोर्ड के सीईओ ने कहा

यूएस के सामने श्रम शक्ति का बड़ा संकट

एजेंसी ▶▶ वॉशिंगटन

फोर्ड मोटर कंपनी के सीईओ जिम फार्ले ने हाल ही में अमेरिका की श्रम-शक्ति को लेकर गंभीर चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि कंपनी को लगभग 5,000 फिस्कल मैकेनिक के पद भरने में दिक्कत हो रही है। जबकि इन नौकरियों के लिए 1,20,000 डॉलर तक का वेतन दिया जा रहा है। फार्ले के अनुसार, यह समस्या सिर्फ फोर्ड तक सीमित नहीं है, बल्कि पूरे अमेरिका को एक गहरे संकट की तरफ ले जा रही है। एक पॉडकास्ट इंटरव्यू में फार्ले ने स्पष्ट शब्दों में कहा, जब आप हमें चीन से तुलना करते हैं, तो हम गहरी मुसीबत में हैं। उनके अनुसार, अमेरिका में आपातकालीन सेवाओं, ट्रकिंग, प्लंबिंग, फैक्ट्री वर्क और अन्य ट्रेड्स में 10 लाख से अधिक नौकरियां खाली पड़ी हैं। यह कमी इतनी गंभीर है कि यह देश की कार्यक्षमता और आर्थिक भविष्य के लिए खतरा बन सकती है।

जिम फार्ले

दितवाह: देवदूत बनी भारतीय सेना

भारत ने निभाया पड़ोसी धर्म भेजी 53 टन राहत सामग्री

नई दिल्ली। भारत ने चक्रवाती तूफान दित्वा से निपटने के लिए ऑपरेशन सागर बंधु के तहत श्रीलंका को 53 टन राहत सामग्री भेजी है। इस विनाशकारी तूफान से पूरे द्वीपीय देश को बड़ा नुकसान हुआ। रिपोर्ट के अनुसार श्रीलंका में कम से कम 334 लोगों की मौत की पुष्टि हुई है। भारत ने मानवीय आधार पर तुरंत श्रीलंका को मदद के लिए ऑपरेशन सागर बंधु शुरू किया। भारतीय नौसेना के जहाज सुकन्या (त्रिंकोमाली में) पर 12 टन और राहत का सामान भेजा गया। इस तरह कुल 53 टन राहत का सामान सौंपा गया है। आईएनएस विक्रांत के चेतक हेलीकॉप्टर और भारतीय वायु सेना के एमआई- 17 हेलीकॉप्टर ने श्रीलंकाई एयर फोर्स के साथ मिलकर बड़े पैमाने पर राहत बचाव अभियान चलाए। इसमें फंसे हुए लोगों को एयरलिफ्ट किया गया।

यूएनडीपी की चेतावनी: दुनिया में संघर्ष कर रहे लोग विकास से रह जाएंगे दूर

सुधारात्मक कदम नहीं उठाने से अमीर देशों का बढ़ेगा दबदबा

एआई से दुनिया में बढ़ सकती है असमानता समाज में महा-विभाजन लौटने का खतरा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की चकाचौंध और वादों के बीच संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम ने दुनिया के सामने एक कड़वी हकीकत रखी है। यूएनडीपी ने मंगलवार को जारी रिपोर्ट में चेतावनी दी है कि यदि सही नीतियां नहीं बनाई गईं, तो एआई दुनिया को जोड़ने के बजाय अमीर और गरीब देशों के बीच की खाई को और बढ़ा देगा।

रिपोर्ट में इसे औद्योगिक क्रांति के दौरान हुए ग्रेट डायवर्जेंस यानी 'महा-विभाजन' की तरह बताया गया। उस समय पश्चिमी देश आधुनिकता की दौड़ में आगे निकल गए थे और बाकी दुनिया पिछड़ गई थी। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि एआई के मामले में बिना सुधारात्मक कदमों के अमीर देशों का दबदबा बढ़ सकता है। एआई का लाभ केवल संपन्न राष्ट्रों और वर्गों तक सिमट कर रह जाएगा। रिपोर्ट के अनुसार डेटा-संचालित दुनिया में गरीब, बुजुर्ग और विस्थापित लोग पीछे छूट सकते हैं। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि एशिया में दोहरे मानक हैं। चीन-जापान जैसे देश एआई के मामले में भले ही आगे हैं, लेकिन कई देश बुनियादी ढांचे के अभाव में पिछड़ रहे हैं। उत्पादकता बनाम मानवीय जीवन रिपोर्ट के अनुसार वर्तमान में कॉरपोरेट जगत और सरकारों का पूरा ध्यान एआई के जरिए उत्पादकता और प्रतिस्पर्धा बढ़ाने पर है।

फाइल फोटो

लेकिन रिपोर्ट में सवाल उठाया गया है कि इसका मानवीय जीवन पर क्या असर होगा? रिपोर्ट में कहा गया है कि ऐसे समुदाय जो आज भी बिजली, इंटरनेट और कौशल के लिए संघर्ष कर रहे हैं-जैसे युद्ध पीड़ित, शरणार्थी या जलवायु आपदाओं के शिकार लोग- वे डेटा सेट में शामिल ही नहीं किए जाएंगे। नतीजतन, नीतियां बनाते समय उनपर चर्चा नहीं होगी और विकास की दौड़ से वे पूरी तरह बाहर हो जाएंगे।

एआई के कारण बिजली और पानी की भारी खपत

डेटा सेंटर्स की ओर से बिजली और पानी की भारी खपत अमीर देशों के लिए भी चिंता का विषय बन गई है। बिजली की मांग पूरी करने के लिए जीवाश्म ईंधन का उपयोग बढ़ने से कार्बन उत्सर्जन कम करने के वैश्विक प्रयासों को धक्का लग सकता है। रिपोर्ट में डीपफेक, गलत सूचना और हैकर्स की ओर से साइबर हमलों में एआई के इस्तेमाल को लेकर भी आगाह किया गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि एआई का लोकतांत्रीकरण जरूरी है। यूएनडीपी ने एआई को अब बिजली, सड़क और स्कूलों की तरह ही एक आवश्यक बुनियादी ढांचा बताया है। रिपोर्ट का निष्कर्ष है कि सरकारों को डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर और सामाजिक सुरक्षा में निवेश बढ़ाना होगा।

सांसद वॉशिंगटन स्थित इंडिया हाउस पहुंचे

भारतीय राजदूत क्वात्रा से हुई चर्चा

एजेंसी ▶▶ न्यूयॉर्क

अमेरिका में भारत के राजदूत विनय क्वात्रा ने ऊर्जा, रक्षा और व्यापार जैसे क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग को मजबूत करने के लिए प्रभावशाली अमेरिकी सांसदों के एक समूह के साथ 'उपयोगी बातचीत' की। क्वात्रा ने सोमवार को सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि उन्हें अमेरिकी सीनेटर लिंडसे ग्राहम, रिचर्ड ब्लूमेंथल, शेल्डन व्हाइटहाउस, पीटर वेल्च, डैन सुलिवन और मार्कवेन मलिन की मेजबानी करने का मौका मिला।

ये सभी सांसद वाशिंगटन स्थित 'इंडिया हाउस' में पहुंचे थे, जो भारत के राजदूत का आधिकारिक आवास है। क्वात्रा ने भारत और अमेरिका के बीच मजबूत संबंधों के लिए उनके समर्थन पर आभार व्यक्त किया। क्वात्रा ने लिखा, 'ऊर्जा और रक्षा सहयोग से लेकर व्यापार तथा महत्वपूर्ण वैश्विक मुद्दों तक भारत-अमेरिका साझेदारी पर उपयोगी बातचीत हुई। भारत-अमेरिका संबंध को और मजबूत बनाने के उनके समर्थन के लिए आभारी हूं।' इससे पहले, सोमवार को भारतीय राजदूत ने 'ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ' के चेयरमैन जनरल डैन कायने से भी मुलाकात की। उन्होंने कहा, हमारी द्विपक्षीय रक्षा सहयोग और आपसी रुचि के क्षेत्रीय मुद्दों पर सार्थक चर्चा हुई।

सांसदों की सामूहिक तस्वीर

वैभव ने 14 की उम्र में ठोका तीसरा टी20 शतक, बने दुनिया के पहले खिलाड़ी

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

वैभव सूर्यवंशी ने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 2025 में महाराष्ट्र के खिलाफ मुकाबले में शतक ठोका। इस खिलाड़ी ने 58 गेंद में करियर का तीसरा टी20 शतक पूरा किया। सूर्यवंशी 61 गेंद में सात छक्कों व इतने ही चौकों से 108 रन बनाकर नाबाद रहे। सूर्यवंशी इस शतक के साथ दुनिया के पहले टीनऐजर (किशोर) बन गए, जिन्होंने 14 की उम्र में तीन टी20 शतक लगा दिए। उन्होंने अभी केवल 17 ही टी20 मैच खेले हैं।

वैभव ने पहली बार सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में शतक लगाया। इस फॉर्मेट मे बिहार के लिए यह उनका पांचवां ही मैच था। उनकी पारी से बिहार ने कोलकाता में खेले गए मुकाबले में पृथ्वी शॉ की कप्तानी वाली महाराष्ट्र टीम के सामने तीन विकेट पर 176 का स्कोर बनाया। वैभव ने इससे पहले आईपीएल 2025 में शतक लगाकर कमाल किया था। फिर एशिया कप राइजिंग स्टार्स में यूएई के खिलाफ भी शतक बनाया था।

सूर्यवंशी ने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में महाराष्ट्र के खिलाफ 58 गेंद में मारी सेंचुरी

वैभव का सबसे धीमा टी20 शतक

वैभव की यह सबसे धीमी सेंचुरी रही। उन्होंने एशिया कप राइजिंग स्टार्स में यूएई के खिलाफ 32 गेंद में ही सैकड़ा पूरा कर लिया। यह संयुक्त रूप से भारतीय बल्लेबाजों में तीसरा सबसे तेज शतक रहा।वैभव ने इससे पहले आईपीएल 2025 में राजस्थान रॉयल्स की तरफ से खेलते हुए लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ 35 गेंद में शतक पूरा किया था।

पहली बार त्रिपुरा से हारा दिल्ली

अहमदाबाद। दिल्ली का मौजूदा घरेलू सत्र में निराशाजनक प्रदर्शन जारी रहा सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के ग्रुप डी मैच में आईपीएल खिलाड़ियों की मौजूदगी के बावजूद उसे त्रिपुरा की कमजोर मानी जाने वाली टीम के खिलाफ पहली बार 12 रन से हार का सामना करना पड़ा। त्रिपुरा के 158 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए दिल्ली के बल्लेबाजों ने धीमी पिच पर निराश किया और मणिशंकर मूरासिंह (19 रन पर दो विकेट) तथा विक्की साहा (29 रन पर दो विकेट) की धारदार गेंदबाजी के सामने आठ विकेट पर 145 रन ही बना सके। मूरासिंह ने इससे पहले 18 गेंद में नाबाद 25 रन की पारी भी खेली, जिससे त्रिपुरा ने पांच विकेट पर 157 रन बनाए। दिल्ली की टीम में शामिल नितीश राणा (40 गेंद में 45 रन), आयुष बडोनी (13 गेंद में 14 रन) और प्रियांश (10 गेंद में आठ रन) जैसे आईपीएल खिलाड़ी भी टीम को जीत नहीं दिला पाए।

पंड्या ने ढाई महीने बाद आते ही लूटी महफिल, बनाए 77 रन

हैदराबाद। हार्दिक पंड्या ने दो महीने बाद प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में शानदार वापसी करते हुए नाबाद 77 रन बनाए, जिसकी मदद से बड़ौदा ने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी ग्रुप सी के मैच में पंजाब को सात विकेट से हराया। पंड्या ने 42 गेंद में सात चौकों और चार छक्कों की मदद से यह पारी खेली। पंजाब ने 20 ओवर में आठ विकेट पर 222 रन बनाए थे, जिसमें अभिषेक शर्मा के 19 गेंद में 50 रन शामिल है। पंड्या की पारी के दम पर बड़ौदा ने 19.1 ओवर में तीन विकेट पर 224 रन बनाए। उन्होंने चार ओवर गेंदबाजी करके 52 रन दिए और एक विकेट भी लिया।

खबर संक्षेप

7 दिसंबर से एशियाई पैरा खेल, दल को मिली मंजूरी

नई दिल्ली। खेल मंत्रालय ने दुबई में 7 से 14 दिसंबर तक होने वाले एशियाई युवा पैरा खेलों के लिए 161 सदस्यीय भारतीय दल को मंजूरी दे दी लेकिन अतीत में विदेश में कुछ अधिकारियों और खिलाड़ियों के गायब होने की घटनाओं को देखते हुए सभी की पृष्ठभूमि की जांच भी अनिवार्य कर दी है। सूची में 99 खिलाड़ियों (61 पुरुष और 38 महिलाओं) , 62 कोचों, सहयोगी स्टाफ और दल के अधिकारियों के नाम है । मंत्रालय ने दल के लौटने के 30 दिन के भीतर प्रदर्शन पर भी विस्तृत रिपोर्ट मांगी है, जिसमें एक्शन फोटो और अन्य विजुअल शामिल हैं। भारतीय पैरालम्पिक समिति (पीसीआई) को भेजे पत्र में कहा गया, 'अतीत में विदेश में कुछ अधिकारियों और खिलाड़ियों के गायब होने की घटनाओं के कारण मंत्रालय का मानना है कि दल के सदस्यों और अधिकारियों की पृष्ठभूमि की भारतीय खेल प्राधिकरण या राष्ट्रीय खेल महासंघों की ओर से पूरी जांच कराई जाए।'

दिल्ली हाईकोर्ट ने की बजरंग विनेश की याचिका खारिज

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने भारतीय कुश्ती महासंघ के दिसंबर 2023 में हुए चुनाव को चुनौती देने वाली बजरंग पूनिया, साक्षी मलिक, विनेश फोगाट और सत्यव्रत कादियान की याचिका खारिज कर दी क्योंकि अलग अलग तारीखों पर भी वे अदालत के समक्ष पेश नहीं हुए। इन तीनों ओलंपियनों की उम्मीदवार अनिता श्योराण को हराकर संजय सिंह उस समय अध्यक्ष बने थे। न्यायाधीश मिनी पुष्करना ने 27 नवंबर को मामले की सुनवाई करते हुए कहा कि सुनवाई के दौरान एक भी याचिकाकर्ता मौजूद नहीं था और पिछली दो सुनवाई में भी वे नहीं आए। अदालत ने अपने फैसले में कहा, 'लगता है कि इस मामले को आगे ले जाने में याचिकाकर्ताओं की कोई रुचि नहीं है।' पहलवानों ने आरोप लगाया था कि डब्ल्यूएफआई चुनाव अच्छे और पारदर्शी माहौल में नहीं हुए थे।

फ्रांस क्वार्टर फाइनल में, बांग्लादेश को हराया

चेन्नई। पिछले सत्र के रजत पदक विजेता फ्रांस ने बांग्लादेश को 3-2 से हराकर अपना अजेय क्रम जारी रखते हुए एफआईएच पुरुष जूनियर हॉकी विश्व कप के क्वार्टर फाइनल में सीधे प्रवेश कर लिया। इस जीत के साथ ही फ्रांस की टीम पूल 'एफ' में अधिकतम नौ अंक लेकर शीर्ष पर रही। फ्रांस ने इससे पहले कोरिया को 11-1 और ऑस्ट्रेलिया को 8-3 से हराया था। टूर्नामेंट के अपने शुरुआती दो मैचों में शानदार प्रदर्शन करने वाले फ्रांस ने बांग्लादेश के खिलाफ भी मैच के अधिकांश समय अपना नियंत्रण बनाए रखा।

रायपुर वनडे : आज दोपहर 1.30 बजे से दो दिग्गज टीमों के बीच कांटे का मुकाबला

द. अफ्रीका पर श्रृंखला जीत के लिए रो–को पर टिकी भारत की उम्मीदें

हरिभूमि न्यूज ▸▸ रायपुर

ड्रेसिंग रूम के माहौल को लेकर अफवाहों के बीच दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ बुधवार को दूसरा वनडे और श्रृंखला जीतने के लिए भारत की उम्मीदें विराट कोहली के शानदार फॉर्म और रोहित शर्मा की दमदार मौजूदगी पर लगी होंगी। कोहली के 52वें वनडे शतक और रोहित की 57 रन की आक्रामक पारी के दम पर भारत ने रांची में पहले मैच में दक्षिण अफ्रीका को 17 रन से हराया। वनडे विश्व कप 2027 में अभी दो साल है और ऐसे में कोहली और रोहित के लिए हर मैच अपनी फिटनेस और फॉर्म को साबित करने का जरिया है। मुख्य कोच गौतम गंभीर से लगातार बढ़ते मतभेदों का मसला भी अहम है। इसे लेकर लग रही अटकलों के बीच लगता है कि बीसीसीआई को कहीं न कहीं दखल देना होगा।

रोहित-कोहली ने किया विश्व कप के लिए अपना दावा पुख्ता

पिछले दो वनडे में भारत की जीत के सूत्रधार रहे रोहित और कोहली ने दक्षिण अफ्रीका में होने वाले विश्व कप के लिए अपना दावा पुख्ता कर दिया है। रोहित के शानदार प्रदर्शन से भारत ने अक्टूबर में आस्ट्रेलिया को सिडनी वनडे में नौ विकेट से हराया था। चयन समिति के प्रमुख अजित अगरकर और गंभीर ने विश्व कप में दोनों की भागीदारी को लेकर कुछ नहीं कहा है, जो शायद तनाव की वजह हो सकता है । पहला मैच जीतने के बावजूद भारत की चिंता कम नहीं हुई है। लिस्ट ए क्रिकेट में प्रभावी प्रदर्शन करने वाले रुतुराज गायकवाड़ को चौथे नंबर पर भेजा गया लेकिन वह इसके लिये तैयार नहीं दिखे। कार्यवाहक कप्तान केएल राहुल छठे नंबर पर उतरे। वॉशिंगटन सुंदर को बल्लेबाजी क्रम में प्रयोगों की आदत हो चुकी है। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ कोलकाता टेस्ट में तीसरे नंबर पर उतरने के बाद उन्हें पहले वनडे में पांचवें नंबर पर भेजा गया लेकिन वह बड़ी पारी नहीं खेल सके। गेंदबाजी में उन्होंने तीन ही ओवर डाले और 18 रन दिए।

रायपुर वनडे में बावुमा और महाराज की वापसी

मार्को यानसेन ने 26 गेंद में अर्धशतक पूरा किया और 39 गेंद में 70 रन बनाये ।मैथ्यू ब्रीज्के ने भारत के खिलाफ पहला वनडे खेलते हुए 72 रन बनाए। दक्षिण अफ्रीका ने पहला वनडे कप्तान तेम्बा बावुमा और स्पिनर केशव महाराज के बिना खेला, जिन्हें आराम दिया गया था। अब दोनों की वापसी से टीम को मजबूती मिलेगी। शहीद वीर नारायण सिंह स्टेडियम पर एकमात्र वनडे जनवरी 2023 में खेला गया था जब पिच से मिलने वाली सीम की मदद से मोहम्मद शमी और मोहम्मद सिराज ने न्यूजीलैंड टीम को 108 रन पर आउट कर दिया था। भारत ने 30 ओवर बाकी रहते आठ विकेट से जीत दर्ज की थी। यहां दिसंबर 2023 में आस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20 मैच में भी भारत ने 20 रन से जीत दर्ज की थी।

संभावित टीमें

भारत : केएल राहुल (कप्तान), रोहित शर्मा, यशस्वी जायसवाल, विराट कोहली, तिलक वर्मा, ऋषभ पंत, वाशिंगटन सुंदर, रवींद्र जडेजा, कुलदीप यादव, नीतीश कुमार रेड्डी, हर्षित राणा, रुतुराज गायकवाड़, प्रसिद्ध कृष्णा, अर्शदीप सिंह, ध्रुव जुरेल।

दक्षिण अफ्रीका : तेम्बा बावुमा (कप्तान), एडेन मारक्रम, डेवाल्ड ब्रेविस, नांद्रे बर्गर, क्विंटन डी कॉक, मार्को यानसन, टोनी डी जॉर्जी , रुबिन हरमन, ओटनील बार्टमैन, कॉर्बिन बॉश, मैथ्यू ब्रीट्ज़के, केशव महाराज, लुंगी एनगिडी, रयान रिकेलटन, प्रेनेलन सुब्रायन।

आईपीएल 2026

नीलामी में शामिल नहीं होंगे मैक्सवेल, नाम लिया वापस

एजेंसी ▸▸ सिडनी

आईपीएल में एक दशक के कैरियर में कुछ खास नहीं कर सके ग्लेन मैकसवेल ने अबुधाबी में 16 दिसंबर को होने वाली मिनी नीलामी से नाम वापिस ले लिया। 'बिग शो' के नाम से मशहूर 37 वर्ष के मैक्सवेल ने 2012 से हर आईपीएल (2019 को छोड़कर) खेला है। वह 141 मैचों में 2819 रन ही बना सके और उनका औसत 24 से भी कम रहा। उन्होंने अपनी आफ ब्रेक गेंदबाजी से 8.30 की इकॉनामी रेट से 41 विकेट लिए।

■ आईपीएल ने मुझे एक क्रिकेटर और इंसान के तौर पर निखारा

भारत की ऊर्जा हमेशा मेरे साथ रहेंगी : मैक्सवेल

मैक्सवेल ने इंस्टाग्राम पर लिखा,'आईपीएल में कई यादगार सत्रों के बाद मैंने इस साल नीलामी से नाम वापिस लेने का फैसला किया है। यह बड़ा फैसला है और लीग से जो कुछ भी मिला है, उसके प्रति कृतज्ञता जताते हुए लिया है।' उन्होंने लिखा,'आईपीएल ने मुझे एक क्रिकेटर और इंसान के तौर पर निखारा है। मैंने कई विश्व स्तरीय खिलाड़ियों और टीमों के साथ खेला और क्रिकेट के लिए असाधारण जुनून रखने वाले दर्शकों के सामने खेला है। ये यादें, चुनौतियां और भारत की ऊर्जा हमेशा मेरे साथ रहेंगी।' मैक्सवेल ने कोई कारण नहीं बताया लेकिन अधिकांश बड़ी टीमें उनके अच्छे प्रदर्शन के लिए इंतजार से थक चुकी हैं। अक्सर महंगे दामों पर बिकने के बावजूद वह अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं।

क्रिकेट

वनडे और टेस्ट क्रिकेट मेरे खेल के मुताबिक : तिलक

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

भारतीय बल्लेबाज तिलक वर्मा को लंबे प्रारुपों में खेलना रास आता है

और वह विराट कोहली से फिटनेस और विकेटों के बीच दौड़ के बारे में सलाह ले रहे हैं ताकि आने वाले मौकों का पूरा फायदा उठा सकें।

तेइस वर्षीय इस खिलाड़ी ने अब तक सिर्फ चार वनडे खेले हैं जबकि उन्हें टेस्ट टीम में मौका मिलने का इंतजार है। उन्होंने कहा कि मौजूदा वनडे श्रृंखला में टीम में कोहली और रोहित शर्मा जैसे दिग्गजों की मौजूदगी से उनका आत्मविश्वास बढ़ा है। तिलक ने कहा, ' वनडे और टेस्ट क्रिकेट मेरे खेल के मुताबिक है और मैं इसका अधिक लुत्फ उठाता हूं। मैं और वनडे खेलने के लिए उत्साहित हूं। जब रोहित भाई और विराट भाई एक ही टीम में होते हैं, तो आत्मविश्वास का स्तर बिल्कुल अलग होता है।' उन्होंने रोहित और कोहली की तारीफ करते हुए कहा, 'उनके पास अपार अनुभव और ज्ञान है। मैं बेहतर होने के लिए उनसे ज्यादा से ज्यादा सलाह लेने की कोशिश करता हू।' तिलक ने कहा, 'मैं विराट भाई से काफी बात करता हूं, खासकर फिटनेस और विकेटों के बीच दौड़ के बारे में उनकी सलाह लेता हूं। मुझे भी दौड़ना पसंद है और मुझे लगता है कि इस मामले में मैं काफी तेज हूं।'

यानसन बेहतरीन ऑलराउंडर : कैलिस

बेंगलुरु। दक्षिण अफ्रीका के दिग्गज क्रिकेटर जाक कैलिस ने कहा कि मार्को यानसन ने हाल के महीनों में अपनी बल्लेबाजी में जो सुधार किया है, वह उन्हें आधुनिक क्रिकेट के शीर्ष हरफनमौला खिलाड़ियों में जगह बनाने में मददगार होगा। यानसन ने भारत दौरे पर आक्रामक बल्लेबाज के तौर पर अपनी साख को मजबूत करते हुए गुवाहाटी में टेस्ट और फिर रविवार को रांची में पहले वनडे में तेजी से अर्धशतक बनाए। कैलिस ने कहा, 'उसका साल शानदार रहा है, है ना? उसमें हमेशा से क्षमता थी। बस उसे अपने खेल को समझने की जरूरत थी। जाहिर है अब वह इसे समझ गया है और अच्छा संतुलन बना रहा है'। कैलिस ने कहा, ' यानसन की गेंदबाजी हमेशा शानदार रही है। पिछले कुछ वर्षों में उन्होंने बल्ले से अपनी प्रतिभा का पूरा इस्तेमाल नहीं किया था लेकिन अब उन्होंने निश्चित रूप से इसमें सुधार किया है। वह अब एक बेहतरीन हरफनमौला हैं। मुझे लगता है कि वह एसए20 में एक बड़ी भूमिका निभाएंगे।''

आयरलैंड को 8 विकेट से हारकर बांग्लादेश ने जीती 2-1 से सीरीज

चटगांव। बांग्लादेश ने आयरलैंड के खिलाफ तीन मुकाबलों की टी20 सीरीज 2-1 से अपने नाम कर ली है। मेजबान टीम ने मतिउर रहमान स्टेडियम में खेले गए सीरीज के अंतिम मुकाबले में 8 विकेट से जीत दर्ज की। बांग्लादेश के सलामी बल्लेबाज तंजीद हसन तमीम को 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया, जिन्होंने 7 बाउंड्री के साथ 55 रन की नाबाद पारी खेली। वहीं, मेहदी हसन को 'प्लेयर ऑफ द सीरीज' चुना गया। चटगांव में खेले गए इस मुकाबले की बात करें, तो टॉस जीतकर बल्लेबाजी चुनते हुए आयरलैंड की टीम 19.5 ओवरों में महज 117 रन पर सिमट गई। इस टीम को कप्तान पॉल स्टर्लिंग और टिम टेक्टर की जोड़ी ने संभली हुई शुरुआत दिलाई। दोनों खिलाड़ियों ने 4 ओवरों में 38 रन टीम के खाते में जोड़े। टिम टेक्टर 17 रन बनाकर पवेलियन लौटे। उनके आउट होने के बाद विकेटों का पतझड़ लग गया।

न्यूजीलैंड-वेस्टइंडीज पहला टेस्ट

विलियमसन की वापसी, लगाया अर्धशतक ब्रेसवेल-स्मिथ की शानदार साझेदारी

एजेंसी ▸▸ क्राइस्टचर्च

केन विलियमसन ने टेस्ट क्रिकेट में वापसी करते हुए अर्धशतक जड़ा, जिससे न्यूजीलैंड ने वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले क्रिकेट टेस्ट के पहले दिन 9 विकेट पर 231 रन बनाए। विलियमसन ने 102 गेंद में छह चौकों की मदद से 52 रन की पारी खेली।

उन्होंने सलामी बल्लेबाज और कप्तान टॉम लैथम (24) के साथ दूसरे विकेट के लिए उस समय 93 रन की साझेदारी की जब टीम ने मैच की तीसरी गेंद पर ही डेवोन कॉनवे (00) का विकेट गंवा दिया था। विलियमसन

हालांकि 33 गेंद के निजी स्कोर पर भाग्यशाली भी रहे जब वह ओजाय शील्ड्स की गेंद पर बोल्ड हो गए थे लेकिन यह नोबॉल हो गई।

एशेज श्रृंखला के दूसरे टेस्ट में ऑस्ट्रेलियाई ओपनर उस्मान ख्वाजा बाहर

इंग्लैंड ने ब्रिसबेन टेस्ट के लिए वुड की जगह जैक्स को दिया मौका

एजेंसी ▸▸ ब्रिसबेन

एशेज श्रृंखला के दूसरे टेस्ट के लिए इंग्लैंड की टीम में चोटिल तेज गेंदबाज मार्क वुड की जगह स्पिन गेंदबाजी करने वाले विल जैक्स के रूप में एकमात्र बदलाव किया गया है। हरफनमौला विल जैक्स को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ गुरुवार से ब्रिसबेन में शुरू हो रहे दिन-रात्रि मैच के लिए एकादश में शामिल किया गया है। जैक्स को पिछले दो साल से टीम के नियमित स्पिनर रहे शोएब बशीर पर तरजीह दी गई है। जैक्स ने तीन साल पहले पाकिस्तान में दो टेस्ट मैच खेले थे। उन्होंने उसके बाद से ज्यादातर सीमित ओवरों के मैच खेले हैं।

दूसरे टेस्ट के लिए इंग्लैंड टीम : जैक क्रॉली, बेन डकेट, ओली पोप, जो रूट, हैरी ब्रुक, बेन स्टोक्स (कप्तान), जेमी स्मिथ, विल जैक्स, गस एटकिंसन, ब्रायडन कार्स, जोफ्रा आर्चर।

टेस्ट में इंग्लैंड के लिए पहली पसंद बशीर

वुड के चोटिल होने के बाद इंग्लैंड ने जोश टंग और मैथ्यू पॉट्स जैसे तेज गेंदबाजों पर एक स्पिन गेंदबाजी करने वाले को प्राथमिकता दी है। बशीर पिछले दो वर्षों में टेस्ट में इंग्लैंड के लिए पहली पसंद के स्पिनर रहे हैं। उन्होंने 19 मैचों में 68 विकेट लिए हैं। 22 वर्षीय बशीर पहले टेस्ट में टीम के 12वें खिलाड़ी थे। इंग्लैंड इस टेस्ट मैच को दो दिन के अंदर हार गया था। इस बीच एशेज से जुड़ी एक अन्य खबर में ऑस्ट्रेलिया के सलामी बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा पीठ की चोट के कारण ब्रिसबेन टेस्ट से बाहर हो गए हैं। इस चोट ने पहले मैच में भी उन्हें परेशान किया था।

अर्जी ली वापस

हवाला लूट कांड की आरोपी एसडीओपी पूजा पांडे व रितेश वर्मा को जमानत नहीं

जबलपुर। कटनी से जालना, नागपुर जा रही कार से हवाला के 2.96 करोड़ रूपये लूटने के मामले में आरोपी एसडीओपी पूजा पांडे व रितेश वर्मा को हाईकोर्ट से जमानत नहीं मिली है। मामले पर मंगलवार को सुनवाई के दौरान पूजा व रितेश की ओर से जमानत आवेदन वापस लेने की अनुमति मांगी गई। जस्टिस देवनारायण मिश्रा की सिंगल बेंच ने अर्जी वापस लेने की अनुमति प्रदान कर दी।

दरअसल, अभी इस मामले में ट्रायल कोर्ट में चार्जशीट पेश नहीं की गई है। आरोपियों की ओर से दलील दी गई कि चार्जशीट पेश होने व अन्य प्रमुख दस्तावेज एकत्र करने के बाद पुनः जमानत अर्जी दाखिल की जाएगी। उल्लेखनीय है कि विगत आठ व नौ अक्टूबर की रात को सिवनी पुलिस ने एक कार को रोका था। जिसमें करीब तीन करोड़ रुपये हवाला की रकम थी।

उक्त मामले को रफा दफा करने एसडीओपी पूजा पांडे व उनकी टीम ने आरोपितों से साठगांठ की थी। इतना ही नहीं बड़ी राशि रिश्वत के तौर पर प्राप्त की थी। उक्त मामले का खुलासा होने के बाद पुलिस ने एसडीओपी पूजा पांडे सहित 11 पुलिस कर्मियों के विरुद्ध अपहरण, लूट व अपराधिक साजिश के तहत विभिन्न धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज कर उन्हें निलंबित कर गिरफ्तार किया गया था। सेशन कोर्ट से 25 अक्टूबर को जमानत अर्जी निरस्त होने के बाद पूजा पांडे ने जमानत पाने हाईकोर्ट की शरण ली थी।

प्राणघातक हमलावर को दस साल की सजा

जबलपुर। अपर सत्र न्यायाधीश महिमा कुछवाहा की अदालत ने पुरानी रंजिश के चलते अपने साथियों के साथ मिलकर एक युवक पर जानलेवा हमला करने वाले आरोपी आशू उर्फ अनिकेत को दोषी करार दिया है। अदालत ने आरोपी को 10 साल के कारावास व तीन हजार रुपये के अर्थदंड की सजा सुनाई है।

अदालत के समक्ष अभियोजन पक्ष की ओर से विशेष लोक अभियोजक वर्षा वैद्य ने पक्ष रखा। जिन्होंने बताया कि 18 वर्षीय आशू उर्फ अनिकेत निवासी बीटी तिराहा पचमठा मंदिर ने अपने साथी संजू ठाकुर उम्र 19 साल निवासी रानीपुर माली मोहल्ला, मदनमहल व एक 16 वर्षीय विधि विवादित बालक के साथ मिलकर 23 जून 2019 को अरूण पाल सिंह पिता प्रीत पाल सिंह उम्र 27 साल निवासी महाकौशल बैंक नदीपार राम मनोहर लोहिया वार्ड कटनी, तत्कालीन निवासी जबलपुर पर पुरानी रंजिश के चलते जानलेवा हमला किया था। जिसकी शिकायत पर गढ़ा पुलिस ने धारा 307 सहित अन्य धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज कर अदालत के समक्ष चालान पेश किया था। विचारण दौरान पेश किये गये गवाह व साक्ष्यों के मद्देनजर अदालत ने उक्त सजा सुनाई।

शहर में कॉलोनाईजर्स के लिए सख्त निर्देशः वृक्षारोपण, रैन वॉटर हार्वेस्टिंग, सीवर एवं एस.टी.पी. अनिवार्य

जबलपुर। शहर में अवैध कॉलोनियों के विकास और पर्यावरण मानकों के उल्लंघन को रोकने के लिए निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार ने कड़ा रुख अपनाया है। आज कॉलोनी सेल के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक में उन्होंने स्पष्ट किया कि अब से सभी कॉलोनियों में विकास अनुज्ञा के तहत वृक्षारोपण, रैन वॉटर हार्वेस्टिंग, सीवर लाइन बिछाने और सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एस.टी.पी.) का निर्माण अनिवार्य होगा। निगमायुक्त अहिरवार ने कहा कि कॉलोनी विकास की अनुमति देने से पहले यह सुनिश्चित किया जाएगा कि कॉलोनाईजर द्वारा प्रस्तुत ले-आउट प्लान में ये चारों मूलभूत पर्यावरणीय और नागरिक सुविधाएं शामिल हों। उन्होंने कहा कि शहर में लगातार बढ़ते जल संकट और पर्यावरण प्रदूषण को देखते हुए ये कदम आवश्यक हैं। निगमायुक्त ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जो कॉलोनाईजर इन अनिवार्य शर्तों का पालन नहीं करते, उनके खिलाफ तुरंत कड़ी कार्रवाई की जाए। नियमों का उल्लंघन करने पर कॉलोनाईजर की विकास अनुज्ञा रद्द की जा सकती है और उनके विरुद्ध नियमानुसार एफ.आई.आर. दर्ज कराई जाएगी।

बिजली महंगी होने के आसार, जनता की जेब होगी ढीली

बढ़ती लागत का हवाला, वितरण कंपनियाँ पेश करेंगी नई टैरिफ याचिका

जबलपुर। मध्यप्रदेश में आगामी वित्तीय वर्ष से पहले बिजली उपभोक्ताओं पर बढ़े हुए बिलों का दबाव एक बार फिर बढ़ सकता है। प्रदेश की तीनों बिजली वितरण कंपनियाँ अब मप्र विद्युत विनियामक आयोग में नई टैरिफ याचिका पेश करने की तैयारी कर रही हैं। कंपनियों का कहना है कि वर्षभर में कोयले की कीमतों, ट्रांसमिशन शुल्क, बिजली उत्पादन लागत, मेंटेनेंस और बाहरी खरीद में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, जिससे पुरानी दरों पर बिजली आपूर्ति करना संभव नहीं रह गया है।

1537 करोड़ की अतिरिक्त आय की जरूरत

ऊर्जा कंपनियों के अनुसार बढ़ती परिचालन लागत को देखते हुए अगले वित्तीय वर्ष के लिए 1537 करोड़ रुपये की अतिरिक्त आय की आवश्यकता अनुमानित की गई है। पिछले दो वर्षों में आयोग द्वारा 3.46 प्रतिशत और 1.65 प्रतिशत की टैरिफ बढ़ोतरी पहले ही लागू की जा चुकी है। इसके बावजूद, कंपनियों का दावा है कि खर्चों की गति वसूली से कई गुना अधिक है, जिससे घाटा लगातार बढ़ रहा है। पिछले वित्तीय वर्ष में घरेलू उपभोक्ताओं पर बिजली खर्च 6.40 से 8.71 रुपये प्रति यूनिट तक पहुँच गया था। नई याचिका में भी इसी श्रेणी में वृद्धि की आशंका जताई जा रही है। इसका सीधा असर घरेलू उपभोक्ताओं, किसानों और छोटे व्यापारियों पर पड़ेगा।

उपभोक्ता के साथ उद्योग पर भी बोझ

उद्योग जगत पहले ही बिजली को अपनी उत्पादन लागत का भारी हिस्सा मान रहा है। यदि नई दरें लागू हुईं तो उद्योगों की लागत और बढ़ेगी, जिससे बाजार पर भी असर पड़ेगा। नगर निगम, नगर पालिका और जलप्रदाय जैसी सेवाओं के लिए भी बिजली महंगी होने की संभावना है, क्योंकि स्ट्रीट लाइट्स और पानी सप्लाई की पूरी व्यवस्था बिजली पर निर्भर है। उपभोक्ता संगठनों ने मांग की है कि सरकार और आयोग कंपनियों की वित्तीय स्थिति की पारदर्शी जांच कराएं, ताकि अनावश्यक वृद्धि रोकी जा सके। आयोग की आगामी सुनवाई के बाद ही यह तय होगा कि जनता पर भारी बिजली बिलों का बोझ बढ़ेगा या उन्हें राहत मिलेगी।

अवैध रेत उत्खनन में लिप्त हाईवा जब्त

जबलपुर। गौरीघाट पुलिस ने नर्मदा नगर में अवैध रेत के उत्खनन में लिप्त एक हाईवा चालक को गिरफ्तार कर उसके पास से रेत से भरा हाईवा जब्त किया है। गौरीघाट थाना प्रभारी सुभाषचंद बघेल ने बताया कि गत दिवस मुखबिर की सूचना पर नर्मदा नगर में हाईवा क्रमांक एमपी 20 जेडक्यू 5995 में चोरी की रेत ले जा रहे पुरानी बस्ती ललपुर गौरीघाट निवासी 40 वर्षीय सुमित ठाकुर उर्फ बबलू को गिरफ्तार किया गया। उसके पास रेत की रॉयल्टी के कागज नहीं थे। चालक ने पूछताछ में पुलिस को बताया कि ललपुर निवासी अर्पित यादव के कहने पर रेत उत्खन्न कर हाईवा में लोड कर ले जा रहा था। पुलिस ने आरोपी हाईवा चालक एवं हाईवा मालिक के विरूद्ध धारा 303(2), 317(5), 3(5) बीएनएस तथा 21(4) खान खनिज अधिनियम के तहत कार्यवाही की गई।

कठोंदा वेस्ट-टू-एनर्जी प्लांट 6 से फिर होगा चालू

जबलपुर। शहर के कचरा प्रबंधन में मील का पत्थर साबित होने वाला कठोंदा वेस्ट-टू-एनर्जी प्लांट 6 दिसंबर 2025 से पूर्ण संचालन के लिए तैयार है। 600 टन प्रतिदिन क्षमता वाले इस प्लांट को 7 अक्टूबर से रखरखाव के लिए अस्थायी रूप से बंद किया गया था। निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार ने बताया कि प्लांट की तकनीकी प्रक्रियाएं सफलतापूर्वक पूरी कर ली गई हैं। बॉयलर की ड्राई-आउट प्रक्रिया और टर्बाइन रोटर की इंस्टॉलेशन का काम संपन्न हो चुका है। अब प्लांट अपनी पूरी क्षमता से बिजली उत्पादन कर सकेगा। शहरवासियों को इससे स्वच्छ और हरित जबलपुर की दिशा में बड़ी छलांग मिलने की उम्मीद है।

MODEL	125 NEON	125 CF	NS 125 ABS	N160 USD	PLATINA 110
100% GST लाभ	₹7 161/-*	₹8 034/-*	₹9 274/-*	₹11 640/-*	₹6 331/-*
PF + इंश्योरेन्स सेविंग्स	₹2600/-*	₹2 900/-*	₹3 300/-*	₹4 200/-*	₹2 400/-*
हैट-ट्रिक सेविंग्स	₹9 761/-*	₹10 934/-*	₹12 574/-*	₹15 840/-*	₹8 731/-*

10 YEAR WARRANTY | BAJAJ SECURE • AMC • ROAD SIDE ASSISTANCE | 72198 21111 | SHRIRAM Finance | IDFC FIRST Bank | BAJAJ AUTO CREDIT | L&T Finance | TATA CAPITAL Two Wheeler Loans

*नियम और शर्तें लागू. हैट-ट्रिक सेविंग्स 25 नवंबर 2025 से 25 दिसंबर 2025 तक लागू है. दर्शाई गई कुल सेविंग्स 100% GST लाभ, (एक्स शोरूम कीमत और लागू होने वाले परिणामी आरटीओ टैक्स पर), शून्य प्रोसेसिंग फी और 1 साल की ओन डैमेज इंश्योरेन्स (OD) से प्राप्त सेविंग्स का कुल योग है. शून्य PF और OD पर सेविंग्स फायनान्सर/इंश्योरेन्स-कर्ता पर निर्भर करते हुए लोकेशन्स के अनुसार बदल सकती हैं. फायनान्स उपलब्ध है फायनान्सर के अपने स्व-निर्णय पर. स्टंट्स, एक्सपर्ट्स द्वारा प्रोफेशनल सुपरविज़न के तहत, आम जनता या आम रास्तों से हट कर नियंत्रित और बंद सीमित वातावरण में किए गए हैं. कृपया इन स्टंट्स की नकल करने का प्रयास न करें और हर समय ट्रैफिक तथा सुरक्षा नियमों का पालन करें.

Authorised Dealers for BAJAJ Auto Ltd.: Jabalpur: Nagrath Chowk FRONTIER BAJAJ 7771011270, 7771003332 • **Damoh Naka** SELECT BAJAJ 7880097791 • **Balaghat** SAI BAJAJ 9425822517• **Damoh** MAA LAXMI BAJAJ 8109061441 • **Narsinghpur** SATKAR BAJAJ 7747008720 • **Seoni** FRONTIER A S BAJAJ 9302893612 • **Shahdol** JAYSHREE BAJAJ 7879858023 • **Katni** TARA BAJAJ 9111407700

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अचिंत महेश्वरी द्वारा हरिभूमि प्रेस, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)- 482002 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)- 482002 से प्रकाशित। प्रधान संपादक-डॉ. हिमांशु द्विवेदी RNI No.: MPHIN/2008/24240